

# Vidyadhiraja Vidya Bhavan

Higher Secondary School



School Magazine 2013-14

**We are proud of you  
A+ winners of class XII with their Trophies at  
PTA Generalbody 2012-13**



*Congratulations*

# VIDYADHIRAJA VIDYA BHAVAN

*Higher Secondary School*

Aluva

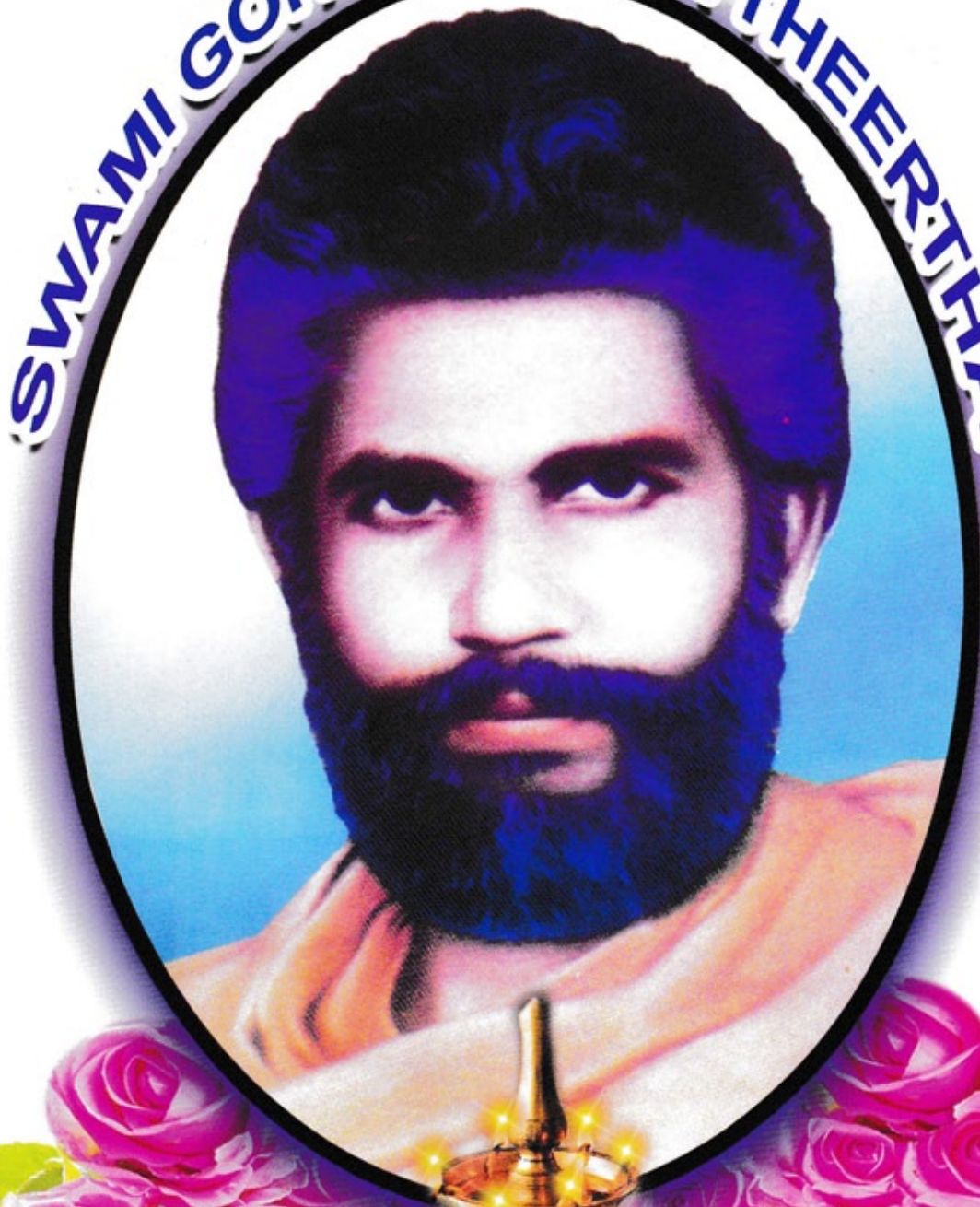
Phone: 2625178, 2627178, 2627168



**School Magazine**  
**2013-14**

His Holiness

SWAMI GOPALANANDA THEERTHA



(1932-1979)

സ്മരണാഞ്ജലി

ഓർമ്മകൾ ഞങ്ങൾക്ക് മണിപ്പെടുത്തുകയും  
കർമ്മകാണ്ഡത്തിലെ ശുക്രനക്ഷത്രമേ,  
ധർമ്മസൂത്രങ്ങളും തത്ത്വപദങ്ങൾ  
മർമ്മരം പോലെ ശ്രവിക്കുമാറാക്കണം



**Retd. JUDGE SUNDARAM GOVIND**  
**CHAIRMAN**



**Adv. M.K. PADMANABHAN**  
**MANAGING TRUSTEE**

# GEETHA BHAVAN TRUST

## MEMBERS OF TRUST



Sri. A.V. BHASKARJI  
(Permanent invitee)



Sri. C.A. P. MAHARAJ  
(Patron)



Dr. S. AIYAPPAN PILLAI



Sri. A.P. VISHWAMBARAN



Dr. K.P.S. Nair



Sri. C.A. V. VINOD KAMATH



Sri. P.N. RAMAN NAMBOOTHIRI



Sri. C.B. ACHUTHAN PILLAI



**Sri. M. MOHANAN**

**Manager**





**Sri. A.N. PANKAJAKSHAN NAIR**  
**DIRECTOR- ACADEMIC**



**Smt. LATHA M.**  
**PRINCIPAL**

## ज़िन्दगी भी क्या अजीब है

कितनी अजीब ज़िन्दगी है ।  
जो बोया वो उगाते नहीं  
और जो उगाया वो कभी बोया भी नहीं  
ये ज़िन्दगी भी कितनी अजीब है ।

बिना चाहके फिसलते है  
जानके भी अनजान बनते है  
देख के भी अनदेख  
और जान के भी अनजान ।



पल्लवी. ए. रावु  
VIII B



## गुडिया रानी

ओ मेरी प्यारी गुडिया रानी  
कितनी सुन्दर है तू  
तेरी नीली नीली आँखें  
और तेरी प्यारी हँसती चेहरा ।  
तेरी काली काली बाल  
तेरी प्यारी प्यारी चाल  
मुझको प्यारी लगती है  
तेरी मीठी-मीठी बातें ।



कार्तिका राजीव  
VIA



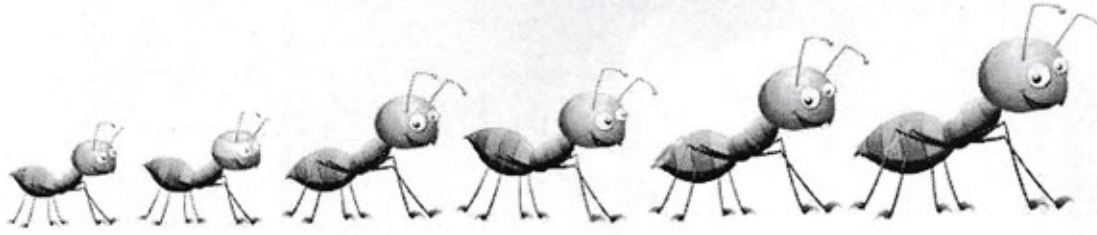
अश्वनी. सी. राजीव  
VIII B

## समय का सदुपयोग

समय अमूल्य है । यह निरन्तर गतिशील है । इसके गतिशील होने में इसका मूल्य है इसकी गति के साथ जो मनुष्य कर्मशील रहता है । वही इसके मूल्य से लाभ उठा सकता है । प्रत्येक मनुष्य को एक निश्चित अवधि का जीवन प्राप्त होता है । निश्चित अवधि के इस जीवन में बूँद - बूँद कर्म से लोक-परलोक सुधारने का घड़ा भरना पड़ता है । अतः मनुष्य के लिए एक - एक पल गँवाना जीवन के मूल्य को गँवाना है, जिसे पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता ।

समय स्थिर रहकर कभी किसी की प्रतिक्षा नहीं करता । समय का मूल्य न

पहचानने वाले अंत में केवल पश्चाताप देकर जाता है । वास्तव में समय के अनुसार कार्य करके ही मनुष्य सफल ही सकता है । समय का मूल्य मानवों को नहीं मालूम । यह समय मनुष्य यदि आलस्य में गँवा देता है, तो उसे कठोर परिश्रम का अवसर पुनः प्राप्त नहीं होता और वह जीवन में पिछड़ जाता है । मनुष्य को समय का महत्व पहचानते हुए अपनी जीवन के हर पल को उत्साह से कर्मशील रहते हुए व्यतीत करना चाहिए । इसलिए समय का दुरुपयोग न करना ।



फमीना एन. मुबारक

# अनुशासन

अनुशासन एक महान गुण है। उसके द्वारा आदमी का चरित्र स्वच्छ बनाता है और उसका जीवन उज्वल होता है।

शासन के अनुसार चलना अनुशासन कहलाता है। सरकार तथा समाज के द्वारा बनाये गये नियमों का पालन करना अनुशासन है। घरों में बड़ों की आज्ञा का पालन करना, विध्यालयों में विध्यालय के नियमों का पालन करना, कार्यालय में वहाँ के नियमों का पालन करना अनुशासन के अंतर्गत आते हैं। अनुशासन सहजत : अपने ही घर से प्राप्त होता है। मानव के व्यक्तित्व पर माता-पिता, भाई - बंधू पडोस स्कूल और समाज आदि का प्रभाव होता है।

मुख्यत : माता, पिता, और अध्यापक का प्रभाव हरेक के जीवन पर होता है। उनका जीवन अनुकरणीय होता है। अतः हर माता - पिता का तथा अध्यापक का आचरण शुद्ध होना चाहिए। उनके सच्चरित्र का प्रभाव बच्चों पर आवश्यक होता है।

अनुशासन दो प्रकार का होता है। पहला है आंतरिक अनुशासन। इसके द्वारा व्यक्ति स्वयं अनुशासित बनता है। वह सारे समाज को परखता है। वह सामाजिक गुण - दोषों पर खुद विचार करता है। कोई आंतरिक चेतना उसे बुरे कामों से बचाती है। उसका हर कार्य बिलकुल साफ-सुधरा होता है।

वैसे वह अनुकरणीय बन जाता है। दूसरा विधान है बाह्य अनुशासन। बाह्य अनुशासन में पडे व्यक्ति को दूसरा व्यक्ति काबू में रखता है उसकी आज्ञानुवृत्ति हो जाता है।

अनुशासन एक महान लक्षण और गुण है। अनुशासन में संयमन शक्ति होती है। अनुशासन के बल पर ही महात्मा गाधी, नेहरु, गौतम बुद्ध, गुरु नानाक, ईसा, मुहम्मद, शंकराचार्य आदि महान बन सके। और वे अवतार पुण्य माने जाते हैं।



श्रीदेवी बालकृष्णन

## ज़िन्दगी क्या खिलौना है ?

है मानव ! ज़िन्दगी को जानो,  
ज़िन्दगी एक खिलौना नहीं।  
उसे खिलौना मानेगा तो  
व्यर्थ हो जायेगा जीवन।

ज़िन्दगी की लक्ष्य जानकर  
आगे बढो पहुँचो लक्ष्य पर  
मत रूको यहाँ - वहाँ  
समय गया तो सब गया ।

ज़िन्दगी को खिलौना मानकर  
खराब किया तो सोचो ?  
तुम अपने को ही खराब किया ।  
जियो खुशी से, पहुँचो लक्ष्य पर ।

## पानी के बदले पानी ही



इन्द्रजा राजन

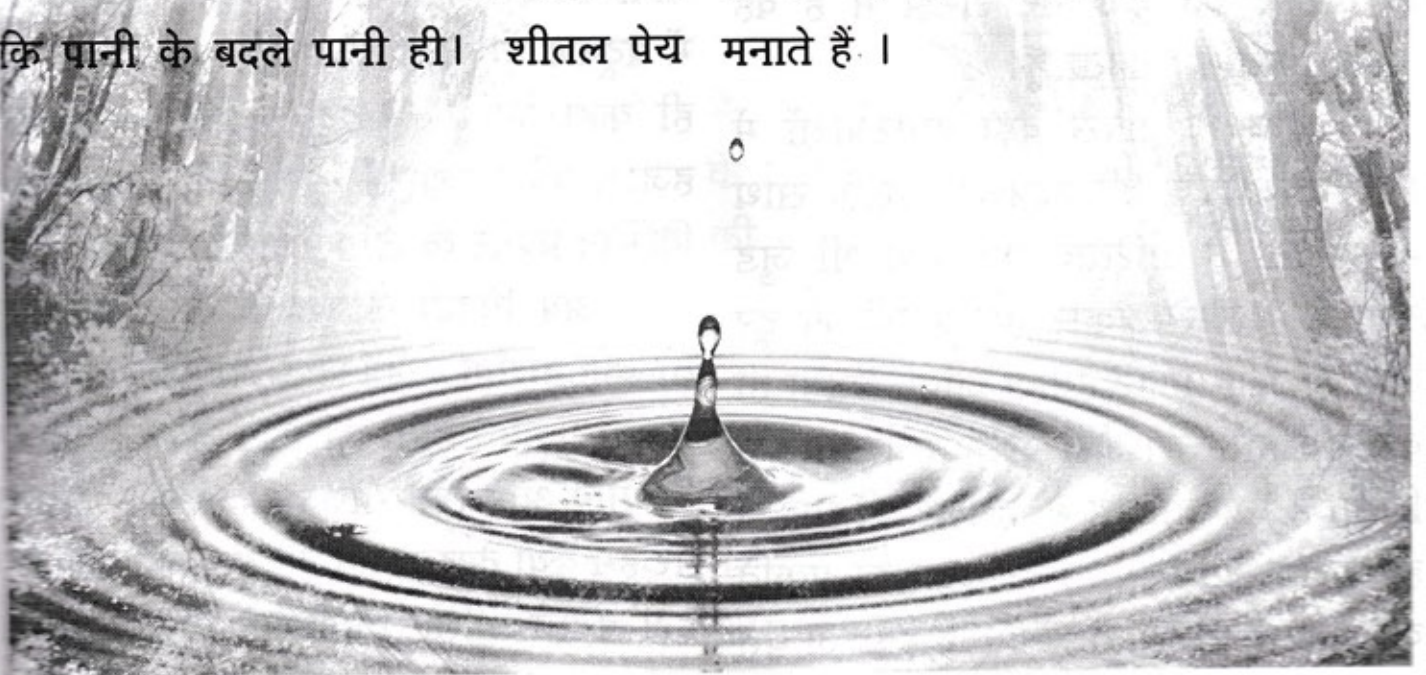
IX B

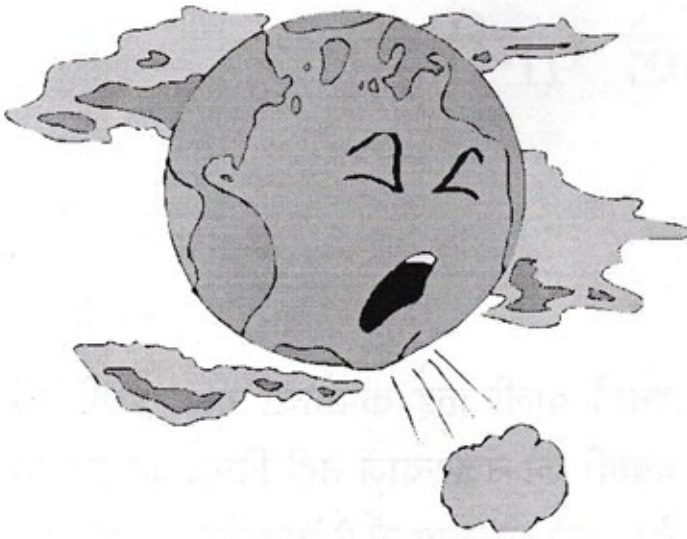
हम हमेशा अंधांधुध पानी का प्रयोग करते हैं लेकिन क्या कभी इस बारे में सोचा है कि हमारे पास भविष्य के लिए कितना पानी उपलब्ध है। हम अपनी आनेवाले पीढियों के लिए क्या छोड़ रहे हैं ? हमारे देश में भूमिगत जल का भरपूर प्रयोग किया जाता है। इसी भूमिगत जल के बोगिचक दोहन से वास्तविक जल संकट उत्पन्न हो गया है।

पानी के बिना जीना असाध्य है। अंत जिदंगी में जल को मुख्य स्थान दिया जाती है। इसलिए पानी की रक्षा करना हमारी आवश्यकता है और एक बात भी याद रखना कि पानी के बदले पानी ही। शीतल पेय

बनाने वाली कई कंपनियाँ द्वारा पानी की बर्बादी को नज़रन्दाज़ नहीं किया जा सकता है। कुएँ, तालाब जैसे पारंपरिक स्रोत नष्ट होते चले जा रहे हैं। यही वजह है कि हर साल देश में भूमिगत जल का स्तर औसतन एक मीटर नीचे खिसक जाता है।

इसलिए पानी के बिना जीना असंभव है मार्च २२ - दुनिया पानी दिन, २००७ - पानी वर्ष, २००३ - अंतरराष्ट्रीय पानी वर्ष २००५ - २०१५ - जानपानी दशाब्दी आदि मनाते हैं।





सुदेव. टी

## पर्यावरण और प्रदूषण

आदरणीय गुरुजनों और मेरे प्यारे दोस्तों आप सबको मेरा सादर प्रणाम । हमें मालूम है आज हर जगह पर प्रकृति की सुरक्षा करने के लिए कई बातें हो रहा है। लेकिन क्या प्रकृति प्रदूषण से मुक्त है? आज मैं आप के सामने पर्यावरण और प्रदूषण के बारे में जो कुछ मेरे समझ में है वह आपको बताना चाहता हूँ।

विश्व के सबसे बड़ा समस्याओं में एक है पर्यावरण की प्रदूषण। इसके साथ ही जीवन के अस्तित्व का प्रश्न भी जुड़ गया है। जिस प्रकार हम प्रकृति से दूर जाते हैं उसी प्रकार हमारा जीवन उतना ही कष्टमय होता है। जैसे रविन्द्रनाथ टैगोर ने लिखा है - प्रकृति वह माँ है जिसकी गोद में ही बालक शोभा पाता है। अर्थात् प्रकृति को प्रदूषण से रहित बनाए रखना अत्यंत

आवश्यक है।

नगरीय सभ्यता के विकास के फलस्वरूप जो प्रदूषण आ गये है, जैसे मिट्टी प्रदूषण, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण और ध्वनी प्रदूषण भारत जैसे देशों में जो गाँवों का देश कहा जाता है। वहाँ पर्यावरण में प्रदूषण व्याप्त हो जाए तो हमारा दुर्भाग्य ही कहा जाएगा। प्रदूषण के फलस्वरूप हजारों की संख्या में लोग अंधे, बहरे और विभिन्न प्रकार के रोगों से ग्रस्त हो जाते हैं।

अब मिट्टी प्रदूषण के बारे में बताए तो कीटनाशक, प्लास्टिक आदी के कारण मिट्टी प्रदूषित होती है। आज हम देखते हैं कि गाँव और खेत गायब है। सबके स्थान पर हम क्या देख सकते हैं? हर कहीं फ्लाट। इसे बनाने के लिए टीलों को गिराकर उस





उन्निमाया. एस

IX B

## परिश्रम का महत्व

परिश्रम से ही कार्य सिद्ध होते हैं, इच्छा से नहीं। सृष्टी के आरंभ से लेकर आज तक मनुष्य ने जो भी विकास किया है वह सब परिश्रम की ही देन है। जब मानव जंगली अवस्था में था, तब वह घोर परिश्रमी था। बहु मंजिले भवन, बड़े-बड़े बाँधों का निर्माण, आकाश मंडल की यात्रा आदि हर जगह मानव के परिश्रम की गाथा सुनाई पड़ेगी। केवल शारीरिक परिश्रम ही

परिश्रम नहीं है। कार्यालय में बैठे हुए प्राचार्य, लिपिक या मैनेजर केवल लेखनी चलाकर या परामर्श देकर भी जी - लगाकर मेहनत करते हैं। जिस क्रिया में कुछ काम करने पड़े, जोर लगाने पड़े उसे मेहनत कहते हैं। परिश्रम ही सफलता की ओर जाने वाली सड़क है। परिश्रम से आत्मविश्वास पैदा होता है, स्वास्थ्य सदा ठीक रहता है, और गहरा आनन्द मिलता है।

मिट्टी जलश्रोतस में डाल दी जाती है। वायु प्रदूषण का मुख्य कारण कारखानों से निकलते हुए जहरीली और वाहनों से निकले हुए धुआँ।

आजकल कस्तूरीरंगन रपट और गाड़गिल रपट के बारे में बहुत संवाद चल रहा है। सोच विचार करने से हमें पता चलता है कि पर्यावरण परिरक्षण का इससे अटूट संबंध है। उसी प्रकार मौसम के बारे

में जो रपट आया है वह भी पर्यावरण परिरक्षण के बारे में आशंका बढ़ाती है। इससे संसार की बहुमूल्य जलस्त्रोतस गंगा नदी का भी नाश होने की संभावना है।

इसलिए दोस्तों, पर्यावरण को प्रदूषित करने में हम मानव का ही बड़ा हाथ है। प्रकृति को प्रदूषण से बचाने के लिए हम बच्चों को ही आगे आना चाहिए। तब हम प्रकृति को सुरक्षित रख पायेंगे।



## जूता कैसे आया

एक बार की बात है - एक राजा था । उसका एक बड़ा - सा राज्य था । एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा । जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया, उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की । राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़- पत्थर थे, वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतज़ाम करना चाहिए ।

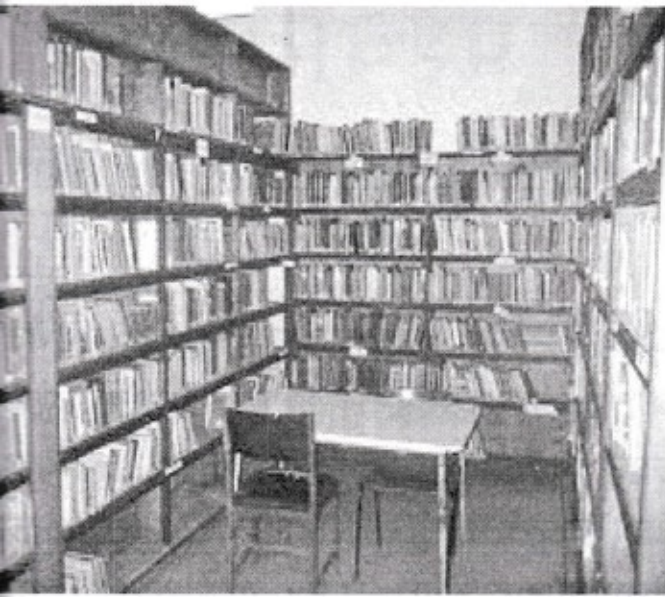
कुछ देर विचार करने के बाद उसने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं । राजा का ऐसा आदेरा सुनकर सब चिंता में आ गए । लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई । यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की ज़रूरत थी । लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा । कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ती



विनया वी. सी

IX A

निकाली । उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा - “मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ” । अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहे, तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है । जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बर्बादी भी बच जाएगी । राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी । उसने कहा बताओ क्या सुझाव है ? मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते । राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके चाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया । यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो । जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है । दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे आशय निकाले जा सकते हैं ।



## पुस्तकालय

पुस्तकालय ज्ञान - संचय के लिए निरर्थक स्थान है। पुस्तकालयों में ज्ञानियों के गहन विचार, प्रत्यक्ष अनुभव तथा सदुपदेश एवं बड़े गुरु - पुरुषों तथा मनीषियों के तत्व - दर्शन संग्रहीत होते हैं। विश्वविद्यालयों की ऊँची से ऊँची शिक्षा तक पुस्तकालयों के बिना अपूर्ण है अध्ययन करने वालों के लिए यह कल्प - वृक्ष के समान है।

पुस्तकालय कई प्रकार के होते हैं। किंतु इसके मुख्य दो भेद हैं निजी तथा सार्वजनिक। निजी पुस्तकालय व्यक्ति - विशेष अथवा समाज विशेष द्वारा स्थापित होते हैं तथा वे ही उनसे लाभ ले सकते हैं। सार्वजनिक पुस्तकालय से सर्व साधारण लाभ उठा सकते हैं। ऐसे पुस्तकालयों को सरकार सहायता भी देती है। आजकल प्रत्येक विद्यालय में भी एक पुस्तकालय होता है। विद्यालय के सभी छात्र तथा अध्यापक उसका उपयोग कर सकते हैं। अब चलते फिरते पुस्तकालय भी हैं।



श्रीलक्ष्मि अनीष

IX B

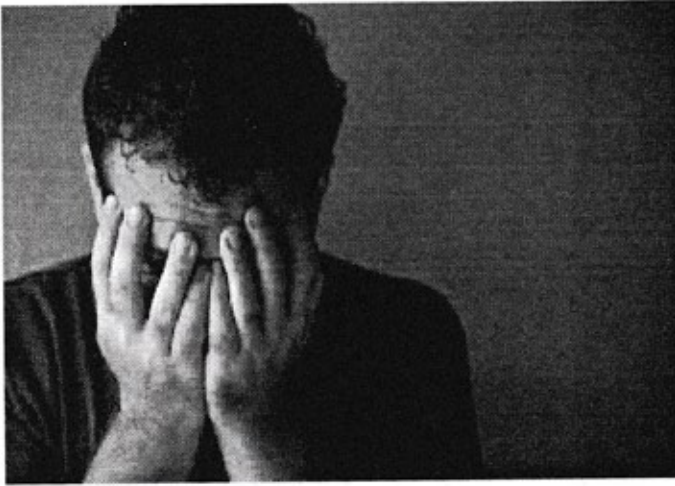
मनुष्य स्वभाव से ही ज्ञान - पिपासु है। उसकी ज्ञान पिपासा कभी शान्त नहीं होती। जिस प्रकार शरीर के लिए भोजन अनिवार्य है उसी प्रकार बुद्धि के लिए ज्ञान भी अनिवार्य है।

पुस्तकालयों द्वारा हम अपना मानसिक विकास तो करते ही हैं साथ ही अवकाश के समय का सदुपयोग भी करते हैं। अवकाश के समय में बेकार रहने से हमारे मन में कई प्रकार की दुर्भावनाओं का जन्म होता है। पुस्तकालय इस प्रकार की दुर्भावनाओं से हमारी रक्षा करते हैं।

पुस्तकालयों के द्वारा हम व्यक्तिगत ही नहीं, सामाजिक तथा राष्ट्रीय चेतना भी प्राप्त करते हैं। ये हमें देश भक्ति तथा समाज - सेवा की ओर प्रेरित करते हैं।

वर्तमान युग में सामान्य - ज्ञान अत्यन्तापेक्षित है। वह केवल स्कूल या कॉलेज की पुस्तकों द्वारा प्राप्त करना सर्वथा असंभव है। पुस्तकालय में ही विभिन्न देशों, भाषाओं, संस्थाओं तथा समाजों से संबन्धित सभी प्रकार की पुस्तकों, पत्रिकाएँ तथा समाचार पत्र प्राप्त हो सकते हैं।

पुस्तकें अमूल्य निधी हैं, उनकी उतनी ही सतर्कता से रक्षा करनी चाहिए। पुस्तकालयों का हमारी सरकार ने एक महत्वपूर्ण स्थान दिया है।



## पश्चाताप

(उपजिल्ला कलोत्सव में दूसरा स्थान मिला)

वह आफीस में प्रवेश किया। आज कुछ देर हो गया था। सब लोग अपने - अपने काम में लग गए थे। कोई गहरी चिन्ताओं से वह अस्वस्थ था।

“आपसे मिलने के लिए कोई आया है। बड़े सबेरे से आपका इंतजार करता था।” सहकर्मी का स्वर सुनकर वह अपने विचारों से जागा।

“अंदर आने दो” वह बोला।  
पैंतीस - पचास साल का एक अधेड़ आदमी काँच की दरवाज़ा खोलकर अंदर आया।  
बैठ जाओ। तुम कौन हो? क्या चाहिए ?  
आफीसर पूछा। “मैं पिछले कुछ दिनों से यहाँ आता था। मुझे कुछ प्रमाणपत्र चाहिए। अगर आज भी वह नहीं मिला तो शायद” .....  
उसकी बात बीच में रुक गया। उसका गला रुँध गया। किसी याद में उसके चेहरे पर धबराहट झलक पड़ा।

अचानक अफिसर को अपने परिवार

याद आ गया। कल उसकी इकलौती बेटि की पहला जन्मदिन है। बेटि के लिए तोफा लाने के बारे में बीवी ने आज सबेरे ही कहा था। व्यस्तता में यह आवश्य अनसुना कर देना शायद बीवी समझ नहीं पाया होगा, उसने सोचा। तोफा खरीदने का खर्च ही उसके आगे के सवाल थे। एक साल होकर भी सोने की एक टूकडा भी बेटि के लिए वह-खरीद नहीं सका था। अगर इस बार भी वह हाथ खड़ा कर दिए तो..... अपनी बीवी की प्रतिक्रिया सोचकर वह खिन्न हो गया।

“आपने कुछ नहीं कहा” वह अजनबी का स्वर था।

“हाँ। सब मिलेगा। पर कुछ खर्च करना पड़ेगा।” आफीसर ने बिना किसी संकोच से कहा।

“मुझे उससे कुछ ज़रूरत काम है। लेकिन मेरे पास पैसा नहीं है। उसका स्वर में धबराहट था।

“पैसे की ज़रूरत तो हमें भी है।”

“मेरे अवस्था को समझने की कोशिश कीजिए। कल मेरे बेटि की”



**Shri. K.K. BHASKARAN**  
**HEADMASTER**

“बैटी और परिवार मुझे भी है। एक काम करो, तुम जाकर कल आओ।” बीचमें दखल देकर आफीसर बोला अजनबी के सामने एक ही रास्ता तो था। उसको पैसा देना ही पड़ा।

दोपहर में ही आफीसर घर को निकला। बेटी के लिए लानेवाली तोफा ही उसका लक्ष्य था। खुशी से चमकते हुए आँखों से उसने घर की ओर चला। उस की माँ बरामदे पर ही खड़ा था।

“माँ क्या आप आओगी मुन्नी के लिए तोफा लाने के लिए?”

“तोफा।”

“हाँ, कल उसकी जन्मदिन है न। मैंने सोचा कि एक छोटा तोफा लाऊँ। एक साल हो गया फिर भी मैं उसको कुछ नहीं दिया है।

“लेकिन पैसा?”

“वो तो मेरे पास है।”

“तुमने तो आज सबेरे ही शिकायत की थी कि तुम्हारे पास पैसा नहीं है।

इतने में तुम्हें कैसे मिला पैसा?”

माँ से वह कुछ नहीं छुपा सका वह सच सच बता दिया बेटे की साहस पता चलने पर भी माँ बिलकुल शांत होकर बेटे को समझाया।

“बेटा दूसरों के पसीने की कमाई का फल नश्वर होते हैं। जो कुछ हम अपनी ही कर्म

के फलस्वरूप प्राप्त करते हैं। वो ही सदा के लिए कायम रहेगा। तुम जल्दी जाकर यह पैसा उसे लौटा दो”

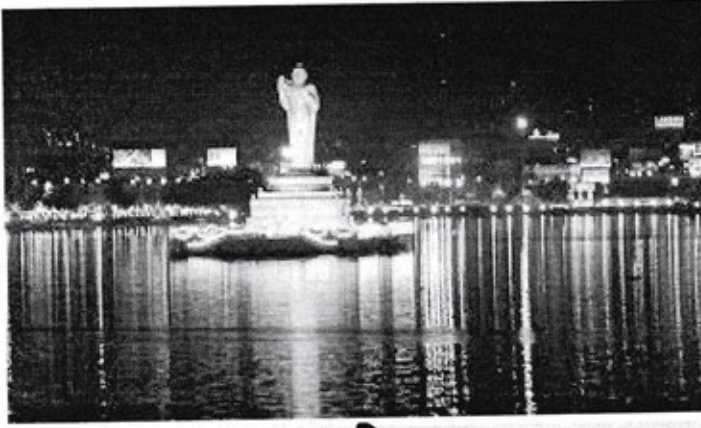
सकपकाकर वह घर से निकला। आफीस जाकर उस अजनबी का पता ढूँढ निकाला।

वह एक देहात के एक छोटे घर के आँगन में पहुँचा। घर के टूटा हुआ दरवाज़े से अंदर जाने पर उसने देखा-एक छोटी लड़की चारपाई पर लेटी थी।

“आप यहाँ” अजनबी की स्वर सुनकर वह धक्क से रह गया।

“ये लड़की” .....

“यह मेरे इकलैती बेटी है। कल इसकी ऑपरेशन है। इसके लिए मैं आफीस आया था। बात इसके दिल में सुई जैसे कुछ चुभा। उस लड़की को देख कर उसे अपनी मुन्नी याद आ गया। पश्चाताप से उसकी आखें भर गया। पैसा लौटा देकर वह भारी मन से घर लौटा रास्ते में सड़क के किनारे बैठे बूढ़ों को देखकर वह रुक गया। वहाँ निकलकर अपने पास बचते पैसे से उनको भोजन खरीद लाया।” कितने सालों से मैं इस रास्ते से गुज़रता था। फिर भी पहलीबार मैं इन लोगों को देखे हैं। एक स्निग्ध मुस्कान से वह चलता रहा।



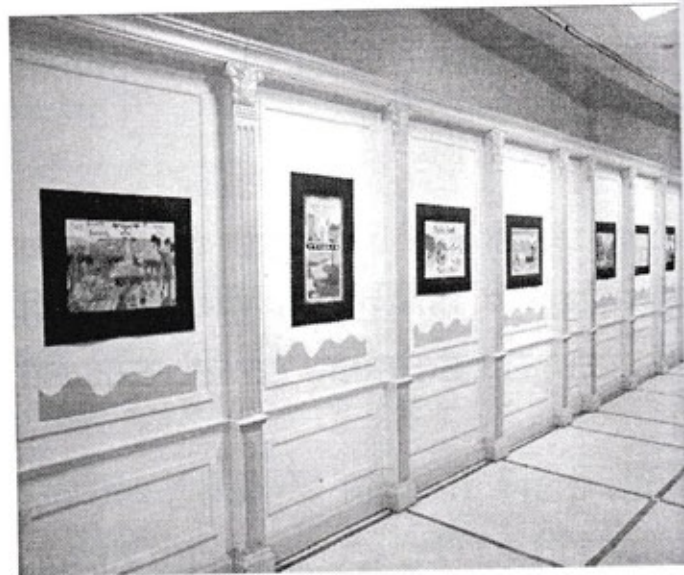
भद्रा देवदास

XC

## हैदराबाद की सैर

यह मेरी जीवन की सुंदर यात्रा थी, मेरे जीवन भर मैं इसे याद करूँगी। अक्टूबर-४ प्रभात में मैं माँ के साथ यात्रा के लिए तैयार होकर स्कूल पहुँचा। हम ७६ छात्राओं और ५ अध्यापिकाओं थे। हम स्कूल बस में रेलवे स्टेशन पहुँचे। रेल-गाड़ी दुपहर बारह बजे थी। हम सब अपने-अपने सीट पर बैठे उसी क्षण से अच्छी तरह आस्वादन किया। रेल-गाड़ी के भोजन हमें पसंद नहीं आया। उस समय हमें माँ के मीठे भोजन के मधुर याद आया। अगले दिन दुपहर एक बजे हम हैदराबाद पहुँचे। वहाँ दो बस हमारे इंतजार कर रहे थे। होटल में हमारे लिए सभी तैयारियाँ की थी। नहाने और भोजन के बाद ठीक चार बजे हम लुबीनी पार्क जाने के लिए तैयार हुआ। हम दो बस में यात्रा शुरू की। लुबीनी पार्क कितना सुन्दर था। वहाँ लेसर शो भी था। रात में हम होटल वापस आये।

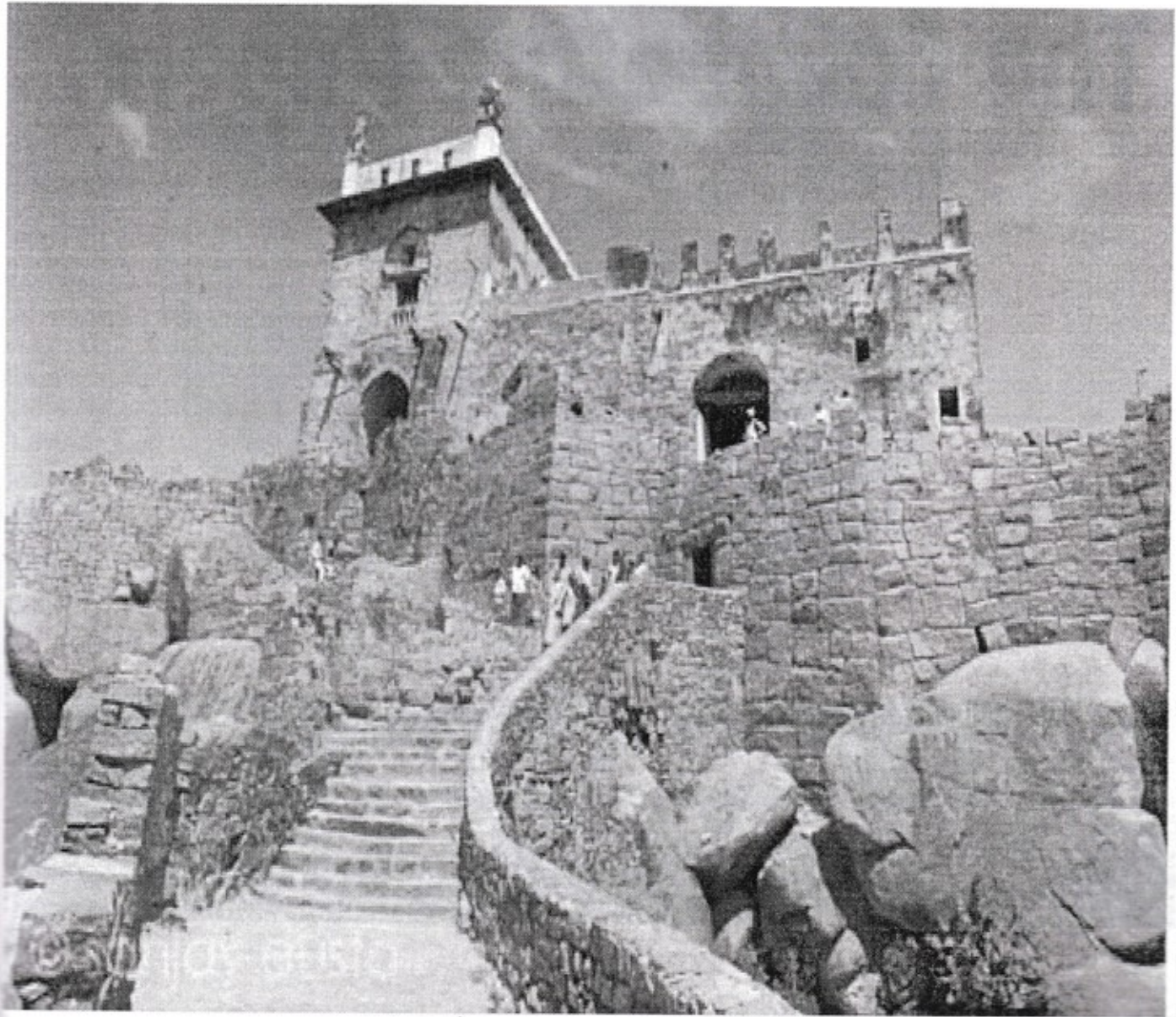
दूसरा दिन बड़े सबेरे उठकर तैयार हुआ। गोलकोंडा फोर्ट देखने के लिए गया। वह एक बहुत बड़ा मकान था। पन्थर से बनाए मकान। उसमें ३६० खतम थे। कहा जाता है कि वहाँ के राजा ३६० शादियाँ की थी। पत्नियों के लिए बनाए कमरे भी देखे। ३६० खतम चलकर पर्वत के ऊपर पहुँचे। वहाँ से नीचे देखना बहुत अच्छा लगा। दुपहर के खाने के बाद हम





सफर जंग म्यूसियम देखने गया। वहाँ पुराने ज़माने के राजाओं का कई चीज़ें देखा। वहाँ से चार-मीनार गये। वहाँ हमें खरीदने के लिए कई चीज़ें थी। सभी बहुत खरीदे। फिर हम स्नो वेल्ड गया। सभी स्वेटर पहनकर अच्छी तरह खेला। बहुत मज़ा आया। स्नो वेल्ड और वहाँ के खेल - कूद मेरे मन से कभी नहीं जाएँगे।

तीसरा दिन हैदराबाद के प्रसिद्ध फिल्म सिटी देखने गया। सभी को हैदराबाद के नाम से ही यही याद आएगा। कितना विशाल और सुन्दर था। कितने छोटे छोटे स्टुडियो है वहाँ। एक सिनेमा कैसे निर्माण करते है? अभिनय करते है? इन सबके बारे में बहुत जानकारी मिली। ज़िन्दगी में एक बार यह देखना ही चाहिए।





Best Compliments from:

# The Coimbatore Papers

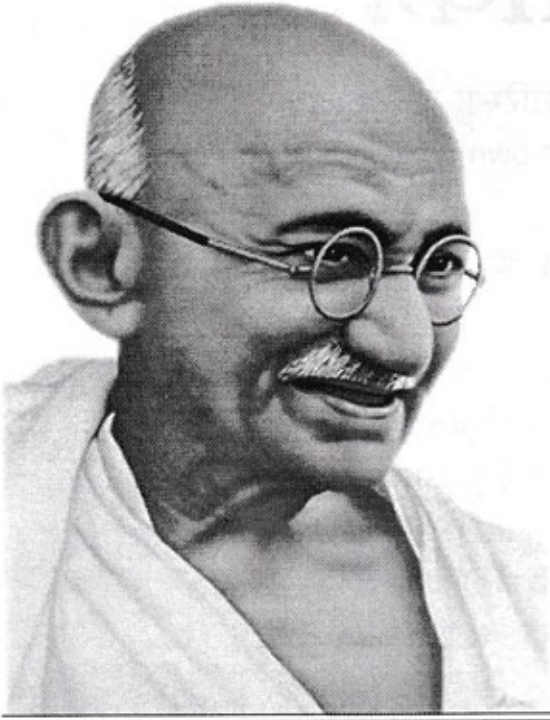
10B - Head Post Office Road  
Coimbatore - 641-001

**MANUFACTURES OF  
PAPERS AND NOTE BOOKS**



# संस्कृतम् विभाग

## महात्मागान्धि



महात्मागान्धि भारतस्य राष्ट्रपिता भवति। १८९९ तमे क्रिस्त्वब्दे गुजरात् देशे जनिं अलभत। पठनाय विदेशम् अगच्छत्। तदनन्तरम् दक्षिणाफ्रिका देशे नियमझरुपेण कर्म अकरोत्। तदा तत्र विद्यमान कृष्णवर्ण जनानं स्वातन्त्राय निरन्तरं प्रयत्नम् कृतवान्। तदनन्तनम् सः १८९४ तमे भारतम् प्राप्तवान्। तदा भारतं आङ्गलशासनाधीनं आसीत्। ततः अक्रमरहित समरेण, निस्सहकरण समरेण, च सः आङ्गलजनान् निरन्तरं अयुद्धयत्। बहुवारं काराग्रहवासं प्राप्नोत्। तस्य नेतृत्वेन भारतं १९४७ तमे वर्षे स्वातन्त्र्यं आभूत्। अखण्ड भारताय निरन्तर प्रयत्नं कुर्वन्तः तस्य मरणं १९४८ जनवरि ३० दिनाङ्गे अभवत्। कठिनप्रयत्नेन उन्नतिं प्राप्तेषु एषः प्रातस्मरणीयः।।

मेघा जस्टिन्

X- A

## पञ्चमहाकाव्यानि - कविः



1. रघुवंशम् - कालिदासः
2. कुम्हारसंभवम् - कालिदासः
3. किरातार्जुनीयम् - भारविः
4. शिशुपालवधम् - माघः
5. नैषधीयचरितम् - श्रीहर्षः

1. चम्पूकरामायणम् - भोजदेवः
2. चम्पूभारतम् - अनन्तभट्टः
3. विश्वगुणादरचिपूः - वेङ्कटेश्वरः
4. नीलकण्ठविघ्नचमपूः - नीलकण्ठदीक्षितः
5. यशस्तिलकचम्पू - सोमदेवः

1. कादम्बरी - बाणः
2. वासवदत्ता - सुबन्धुः
3. दशकुमारचरितम् - दण्डिः

ऐश्वर्या एस् मेनोन्

IX - B



## संस्कृत श्लोकाः

आचार्यात् पादमादत्ते पादं शिष्यः स्वमेधया पादं सब्रह्मचारिभ्यः पादं कालक्रमेण च ॥  
A student learns a quarter from teacher, a quarter from own intelligence, a quarter from fellow students and the rest in course of time.

उपकारिषु यः साधु साधुत्वे तस्य को गुणः। उपकारिषु यः साधु स साधुरिति किं तितिः ॥

If one does good to those who do good, what merit is one's goodness? It is only who does good to even those who do harm to his is called a saint.

छायामन्यस्य कुर्वन्ति तिष्ठन्ति स्वयमातपे। फलान्यपि परार्थाय वृक्षाः सत्पुरुषः इव ॥  
Tree stand in sun and give shade to other trees. Their fruits are also for others.

Similarly good people through all hardships for welfare of others.

अङ्गं गलितं पालितं मुण्डं दशनविहिनां जातं तुण्डम् बुद्धो यति गृहीत्वा दण्डं तदाणि न मुञ्जन्त्याशापिण्डम् ॥

The body is dropping, the head is grey haired the mouth has no teeth growing old the man moves with a staff. Yet the knot of desire has not been loosened.

अनन्तकृष्णन् कर्ता

VIII - D



## गणितस्य चमत्कारः

यथा '98' इति अभीष्टसंख्यायाः वर्गलाभाय प्रथम शतात् कति न्यूनम् इति द्रष्टव्यम्। उत्तरं 'द्वौ' इति। अनन्तरं '98' इति संख्यायाः 'द्वौ' न्यूनीकरणीयौ। तदा '96' लभ्यते। अनन्तरं न्यूनीकृतसंख्यायाः (द्वौ) वर्गं योजयेत्। तत्तु '4' एव। वर्गम् एकस्थानमेव चेत् वामभागे शून्यमपि योजनीयम्। एवं 9604 इति फलम् लभ्यते।

विवरणम् - समस्या -  $98 \times 98$

1. (शतात्) चावदूनं -  $100-98 = 2$

2. तावदूनीकृत्य -  $98-2 = 96$  भवति।

3. अस्य न्यूनस्यवर्ग -  $2 \times 2 = 4$

4. एकस्थानत्वात् शून्ययोजने - 04 भवति।

5. तयोः मेलने - 9604 भवति।

अतः फलम् -  $98 \times 98 = 9604$

लीलावतीनामकगणितग्रन्थाद् अपरा सङ्क्रमणाख्या गणितप्रक्रिया अधः उदाहियते।

अमल हरिदास

IX - C



## मदर तेरेसा



तस्य यथार्थं नाम आग्नस् गोन्कसा बोजाक्षा इति। भारते दीनानां साहाय्यार्थं रोमन् कात्तिलिक् सभायाः कन्याव्रतिला (कन्यास्त्री) रूपेण 1929 तमे वर्षे भारतं प्राप। भारतीयानां दीनानां दृष्ट्वा मदर तेरेसा अत्रैव अवसत्। अगतीनां उन्नमनार्थं नैकानि कार्याणि तथाकृतानि। “सिस्टेर्स् ओफ् चारिट्टी” इति नाम सङ्घटना तथा स्थापिता। अस्याः संस्थायाः नेतृत्वे मन्दबुद्धिबालानां कृते शिशुभवनानि, रोगातुराणां कृते निर्मलहृदयभवनानि च प्रचलन्ति। तस्य सामाजिकसेवायाः महत्वम् पुरस्कृत्य सा नोबल् पुरस्कारेणापि समादृता। भारतसर्वकारस्य भारतरत्न पुरस्कारेणापि विभूषिता भवति इथम् जनसेविका।

उष्णिमाया. एस्

IX - B



अगतीनां माता भवति मदर तेरेसा। सा यूगोस्लोवाक्या राज्ये ‘स्पोज्’ नामके स्थाने 1910 आगस्त् मासस्य 27 तमे दिने जानिम् अलभत।

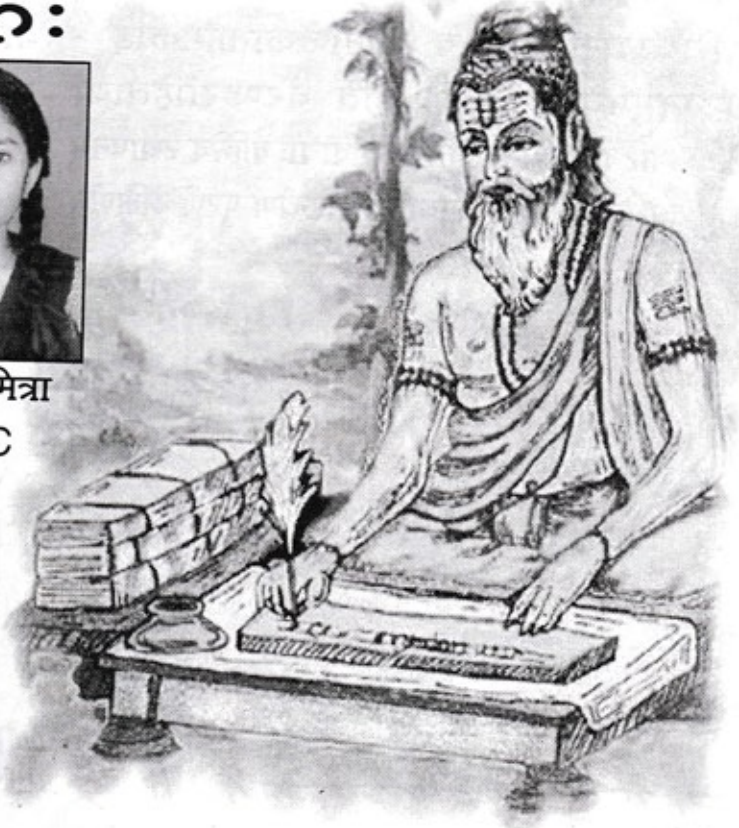
## वाल्मीकिः

कूजन्तं रामरामेति।  
मधुरं मधुराक्षरम्  
आरुध्य कविताशाखां  
वन्दे वाल्मीकि कोकिलम्।  
रामायणस्य प्रणेता वाल्मीकिमहर्षिः।  
तस्य बाल्यकालनाम रत्नाकरः इति।  
रामायणम् आदिकाव्यम्। वाल्मीकिः  
तमसातीरे वासम् कृत्वा रामायणम्  
अरचयत्। रामायणम् भारतस्य इतिहासः भवति।  
काव्ये रामस्य कथा वर्णयति।  
रामायणं सप्त काण्डाः सन्ति।



नन्दना मित्रा

IX- C





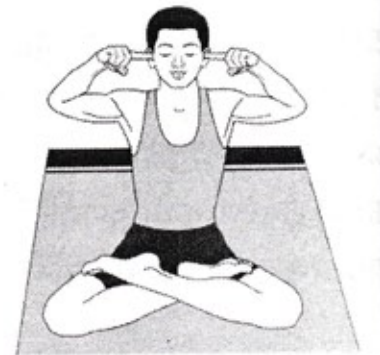
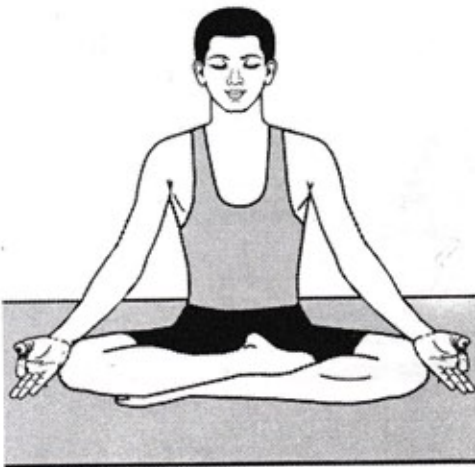
## प्राणायामः

प्राणानामायामः प्राणायामः। आ-समन्तात्, यामः नियमन् - (नियन्त्रणम्)। प्रायः पनासनस्यः प्राणायाममाचरेत्। पूरकम्, कुम्भकम्, रेचकमिति प्राणायामस्य अंशत्रयमस्ति। तत्र पूरकं नाम एकैकेन नासिकाद्वारेण वायोः अन्तः प्रवेशनम्। अङ्गुलीभिः नासिकाद्वारे पिधाय स्वीकृतस्य वायोः अन्तरेव स्थापनम् अन्तः कुम्भकम्। रेचकम् नाम वायोः बहिर्निस्सारणम्। नासिकाद्वारपिधाने च कनिष्ठिकानामिकाद् - गुष्ठानमुपयोगः कार्यः इति घेरण्डसंहितायां निर्दिष्टमस्ति। बहिर्निस्सारितस्य वायोः बहिरेव स्थापनम् बहिः कुम्भकम्। वायोः सव्यानासारन्द्रेण पुरणे दक्षिणेन

रेचनम्। अयं नाडीशुद्धि प्राणायामः, अनुलोमविलोम प्राणायामः इत्युच्यते। उज्जयी, शीतली, केवली, भस्त्रिका, भ्रमरीत्यदिभेदेन प्राणायामः बहुविधा। कुम्भककाले मानसीक मन्त्रजपसहितः, मन्त्रजपरहितः निगर्भप्राणायामश्च। मनसः इन्द्रियाणां च एकाग्रतासिद्धिः रक्तशुद्धिः, रक्तप्रवाहस्य क्रमीकरणं, श्वासकोशस्य हृदयस्य च अरोगता इत्येवमादीनि प्राणायामस्य प्रयोजनानि। एकं योगाचार्यस्य उपदेशानुसारमेव प्राणायामः अभ्यसनीयः।



नन्दना मित्रा  
IX- C



# त्यागशीलः कर्णः

कर्णस्य उदारता भारते अतिप्रसिद्धा वर्तते। तस्य त्याग विषये बहुकथा श्रूयन्ते। स्व कवचकुण्डलानि दानं कृत्वा मरणं स्वीकृतः एव त्यागशाली। तस्य त्याग विषये महाभारते इयम् कथा अस्ति। भगवान् श्रीकृष्णः, कर्णस्य उदारतां बहु प्रशंसति स्म। एकदा एतत् श्रुत्वा अर्जुनः खिन्नः अभवत्। मम ज्येष्ठः युधिष्ठिरः एव महान् दानशीलः इति सः भगवन्तं अवदत्। तदा श्रीकृष्णः कर्णस्य वैशिष्यं अर्जुनं ज्ञापयितुं निश्चिकाय। तदर्थं तौ उभौ अपि ब्राह्मणवेषं परिधाय युधिष्ठिरस्य राजभवनं सम्प्राप्तवन्तौ।



युधिष्ठिरः तयोः सेवां विधाय आगमनोद्देशम् अपृच्छत्। ब्राह्मणः कृष्णाः धर्मराजं प्रत्यभाषत। धर्मराजन् शुष्कचन्दन दारुणा असंभारे कामये इति। तदा वर्षकालः आसत्। अतः कुतश्चित् अपि शुष्कवृक्षाणि न अलभन्त। युधिष्ठिरः तत् दातुं अशक्तः अभवत्। ततः अर्जुनेन सह तेनैव वेगेन कर्णस्य प्रासादं न प्राप्तवान्। कर्णः श्रद्धया तं समसेवत्। स्वागमनोद्देशं तमपि आवर्तयत्। तत् श्रुत्वा कर्णः सहसा एव आयुधं स्वीकृत्य तेन द्वाशाणि आसन्तान् कवाटान् पर्यङ्गान् बहूनि चन्दन दारु निर्मितान् वस्तूनि विखण्डितवान्। एतत् विलोक्य कर्णः एतानि बहुमूल्यानि द्रव्याणि किमर्थं विनाशयन्ति इति अपृच्छत्। कर्णः प्रत्यवदत् हे ब्राह्मणश्रेष्ठः सम्प्रति वर्षकालः भवति। शुष्कवृक्षाणि कुत्रापि प उपलभ्यते। एतानि द्रव्याणि कालान्तरे पुनः निर्मितानि भविष्यन्ति।

एतेषां विनाशेन मयि खेदः नास्ति परन्तु इतः अतिथिः निक्तहस्तः निर्वतिष्यते चेत् एतस्य कष्टः मम हृदं भृशं परिपीडयिष्यति इति। एतत् श्रुत्वा श्रीकृष्णः यशस्वी भव इति आशिषं यच्छति। अर्जुनः अपि तस्य त्यागस्वभावः दृष्ट्वा भृशं अमोदत्।



श्रीलक्ष्मी एम्.एस्

VIII - C

# EDITORIAL

Learning gives creativity,  
Creativity leads to thinking,  
Thinking provides knowledge,  
Knowledge makes you great.

- **Abdul Kalam**

This magazine offers a platform for the budding creative minds to change the world through their imaginations. Imagination is the key to creation. You imagine what you desire and work towards achieving it. We hope that reading this compilation of articles will bring an enriching experience for each and every one of you. Behind all our success and fame, we believe that the unseen hand of our beloved founder Swami Gopalananda Theertha is supporting us.

Thank you



Karthika Gopinath



## THE PEOPLE BEHIND THE SCREEN - EDITORIAL BOARD



Sunitha Sreedhar (Tr.), Sreelakshmi, Jismary Eldho, Suraj, Rameez Salim,  
Muhammed Jismon, Abel K. Antony, Rajalakshmi(Tr.), Elizabeth (Tr.),  
Latha. M. (Principal), K.K.Bhaskaran(HM),  
Karthika Gopinath (Tr.), Smitha Venugopal (Tr) Jayasree K.P. (Tr.)

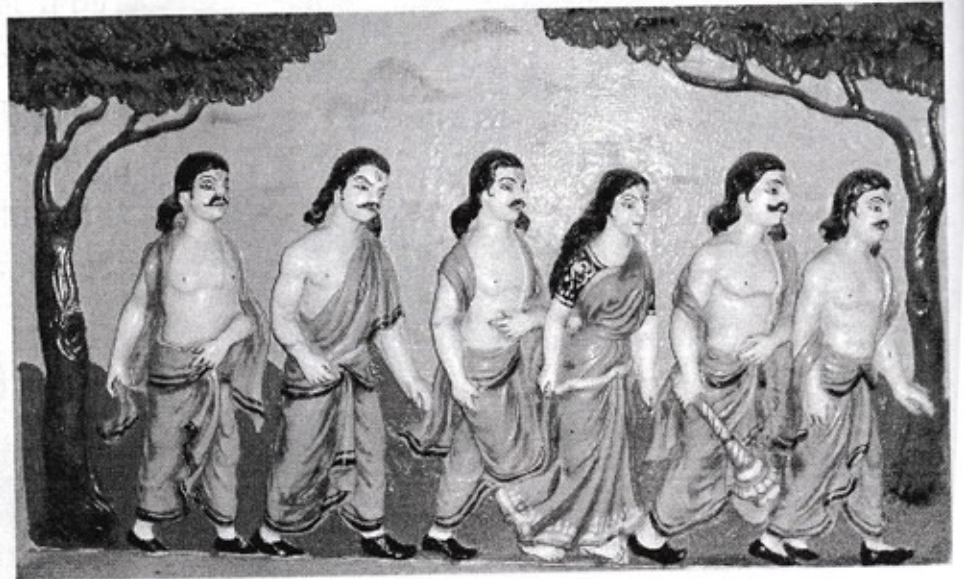




## महेश्वरस्य परीक्षणम्

पाण्डवानां वनवासकाले दिव्यास्त्रलाभाय उर्जुनः एकाकी हिमवत् प्रदेशे महेश्वरम् ध्यायन् तपः चकार। तदा अर्जुनस्य धैर्यं परीक्षितुं शिवः किरातरूपेण पार्वती किराती रूपेण च वनम् आजगाम। अनन्तरं शिवः वराहं रूपेण मूकासुरम् अर्जुनस्य समीपम् प्रेषिता। तौ युगपदेव वराहं अस्त्रेण विव्याध। वराहवधं प्रति प्रवृत्तः वाग्वादः अर्जुनः किरातयोः मिथः घोरयुद्धे एव पर्यवसितम्। किरातं हन्तुं अर्जुनेन प्रयुक्तं अस्त्रम् तस्य शरीरे पुष्परूपेण पतितम्। पार्वती समीपात् याथार्थ्यं ज्ञातः अर्जुनः

पश्चात्तापेन महेश्वरस्य पादौ पतितम्। सन्दुष्टः महेश्वरः विजयिने अर्जुनाय पाशुपदमिति दिव्यास्त्रम् दत्त्वा अन्वग्रहीत्।



# वेदाः

चत्वारः वेदाः भवन्ति। ऋग्वेदः यजुर्वेदः सामवेदः अथर्ववेदः च। एकैकस्यापि संहिता, ब्राह्मणम्, आरण्यकम्, उपनिषद् इत्येवं विभागाः सन्ति। वेदाः उत्कृष्टाः साहित्यकृतयः भवन्ति। संस्कृत साहित्ये वेदानां स्थानं सर्वोपरि वर्तते।

भारते धर्मव्यवस्था वेदायत्वैव। वेदो धर्मनिरूपणे स्वतन्त्रभावनप्रमाणम्, स्मृत्यादयस्तु तन्मूलकतया। न केवलं धर्ममूलतयैव वेदाः समाहता अपि तु विखस्मिन् सर्वप्राचीनंग्रन्थतयोपि।

## ऋग्वेदः

वेदेषु आदिमः ऋग्वेदः हिन्दुधर्मस्य मूलग्रन्थः भवति। ऋग्वेदः 4500 वर्षेभ्यः संग्रथितः इति मन्यन्ते। अस्य 2027 सूक्तानि सन्ति। तस्य श्लोकाः विविध देवानं संबद्धाः - यथा इन्द्रः, अग्निः, वायुः, इत्यादयाः। ऋग्वेदस्य 20589 संहिताः, 2028 सूक्तानि च 20 मण्डलैः विभजिता सन्ति। महामुनेः व्यासस्य निर्देशानुसारं ऋग्वेदस्य संहितानां निर्माणं अकरोत्।

## यजुर्वेदः

आर्याणां कुरुषु अधिनिवेशकाले संग्रथितो यजुर्वेदः इति अभिप्रायः। यजुर्वेदस्य “अध्वरवेद” इति नामान्तरमस्ति। यजुषः एकोत्तरशतं शाखाः सन्ति इति पतञ्जलिः प्रपञ्जहृदयकारः च प्रस्तौति।

## सामवेदः

साम-सान्तवेन इति धातोः निष्पन्नं सामवेदम्। सा इति ऋक्सूचकं तथा अम् इति गानम्। सामवेदस्य एकसहस्रं शाखाः आसन् किल। संङ्गीतस्य उद्भवः सामगानात् इति विचक्षणा आचक्षते। सामगानोपि सप्तस्वराः एव अस्ति।



## अथर्ववेदः

ब्रह्मपुत्रेण अथर्वेण समाहृतम् इति अथर्ववेदः। अर्धवाडिशः ब्रह्मवेदः इत्येवं नामान्तरं च। अथर्ववेदः संहिताये द्वे शाखाः भवति। शानकीयशाखा, पैप्पलादशाखा च।

अश्वनी सी. राजीव्

VIII - B



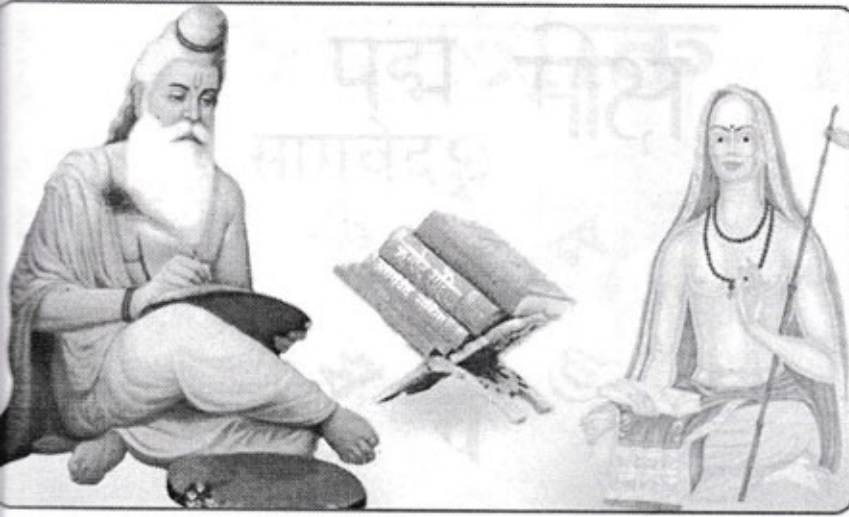
# प्रहेलिकाः

वृक्षाग्रवासी न तु पक्षिराजः  
 त्रिनेत्रधारी न तु शूलपाणि।  
 त्वग्बस्त्रधारी न तु सिद्धयोगिः  
 जलम् च दत्ते न घटो न मेघः॥  
 समाधानम् - केरम् (नारिकेलः)  
 अपादौ दूरगामि च  
 साक्षरो न पण्डितः।  
 अमुखः स्फुटवक्ता च  
 यो जनाति स पण्डितः॥  
 समाधानम् - पत्रम्  
 आस्थिः नास्ति शिरो नास्ति  
 बाहुरस्ति निरंगुलिः।  
 नास्ति पादद्वयम्  
 गाढमंगलमालिंगति स्वयम्॥  
 समाधानम् - अंगर्धः  
 कृष्णमुखी न मार्जारी  
 द्विजिह्व न सर्पणि।  
 पञ्चभर्त्रो न पाञ्चाली  
 यो जानाति स पण्डितः॥  
 समाधानम् - तूलिका



साय् प्रसाद . पि .वि .

VIII- C



# अमृतम् संस्कृतम्

केचन कथयन्ति यत् संस्कृतभाषायां केवलं धार्मिकं साहित्यम् वर्तते - एषा धारणा समीचीना नास्ति। संस्कृतग्रन्थेषु मानवजीवनाय विविधाः विषयाः समाविष्टाः सन्ति। महापुरुषाणां मतिः,

विश्वस्य उपलब्धासु भाषासु संस्कृत भाषा चीनतमा भाषा/स्ति। भाषेयं अनेकेषां भाषाणां जननी वति। प्राचीनयोः ज्ञानविज्ञानयोः निधिः अस्यां रक्षितः। संस्कृतस्य महत्वविषये केनापि कथितम् भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा।

उत्तमजनानां धृतिः, सामान्यजनानां जीवनपद्धतिः, च वर्णितां सन्ति। अतः अस्माभिः संस्कृतम् अवश्यमेव पठनीयम्। तेन मनुष्यस्य, समाजस्य च परिष्कारः भवेत्।

उक्तञ्च -

अमृतं संस्कृतं मित्र।  
सरसं सरलं वचः।  
भाषासु महनीयं यद्  
ज्ञानविज्ञानपोषकम्॥



श्रीलक्ष्मी अनीष्

IX- B

इयं भाषा अतीव वैज्ञानिकी केचन कथयन्ति। यत् संस्कृतमेव सङ्गणकस्य कृते सर्वोत्तम भाषा। अस्याः ङ्मयं वेदैः, पुराणैः, नीतिशास्त्रैः चिकित्साशास्त्रादिभिश्च समृद्धमस्ति। कालिदासादीनां श्वकवीनां काव्यसौन्दर्यम् अनुपमम्। कौटिल्यरचितम् अर्थशास्त्रं जगति प्रसिद्धमस्ति। गणितशास्त्रे शून्यस्य प्रतिपादनं सर्वप्रथमम् आर्यभट्टः अकरोत्। चिकित्साशास्त्रे चरकसुश्रुतयोः योगदानं विश्वप्रसिद्धम्। संस्कृते यानि अन्यानि शास्त्राणि निद्यन्ते तेषु अस्तुशास्त्रं, रसायनशास्त्रं, खगोलविज्ञानं, प्रोतिषशास्त्रं, विमानशास्त्रम् इत्यादीनि उल्लेखयानि।

संस्कृते विद्यमानाः सूक्तयः अभ्युदयाय प्रेश्यन्ति, सत्या - सत्यमेव जयते, वसुधैवकुटुम्बकम्, अमृतमश्नुते, योगाः कर्मसु कौशलम् इत्यादयः। अमृतेषु आत्मवत् व्यवहारं कर्तुं संस्कृतभाषा सम्यक् ज्ञयति।



# महाकवि कालिदासः



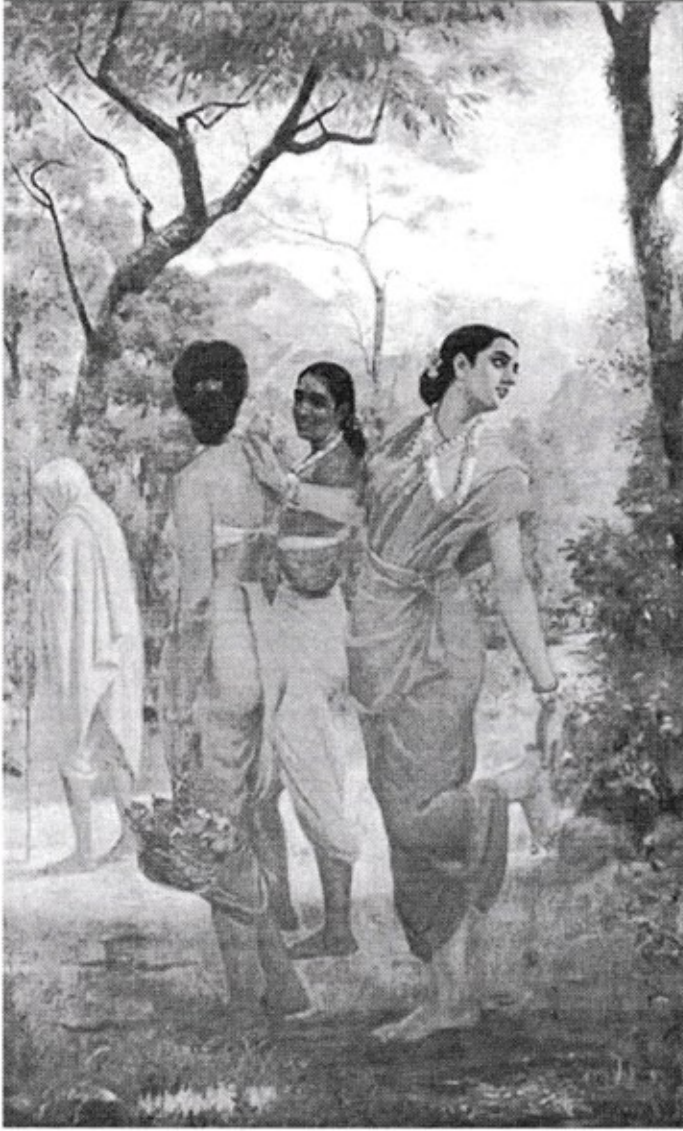
को न जानाति कालिदासस्य नाम? यशस्विनाम् कवीनां कुलगुरुः कालिदासः, कवि शिरोमणि, कवि साम्राट् इति विभूषितः भवति। स एव कवि सम्राट् मम प्रिय कविः भवन्ति। एषः न केवलं भारतीयैः अपितु विदेशीयैः अपि स्मर्यते। अयम् विश्रेष्ठः कदा कुत्र वा अजाय इति निश्चयेन वक्तुं न शक्नुमः। पुरातनतत्वविज्ञाः इयं विक्रमादित्यस्य राज्यसभायाः नवरत्नेषु अन्यतमः भवति।

कालिदासस्य जीवनवृत्तान्तविषये एका कथा प्रचलिता अस्ति-

कस्यचिद् राज्ञः विद्योत्तमा नाम परमविदुषिणां पुत्रि आसीत्। तथा घोषणं कृता यत् - यो विद्याविवादे, पराजेष्यते, तम् अहम् उद्धृष्ये। एतत् श्रुत्वा अनेकाः राजपुत्राः विद्वंसश्चः तथा सह शास्त्रार्थं अकुर्वन्, किन्तु, सर्वे तथा पराजितः अभवन्। ततः अपमानितैः

पण्डितः छदमना एकेन वज्रमूर्खणा सः विद्योत्तमायाः विवादः सम्पादितः

एकदा उष्ट्रस्य शब्दम् श्रुत्वा विद्योत्तम तम् अपृच्छत्। 'कस्यायं शब्दः भावेदत् - 'उष्टैः एतत् श्रुत्वा विद्योत्तमा पण्डितानां छदम् ज्ञात्वा तं गृहात् निष्कासितवति। अनन्तरं सः स्वापमानं अनुभुय वारणासि गतः। तत्र महता परिश्रमेण विद्यां अधीत्य क्रमेण सः महान् विद्वान् भूत्वा स्वपत्न्या विद्योत्तमायः गृहं आगच्छत्, अवदच्च- 'प्रियतमे अनावृतकवाटं द्वारं संस्कृत साहित्ये शिरोमणि पदं अलभता अभिज्ञानशाकुन्तलं तु सम्पूर्णं संस्कृत साहित्ये सर्वोत्तमा रचना स्वीकृत्या अस्ति। कालिदासस्य सम्पूर्णं काव्ये प्रसादगुणोस्ति। उपमायास्तु सः सम्राट् एवास्ति। इदमेव कारणमस्ति यत् "उपमा कालिदासस्य, "दीपाशिखाकालिदासः इति तस्य विषये प्रसिद्धमस्ति।



कालिदासस्य कवित्वगुणाः अवर्णनीयः भवति। सः वैदर्भरीत्या पारंगतप्रयोगकर्ता आसीत्। तस्य रचनासु प्रसिद्ध, माधुर्यं गुणयोः अप्रतिमः प्रयोगः वर्तते। कालिदासस्य भाषा सरला सरसा- सुमधुरास्ति। क्लिष्टतायाः कृत्यतायाः च तत्र सर्वदा अभावः विद्यते। कालिदासः सर्वेषां रसाणाम् प्रयोगे पटुः अस्ति। परं श्रृङ्गारः तस्य प्रिय रसः भवति। कालिदासस्य चातुर्यम् नैपुण्यम् च नीरसं शुष्कं कथानकमपि सरसं मनोरञ्जकम् कृत्वा करणे अस्ति।

सः महाभारतस्य शुष्कम् नीरसं दुष्यन्त-शकुन्तलोपाख्यानां, अभिज्ञानशाकुन्तले इत्यम् सरसीकृत्य प्रस्तुतवान् यत् तत् नाटकमधूना विश्वसाहित्यस्य सर्वश्रेष्ठम् नाटकमस्ति। अनेकासु भारतीयभाषासु अस्य नाटकस्य अनुवादा जाताः एभिः एव गुणैः अयम् कविः अद्यापि यथा शरीरेण जीवति। 'कविकुलगुरु', 'दीपशिखा' इत्यादि उपाधिवयम् अपि अस्य एव महाकवे कीर्तिकरं।



मीनु नौषाद्  
VIII - C

## रसायनविधयः

1. नवस्य पुनर्नवस्य अर्धपलं पिष्टं पयसा अर्धमासम् मासद्वयं तत्रिगुणं समा वयः पिबेत् सः जीर्णोऽपि भूयः नव स्यात्।।
2. यथा सुवृष्टिः बालस्य सस्यस्य पृष्टिं विधते तथा अश्वगन्धा पयसा, घृतेन तैलेन, सुखाम्बुना वा पीता कृशस्य वषुषः पुष्टिं भवति।
3. दिने दिने कृष्णातिलप्रकुञ्जं शीतजलानुपानं समश्नतां रारीरस्य अनल्पः पोषः भवति। दन्ताः

आ मरणात् दृढीभवन्ति च।।



4. वचां मासं श्रीरेण तैलेन घृतेन वा उपसेवमानाः रक्षोभिः अपि अधृष्यरूपाः मेधाविनः निर्मलष्टवाक्याः भवन्ति।
5. अनन्नभक्षा घृते भृष्टां मण्डूकपर्णीः मासं भक्षयन्तः प्रगल्भाः तारुप्यलावण्यगुणोदयस्याः विपुलं कालं जीवन्ति।।

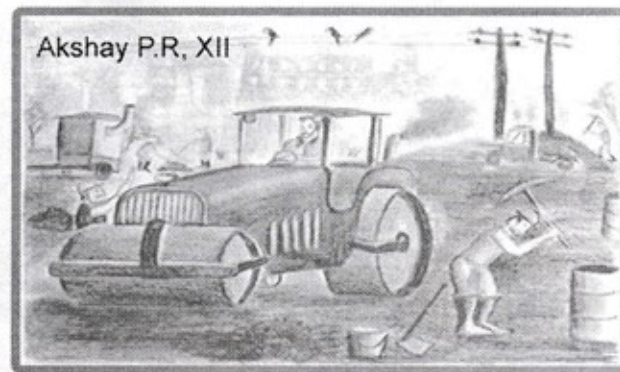
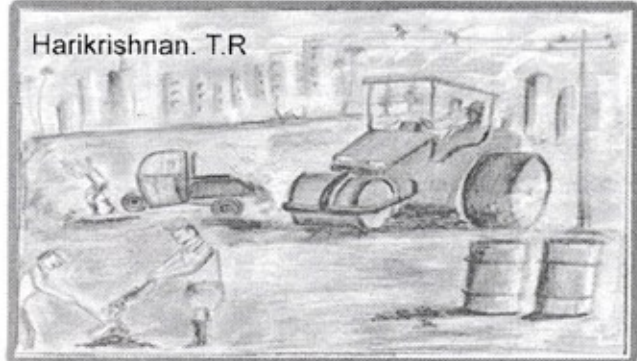
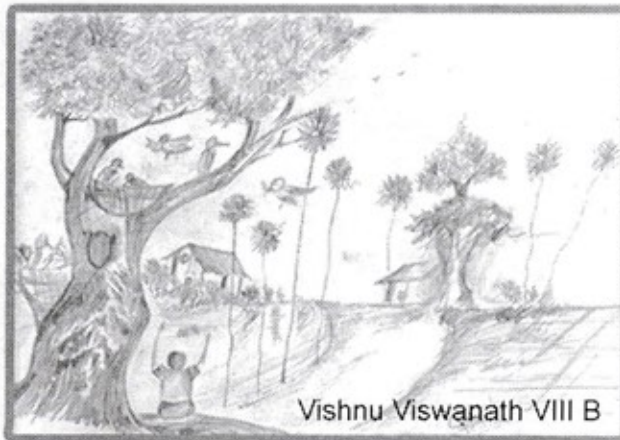
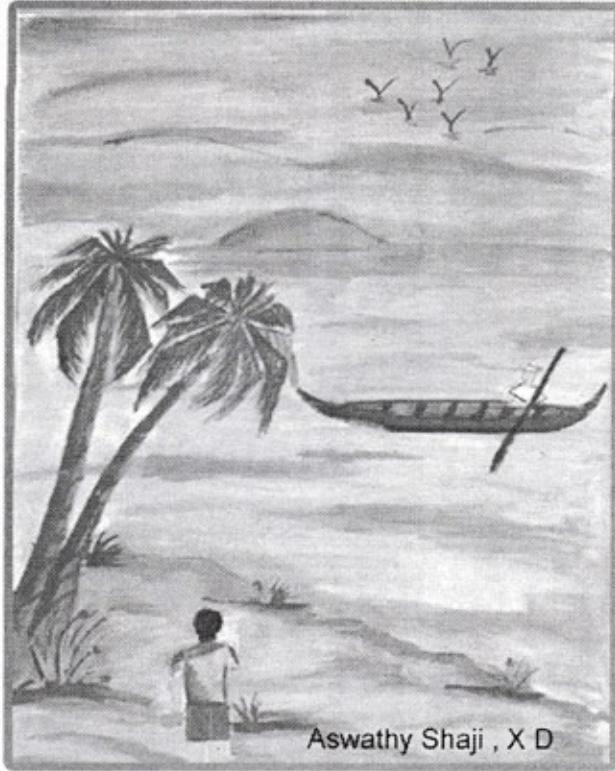
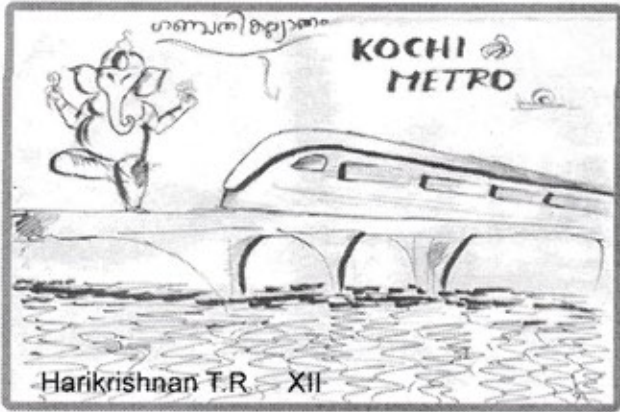
Best Compliments from:

**P C M**

**Children's  
Magazine**

**Govt. High School Road, Edappally  
Cochin - 682 024, Kerala, India.**

**Phone: 0484 - 333601, 333677**





Best Compliments from:

# **AYODHYAPRINTERS LTD.**

Perandoor Road,  
Elamakkara, Kochi -26

**Ph: 0484 2408797**

**E-mail: ayodhyaprinters@gmail.com**

- **NEWSPAPERS**
- **MAGAZINES**
- **POSTERS**
- **BROCHURES**
- **BOOKS**
- **LEAFLETS**

ശ്രേഷ്ഠഭാഷ

ശ്രേഷ്ഠഭാഷ

# SRESHTABHASHA VARAGHOSHAM





Smt. Karthika Gopinath  
(Chief Editor)



Smt. Sreedevi  
(Staff Secretary)



Smt. Elizabeth. P.J.  
( Teacher in Charge Arts Club)



Sri. Muraleedharan  
(P.T.A. President)



Sri. Jose Akkarekaran  
(P.T.A. Secretary)



Sri. V.K. Sreekumar  
(P.T.A. Vice President)



Steve Manadan (XII)  
( School Leader  
Higher secondary)



NiKhil Nath  
(Std X Head Boy)



Niya M. Shibu  
(Std X - Head Girl)



Sameera Uday  
(Arts Club Secretary)



# SPORTS



HSS FOOTBALL TEAM



HSS CRICKET TEAM



HS CRICKET TEAM



HS FOOTBALL TEAM



Arun Gokul (X)  
Skating National level



Akshay P.R (XII)



Eliyas P. Varghese



Rohith M.R  
Swimming



Swathi Pramod  
Relay



Ardra R. Nair  
Champion girl LKG



Nazmin Noushad  
Champion girl UKG



Ashbin M.S  
Champion Boy UKG



Hellen Mariya Joby  
Cultural Champion UKG



Prarthana  
Cultural Champion UKG

# Farewell!



Manager Sri. M. Mohanan wishes the outgoing 10th students



Handing over the traditional lamp



HEARTY WELCOME OUR JUNIORS



welcoming the juniors



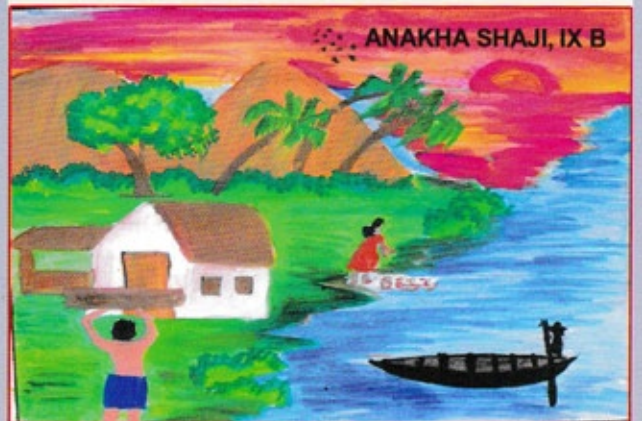
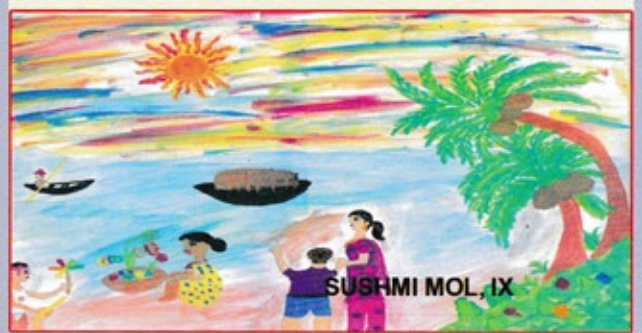
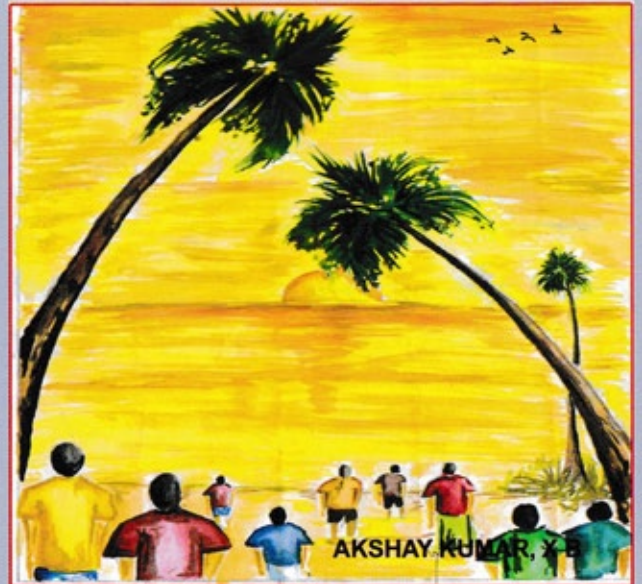
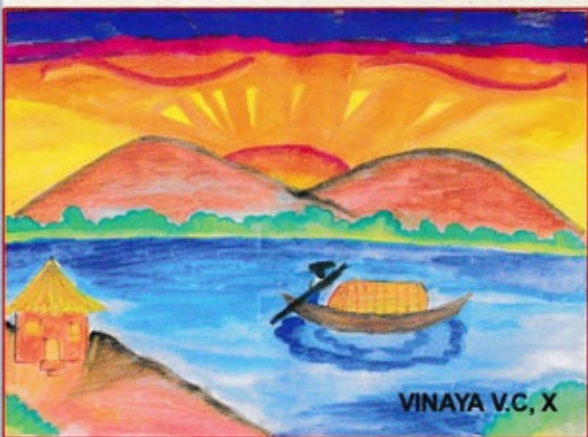
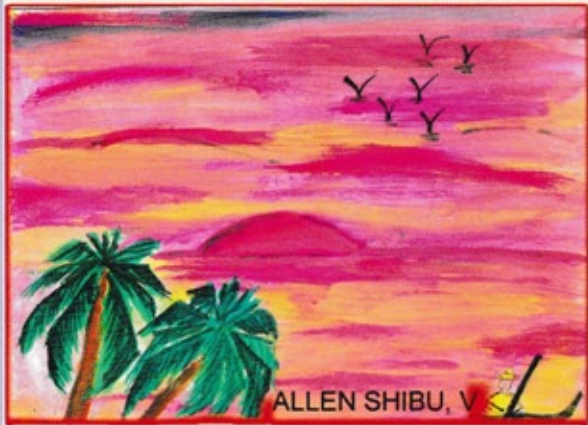
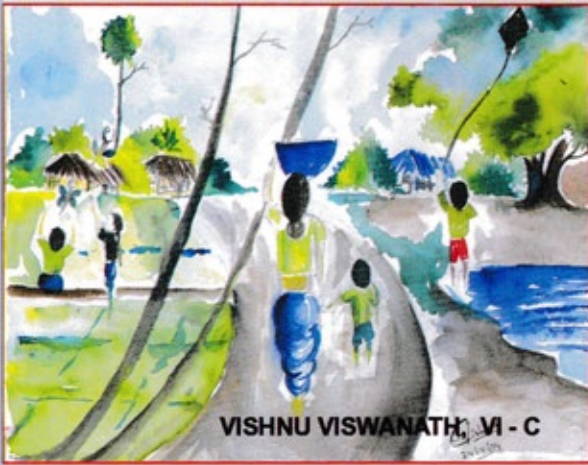
# Variety Entertainment



**A+ WINNERS OF CLASS X WITH THEIR TROPHIES  
AT PTA GENERAL BODY 2013-14**



CONGRATULATIONS CONGRATULATIONS CONGRATULATIONS CONGRATULATIONS CONGRATULATIONS





# TEACHING & NON TEACHING STAFF



A warm send off to our senior, most faculty, from Dept. of Mathematics Smt. P. Sarojam

## PTA EXECUTIVE COMMITTEE



From Left to Right - Bajju Balakrishnan, K.P. Venugopal, A.T. Santhoshkumar, K.B. Ramachandran, Samnja K.P.,  
Rajasree S.K., Sreedevi. S, Nirmala kumari, Sudha A. Nair, Rethy. G.P., Nisha Ansari, Girija Raveendran  
Sitting - Rosily. C.J., Anitha Benny, Sheeja R., V.K. Sreekumar, M.V. Thomas, P.M. Joshy,  
K.K. Bhaskaran (HM), A.N. Pankajakshan Nair (Director Academic), Latha. M. (Principal),  
Muraleedharan .K., Jose Akkarakkaran, P.M. Majeed, Reji. K.R.

# OUTGOING STUDENTS PLUS TWO - 2013-14



# OUTGOING STUDENTS- SSLC 2013-14



# A+ IN ALL SUBJECTS - PLUS TWO- 2012-13



APARNA. S  
COMPUTER SCIENCE



ANEESHA M. PANICKER  
COMMERCE



POORNIMA M.T  
COMMERCE



AISWARYA P. PAI  
COMPUTER SCIENCE



SITA LAKSHMI. K.S.  
COMPUTER SCIENCE



ARJUN K. SHENOY  
COMPUTER SCIENCE



VISHNU. K.M.  
COMPUTER SCIENCE



RENJITHA. K PRABHU  
COMMERCE



ANJALI P.M.  
BIOLOGY



ANAGHA BENOY  
BIOLOGY

# A+ IN ALL SUBJECTS - SSLC - 2012-13



ROHITH M.R., ARAVIND. V, AMALKRISHNA, RAMAKRISHNAN. C.S, RAHULNATH, VARUN BHASKER, ROHITH CHANDRAN  
ARYA C. RAJEEV, SREELAKSHMI. C, ARATHY. A.S., REVATHY VENUGOPAL, SREELAKSHMI K.S., VISMAYA UDAY  
RESHMA AJITH, APARNA RAVEENDRAN, HARIPRIYA.S, SREELAKSHMI SURENDRAN

congratulations...

# A+ IN ALL SUBJECTS- SSLC 2013-14



GOKUL BABU



ARUN GOKUL



NIKHIL NATH



AKSHAY PRADEEP



AMAL M.D



ANJALI V



ABHIRAMI. M.S



NAHIDA. P.H.



KRISHNAPRIYA. K.



MEGHA. S



MUHAMMED JISMON



HARIKRISHNAN  
C VALSAN



ALAN JOSE P.H.



SANJAY C  
NARAYANAN



BASIL WILSON



SANGEERA UDAY



ANCY BABY



BHADRA DEVADAS



MEENU PRASAD



KRISHNA  
BALACHANDRAN



SANJAYKUMAR  
J PAI



ROHITH M.S



RAMEES SALIM



ANANDUPRASAD K S

*Congratulations...*  
**A+ IN ALL SUBJECTS- SSLC 2013 -14**



ABITHA M.R



ALVIN BABU



SREDEVI. K.K.



ADARSH R. KRISHNA

*Congratulations...*  
**A+ IN ALL SUBJECTS PLUS TWO 2013-14**



NILOOFAR. T.A



SUMMAIYA



ANJANA MUKESH



GAYATHRI VIJAYAN



SAFAL MAJEED



VARGHESE THOMAS



STEVE MANADAN



RENJITH. N.A.



ARJUN. R. KRISHN



APARNA MOHAN



SILPA MENON



ANU. K.S.



PARVATHY. S

# PROFICIENCY



ARAVIND. V

JAIRAM KALADHARAN

SREELAKSHMI .H

ANJALI V

SWATHI K.S.

COMPUTER SCIENCE

XI BIO MATHS

XI COMMERCE

X

IX



SAIPRASAD P.V

SHERIN KURIAKOSE

FAHMITHA KAREEM

THILLAI RAJ

ADWAITH SHABU

VIII

VII

VI

V

IV



AHAL MANOJ

KEERTHANA. C

ABHILASH P.B.

ANANTHA  
KRISHNAN.K.S

DIYA A. CHANDRAN

III

II

II

II

I



SHREYA. V

NAZMIN

SHRIYA K.B.

PRARTHANA

ARCHANA DEVI

ALMINA P.K.

LKG .A

NOUSHAD

UKG C

SREEKUMAR

LKG B

LKG .C

UKG .A

UKG B

LKG A

# SCOUTS, GUIDES, REDCROSS



## RAJYAPURASKAR AWARD WINNERS



Vinaya v.c



Sreelakshmi Aneesh



Aswathy Shaji



Malavika Babu



Bejoy Sabu



Vinayak. P.A



Muzammil Muhammed



Vivek V. Pai



Arjun Madhu



Ijas Anwar Babu



Shahid Muhammed



Krishnaprasad S. Thumbayil



Fuhadh Saneen



Harikrishnan S



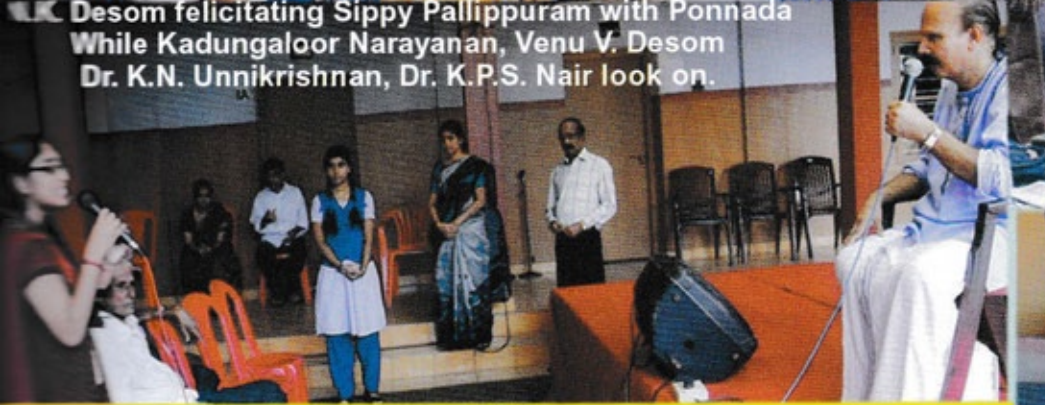
# HONOURING SIPPY PALLIPURAM ON HIS 70TH BIRTHDAY



Desom felicitating Sippy Pallippuram with Ponnada While Kadungalloor Narayanan, Venu V. Desom Dr. K.N. Unnikrishnan, Dr. K.P.S. Nair look on.



Dr K.P.S. Nair Honouring Sippy Pallippuram with a memento



SPIC  MACAY



Kathak and Drupad performance by Alkananda, Sushmita Banerjee & Vinod Chatterjee



Enjoying the Kathak performance



# KALOLSAVAM

SCHOOL KALOLSAVAM  
August 2013  
Smt. RANJINI JOSE

DEDICATED TO VIDYADHIRAJA VIDYA BHAVAN



# KALOLSAVAM WINNERS 2013-14

Vidhyadhiraja got 5th place in the State level School Kalolsavam and we were the overall champion in Revenue Dist. Kalamela.

We got Best School Award for UP,HS,HSS sections and First in Sanskrit(UP, HS)



MLA Anwar Sadath Congratulating State Level Winners



L.P. subdistrict winners



Higher Secondary State Winners



UP Sankrit

General Ernakulam Dist. Winners



Sanskrit State Winners

# STATE WINNERS



**KOODIYATTOM FIRST A GRADE (HS)**



**KATHAKALI A GRADE**



**SANGHAGANAM(SKT) FIRST A GRADE**



**NANGYARKOOTH**

**CHAKYARKOOTH**

**ASHTAPATHI**



**POORAKKALI**



**VANCHIPATTU A GRADE**

# Annual Report

## 2013-'14

Respected President of today's function, Shri Panikajakshan Nair, Shri Sundaram Govind, Chairman, Geetha Bhavan Trust, Manager, Head Master, PTA President and other distinguished dignitaries on the dais, Ladies and Gentleman,

It is with great pride that I am standing here to present the Annual Report for the Academic Year 2013-14. Before I get into my venture, let me invoke the Divine presence and the presence of our founder Swami Gopalananda Theertha.

Vidyadhiraja Vidya Bhavan, under the patronage of Geetha Bhavan Trust, had its humble beginning in 1972. We have been striding like a colossus for the past 28 years, receiving laurels in all fields – both academic and non-academic. Our aim is to make every child entrusted to us an independent thinker, life-long learner and a compassionate human being. We believe in the holistic development of the child.

The School re-opened after Summer vacation on 3<sup>rd</sup> June 2013. We conducted vacation classes for Class IX, X and XII during the month of May.

We have around 100 staff on our rolls and 1,800 students from KG to Plus 2. This year we are presenting 153 students from Class X, 149 students from Class XI and 134 students from Class XII for the public examinations.

### **ACHIEVEMENT IN MARCH 2013**

#### **PUBLIC EXAMINATIONS:**

In the March 2013 Public Examinations, we presented 140 students from Class X and I am very glad to say that 17 students secured A+ in all subjects. In Class XII Public Examination, we presented 134 students and 11 students secured A+ in all subjects – five from Computer Science, two

from Biology and four from Commerce Groups. At this juncture, I am very proud to say that Aparna S of Computer Science secured 1200 marks out of 1200 – 100% marks. In the Class XI Public Examination, we had presented 134 students and secured 10 A+ in all subjects – five from Computer Science, one from Biology and four from Commerce Groups. My hearty congratulations to all these students, their parents and to the teachers for their untiring effort. May the Almighty bless them with many more successes in life.

#### **ACADEMIC ACTIVITIES:**

Education is not rote learning but applying the basic principles in apt situations. It is the complete development of an individual both physically and mentally. We, in Vidyadhiraja, strive towards this end. We conducted mid-term tests apart from quarterly and half-yearly examinations. We conduct regular review PTA Meetings, meet parents, and discuss with them the progress of their wards. Apart from this, competitive examinations are conducted for our students by bodies like PCM, Gandhi Peace Foundation, Saral Hindi, USS, LSS, Sanskrit Scholarship Exams and Legal Literacy Exams. This year, I am proud to say, that we have acquired Malayalam as one of the second languages in Higher Secondary section apart from Sanskrit and Hindi.

#### **SCOUTS, GUIDES AND RED-CROSS:**

We have 120 students in two Scout troops and two Guide Companies. One Scout and three Guides have passed the Rashtrapathi Exams. 11 Scouts and 13 Guides have passed the Rajya Puraskar Exams. These successful students are eligible for grace mark in the public exams. Classes are conducted for them in the evening from 4 to 5 regularly for four days a week. In Junior Red-Cross, there

are 51 students. A-level students attended the one-day camp and C-level students attended the two-day revenue district camp at YMCA, Thottumugham.

### **KINDER GARTEN SECTION:**

The induction ceremony into the world of learning for the LKG students was on 12/6/2013. Youth Festival and Sports Competitions were conducted for the tiny tots in November. They were taken for a study tour to nearby places. Kids Fest was celebrated in the first week of February 2014. In the PCM Scholarship Exams, our students have won laurels. In LKG, 20 students have won cash awards and in UKG, 17 students have won cash awards in the PCM Exams.

### **CELEBRATIONS:**

All important days are celebrated in a befitting manner. World Environment Day was celebrated with slogan, poster, speech, essay and story writing competitions. Reading Day was celebrated with a Book Exhibition conducted in our premises. Ramayana Month Celebration was observed with piety. Guru Poornima was celebrated in a befitting manner. A felicitation was given to the famous children's poet Shri Sippy Pallippuram on his 70<sup>th</sup> birthday. A Congregation of Poets from in and around Aluva were present to grace the occasion. Independence Day was celebrated with patriotic fervor. A quick glance on the life of patriots from 1857 to 1947 was the star of this event. Raksha Bandhan was celebrated in the true spirit of brotherhood with a message by Advocate Padmanabhan, our present Managing Trustee. Onam was celebrated with pomp. The students were divided into KG, LP, UP, HS and HSS. Each group were given a venue where they could engage the students in competitions, games, quiz, etc., till the floral carpet competition was over. After the visit of Lord Mahabali to the Floral Carpet, there was the *Uriyadi* competition for LP, UP, HS and HSS sections, followed by *payasam* distribution. Swamiji's Samadhi Day was celebrated in the true spirit of re-dedication to work in the path shown by him. The students of Class X and XII were taken to Nochima Ashram to offer their respects at the Samadhi after the special assembly in the School.

Gandhi Jayanthi was celebrated in true Gandhian spirit. Charity collections of our students were given as donation to Aluva Government Hospital Dialysis Unit to help poor people in need of dialysis. Not only that, with the help of the Aluva Municipal Ward Members our teachers and students from High School and Higher Secondary visited all the 25 Wards in the Municipality and conducted a basic survey on health and hygiene, waste disposal, availability of drinking water, transportation, etc. The results of the survey have been tabulated and will be handed over to the Aluva Municipal Chairman for further action. November First – Kerala Piravi – was celebrated with unusual fervor in the context of Malayalam being accorded Classical Language status.

### **CO-CURRICULAR ACTIVITIES:**

The Higher Secondary Directorate had announced a short-film making competition for Higher Secondary Students. Three short films were made by our students and sent to the Directorate. Out of these, two were selected and the students were interviewed by the Career Guidance and Adolescent Counselling Cell of the Higher Secondary Directorate. After the interview, the students were again short-listed and called for a Ten-day Orientation Camp. After the Camp, they were taken to the Pune Film Institute for a hands-on training. The students felt that it was an enriching experience.

The Swadeshi Science Movement had started a programme called Igniting Minds for students of Class VI to XII. It was the brainchild of our former President Shri A.P.J Abdul Kalam. 30 schools from all-over India were selected for this programme and ours was one. It consisted of a documentary on a Science subject followed by Video Conferencing with a famous scientist related to that topic. Students can put forward their questions related to that subject.

The School conducted a School-level Exhibition in Science, Mathematics, Social Science, Arts and Crafts. The best of the exhibits were selected to participate in the Sub-District Sastrotsavam.



## SEMINARS:

On the occasion of the induction ceremony of Plus 1 students, a Seminar was conducted for the parents on Good parenting for teenagers by Shri TRS Menon. A Counselling Class for parents of Class X and XII students on *How to Help Your Students face the Public Examination* was conducted. In the context of harassment to women, a talk by Swamini Darshika Chaitanya was conducted for the girls of Class X and XII. On November 1<sup>st</sup>, there was a class for XII Standard boys by Advocate Bobby on *Damages to Public Property*. On November 23<sup>rd</sup>, there was a Career Orientation Class by Shri T.P Muraleedharan for Science students of Class XII. In the afternoon, there was a Traffic Awareness class for Class XII boys by Shri Dileep Kumar, RTO, Angamaly. On 20<sup>th</sup> January, there was a Counselling Class for students of Class X and XI on *How to face the Public Examinations* by Swami Adhyatmananda Saraswathi. It was followed by a class for their parents on *How to help their Wards to face the Public Examinations*. There was a class on Stock Exchange conducted by Shri Sanil Kumar for Class XII Commerce students. Vidya Bharathi Institute conducted a class for Class XII Commerce students on the options before them after Plus 2.

## OUTSIDE COMPETITIONS:

Our students regularly participate in competitions conducted by Gandhi Darshan, Legal Literacy Club, Ramachandra Mission, YMCA, Power Quiz conducted by KSEB, TCS VizKid. In the competitions conducted by Pillai's Academy, two of our Commerce students secured the third place in Emakulam District and won Cash Awards. In the Quiz Competition conducted by Chemistry and Botany Departments of UC College, our students secured the second and third prize respectively. In the Ramayana Month competition conducted by Peruvaram Mahadeva Temple, North Parur, our Higher Secondary students gave an exemplary performance, thus securing the Best School Trophy in overall category and in Higher Secondary category. Our students were also given literary books as prizes. In the Pathanjali Yoga Olympiad, our School secured the Best School Trophy. The Second Prize

went to Bhavan's Varuna Vidyalaya. In the competitions conducted by Tripunithura Sanskrit College, our School won the Best School Trophy.

## JAYANTHI CELEBRATIONS:

This year Swamy Gopalananda Theertha's Jayanthi fell on December 15<sup>th</sup> (Sunday). The Celebrations, also called as Parents' Day, started with a Deepashikha procession from Nochima Ashram. The deepashikha was lighted by Swamy Purandaranandji and handed over to the Principal. The procession was accorded a civic reception at Hospital Junction by Aluva Municipal Chairman Shri Jacob MT. It was welcomed by *thalam* by parents and Panchavadyam by our old students from Hospital Junction to the School. After paying floral tributes at Swamiji's statue the Meeting was inaugurated by Shri Anwar Sadath, M.L.A, and presided over by the Municipal Chairman. PTA Presiden Shri Muraleedharan K, Dr. K.P.S Nair, Chairman, Geetha Bhavan Trust, were also present. Felicitations were also given to Shri. Kochuouseph Chittilappilly for his humanitarian services. Teachers who had retired from service was also accorded felicitations and memento for their dedicated service. There was a class on Good Parenting by Shri Yahya Khan. There were variety entertainments by parents. The programme ended with sumptuous lunch.

## SHASTROTSAV:

In the Sub-District and District Shastrotsavam, our students participated in Mathematics, Science, Social Science, IT and Work Experience in LP, UP, HS and HSS categories. They exhibited their handiwork in quiz, group project, single project, seminar, still model and working model. They won laurels for our School. In the Higher Secondary category of Social Science fair, our School was the champion. 25 students participated in the International-level Maths Count Exams and 20 were selected for the District level.

## KALOTSAVAM:

The School-level Kalotsavam was inaugurated by Ms. Renjini Jose, cine artiste and play-back singer. In the Sub-District Kalotsavam, we secured 656 points and were the overall champion for the 20<sup>th</sup>

consecutive time, surpassing our nearest rival by more than 200 points. We were also the champion in HSS General, HS General, HS Sanskrit and UP General categories. In the Revenue District Kalotsavam, our School was the overall champion securing 346 points and helping Aluva Sub-District to become the overall champion. In the HSS General category, we were the second in the District, while in HS General, HS Sanskrit and UP Sanskrit, our School was the champion. In the just concluded 54<sup>th</sup> Kerala State School Kalotsavam, we had sent 135 student representatives in 14 group and 15 individual items for the first time. Our students gave a stunning performance by securing 121 points and became the 6<sup>th</sup> Best School in the State Kalotsavam. Vismaya Uday of Class XI secured First A-Grade in Classical Music. Sanskrit Group Song and Koodiyattam in HS section won First A-Grade. Jyotsna Nair won First A-Grade in Kavyakeli. All our students secured A-Grade with five points each barring five items. I congratulate all the students for their highly energetic performance even at midnight or very early morning, thereby bringing laurels to the School. I also thank the parents for the support rendered to us. My special thanks to all the teachers who are behind every success of our students and their families for solidly supporting them. May the Almighty bless the students with many more successes in life.

### **SPORTS:**

All work and no play makes Jack a dull boy, so goes an adage. Our School gives important not only to the mental and cultural development of a child but also to his physical development. Rohith TS of VII C got first place in free-style 50 metres swimming at Sub-District level. Devika Dinakaran got first prize in 3000 metre race whereas Swathi Pramod got 3<sup>rd</sup> prize in 800 metre race. Our School cricket team secured 3<sup>rd</sup> place in Sub-District tournaments. Rohith AM of X D, Mohammed Khan of IX B, Govind S and Amjith Anil Kumar of Class XII, Eliyas P Varghese of Class XI got selected in the District Cricket Team in their respective categories. Akshay PR of Class XI got first prize in Sub-District 3000 metre walking and Eliyas P Varghese of Class XI got third prize in 100 metre hurdles in the Sub-District level.

### **EXCURSIONS:**

Study tours are an integral part of the curriculum. Our students from LKG to Class X were taken for study tours both inside and outside the State.

### **PARENT-TEACHER ASSOCIATION:**

We have a very active PTA under the Presidentship of Shri Muraleedharan K. The PTA General Body which met on July 26<sup>th</sup>, elected Shri Muraleedharan as President, Shri Sreekumar as Vice-President, Shri Jose Akkarakaran as Secretary. The PTA meet regularly and all deliberations focus on the welfare of students. The PTA has been very kind enough in procuring a sound system for the students this year.

### **OLD STUDENTS MEETING:**

All our old students regularly visit their alma-mater and meet their teachers, thereby strengthening the bond between them.

### **CONDOLENCE:**

We place our deep and heartfelt condolences on the demise of His Highness Uthradam Thirunavukkarasu Marthanda Varma, who laid the foundation stone for this prestigious seat of learning. Our condolences are also to the family of Anil Kumar, father of Athul Krishna of III B, Shri Dinesh, father of Vishnu, Class IX. May the Almighty give the bereaved family strength and courage to tide over this situation. Our condolences are also to the family of Sreejith S, who was our old student and died in an accident recently.

### **A WORD ABOUT OUR STAFF:**

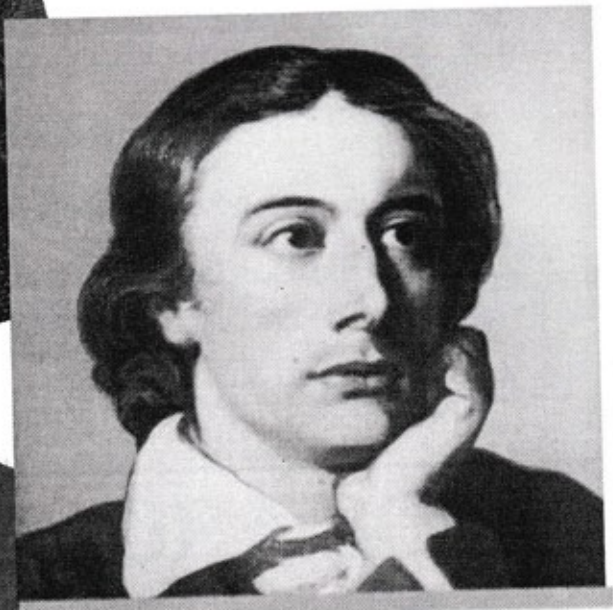
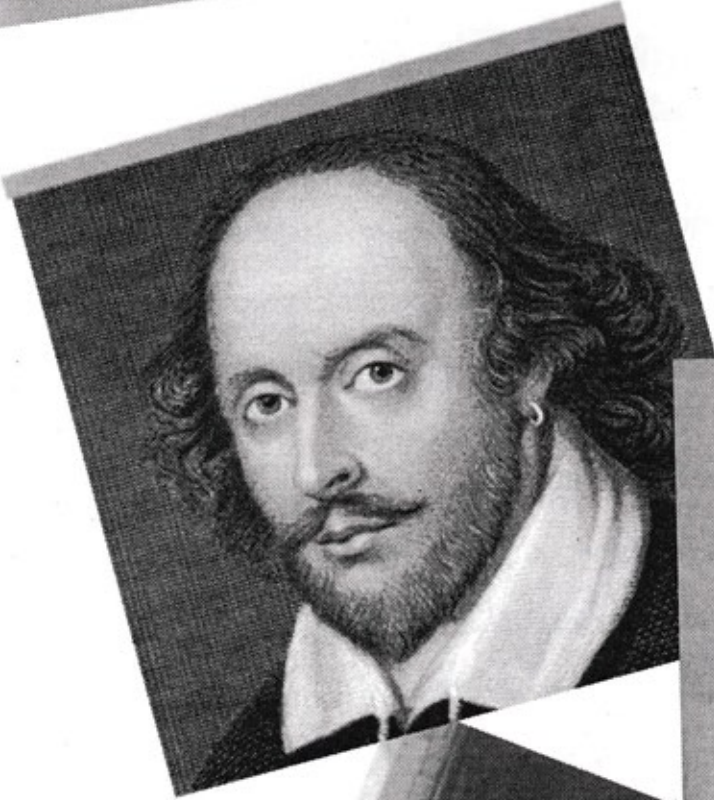
I place on record my sincere appreciation to the unstinted cooperation and dedication of our staff in all our ventures. My sincere thanks to our Management, headed by our Chairman, Shri Sundaram Govind, our former Chairman, Dr. K.P.S. Nair, Managing Trustee, and other Trust members who have been very supportive in all our ventures. My sincere thanks to our Manager, Shri M. Mohanaraj, Shri A.N Pankajakshan Nair, our Director, Shri K.K. Bhaskaran, our Headmaster, and all other staff for their support.

I also thank the Almighty God and the omnipotent grace of our founder, Swami Gopalananda Theerthapada, which has been guiding us forward, step-by-step.

Thank you.



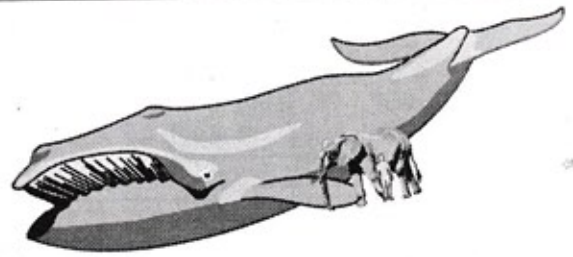




# ENGLISH SECTION



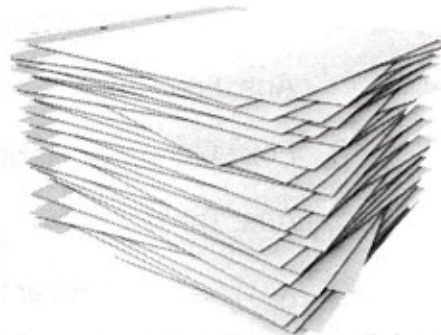
# AMAZING FACTS



1. A blue whale's tongue weighs more than an elephant.
2. Our eyes are always same size from birth but our nose and ear never stop growing.
3. It would take 1200000 mosquitoes ,each sucking once to completely drain the average human of blood.
4. About 75 acres of pizza are eaten in the U.S everyday.
5. A few ounces of chocolates are enough to kill a small sized dog.
6. When you sneeze air rushes out of your nose at a rate of 100 miles per hour.
7. An average human speak 4800 words in 24 hours.
8. Human use 14 muscles to smile and 43 to frown.

## AUTOBIOGRAPHY OF A BOOK

I am a book. Everybody knows me. But very few knows my biography. I am made up of paper. There are a number of pages in me. They also contains nice pictures. I was printed in a press. Then I was packed with other books and sent to the market. I lived with a book seller for many days. Then a student bought me. He cared for me. He gave me a dress of brown paper. He read me every day. But very sadly he sold me to a library. Now I am in a library. A world of books. I am waiting for some good buyer. Now, my price is much reduced. My present owner is very careless. He does not care much about me. I



I am lying in a shelf with lot of dust. Due to cough and cold I suffer loneliness now. I hope that my happy days will come again soon.....



ASWANI .C. RAJEEV

VIII.B

# Analogies

a) Doctor : Patient : Advocate : .....

Ans: Client

b) Peace : Amity : Conceal : .....

Ans: Hide

c) Land : Man : Sea : .....

Ans: Fish

d) Ruling : King : Learning : .....

Ans: Scholar

e) Fire : Heat : Flower : .....

Ans: Fragrance

f) Fox : Cunning : Rabbit : .....

Ans: Timid

g) ..... : River : Tunnel : Mountain

Ans: Bridge

h) ..... : Egg : seed : fruit

Ans: Embryo



NIYA.M.SHIBU  
X.A

# CO INCIDENCE OF WORDS

Hate has 4 letters so does love

Enemies has 7 so does friends

Lying has 5 so does truth

Negative has 8 so does positive

Under has 5 so does above

Cry has 3 so does joy

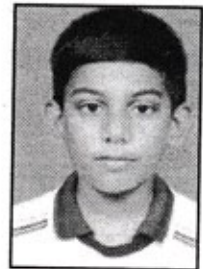
Anger has 5 so does happy

Wrong has 5 so does right.

It means life is like a double edged sword, so choose the better side of life!  
CHOOSE WISELY!!

**VIVEK HARI**

**IV.B**



# WHO KNOWS?

I know what I know,

I know not what you know.

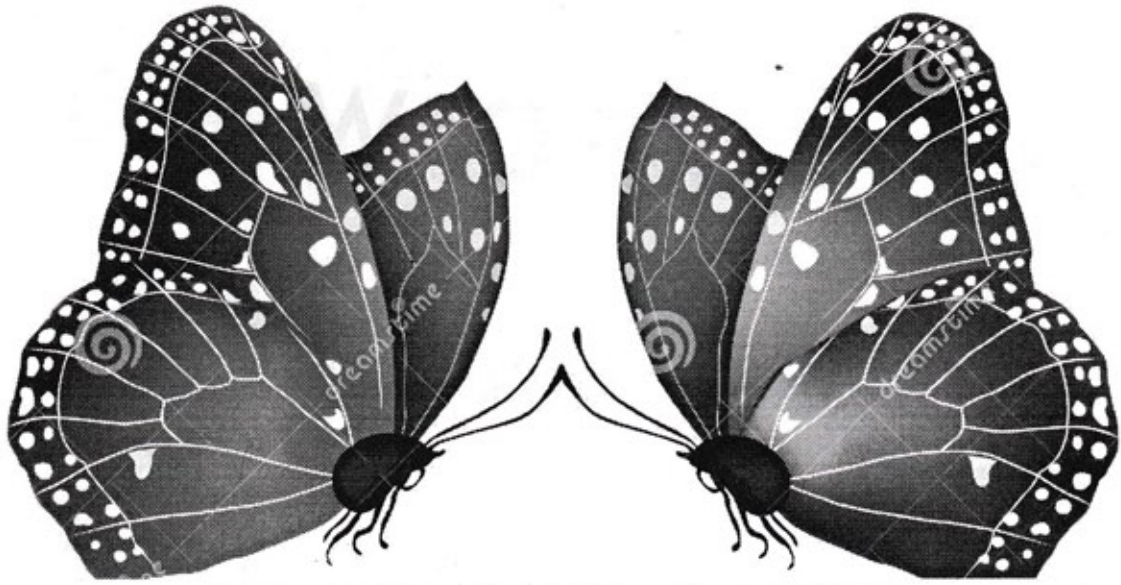
He knows what you and I know,

He is God who knows all of us.



**SAI NANDAN.P.V**

**V.A**



# **FRIENDSHIP**

Two butterflies are close friends;

One day;

1<sup>st</sup> Butterfly: Let us play a game.

2<sup>nd</sup> Butterfly: ok.

1<sup>st</sup> Butterfly: Tomorrow morning who sits on the flower first, that

One has a true friendship.

2<sup>nd</sup> Butterfly: ok.

The next day morning the 1<sup>st</sup> butterfly reached the flower and waited for the flower to open. The flower slowly opened. Then the 1<sup>st</sup> butterfly found that the 2<sup>nd</sup> butterfly was dead inside the flower. He stayed whole night in that flower to show his deepest friendship.

The message we get from this story is,

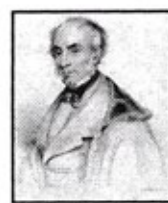
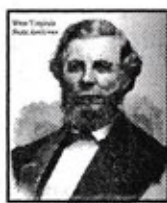
One friend like you is enough to enjoy the whole life, but one life is not enough to enjoy with a friend like you.



**SREELAKSHMI ANESH**

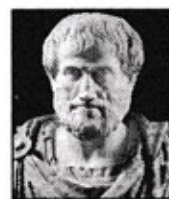
IX.B

# Great Quotes



1) "Just as I would not like to be a slave, so I would not like to be a master."

- ABRAHAM LINCOLN.



2) "Let a hundred flowers bloom and let a thousand schools of thought contend."

- MAO TSE TUNG.

3) "The Living Need charity more than the dead."

- GEORGE ARNOLD.



4) "Some books are to be tasted, others to be swallowed and some to be chewed and digested."

- FRANCIS BACON.

5) "My heart leaps up - The child is the father of a man."

- WILLIAM WORDSWORTH.

6) "Where wealth accumulates, men decay."

- GOLD SMITH



7) "The roots of education are bitter but fruit is sweet."

- ARISTOTLE.

8) "Better to reign in hell than to serve in heaven."

- MILTON.

9) "Man is born free, and everywhere he is in chains."

- JEAN-JACQUES ROUSSEAU.



10) "No man's knowledge here can go beyond his experience."

- JOHN LOCKE.



ACHYUTH UNNI

VI C

# MAGIC OF ALPHABETS

1. An alphabet which we use to express others?
2. An alphabet which gives you a drink?
3. An alphabet which gives you a collective noun?
4. An alphabet which we use to express feelings?
5. An alphabet which express a number?
6. An alphabetical organ?
7. An alphabetical question?
8. An alphabetical answer?
9. A currency alphabet?
10. An alphabetical insect?

## ANSWERS

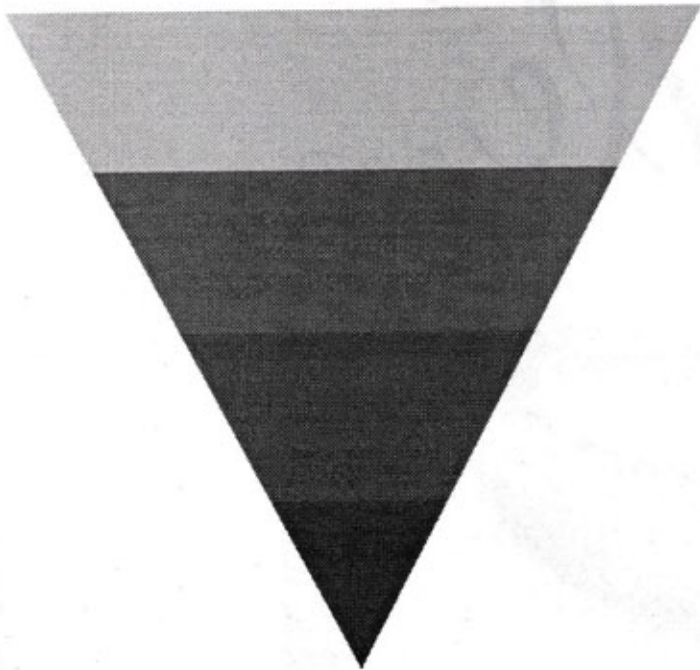
1. U
2. T
3. V
4. O
5. A
6. I
7. Y
8. S
9. N
10. B



ALFIYA.O

VI

# EASY



# DIFFICULT

Easy to get a place in someone's address book

*Difficult to get a place in Someone's Heart.*

Easy to judge the mistake of others.

Difficult to recognise our own Mistakes.

Easy to talk without thinking

Difficult to refrain the tongue.

Easy to hurt someone who loves us

Difficult to heal the wound.

Easy to forgive others

Difficult to ask for forgiveness.

Easy to set rules

Difficult to follow them.

Easy to dream every night

Difficult to fight for a dream

Easy to show victory

Difficult to assume defeat with Dignity.

Easy to admire a full moon

Difficult to see the other side.

Easy to stumble with a stone

Difficult to get up.

Easy to enjoy life every day

Difficult to give its real value.

Easy to pray every night

Difficult to find God in small Things.....

Easy to promise something to someone

Difficult to fulfil that promise.

Easy to make mistake

Difficult to learn from them.

Easy to think bad of others

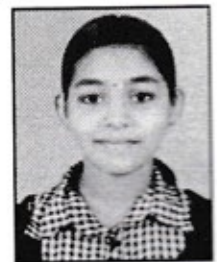
Difficult to stop thinking it and Put it into action.....

Easy to receive

Difficult to give.

Easy to read this

Difficult to follow.....

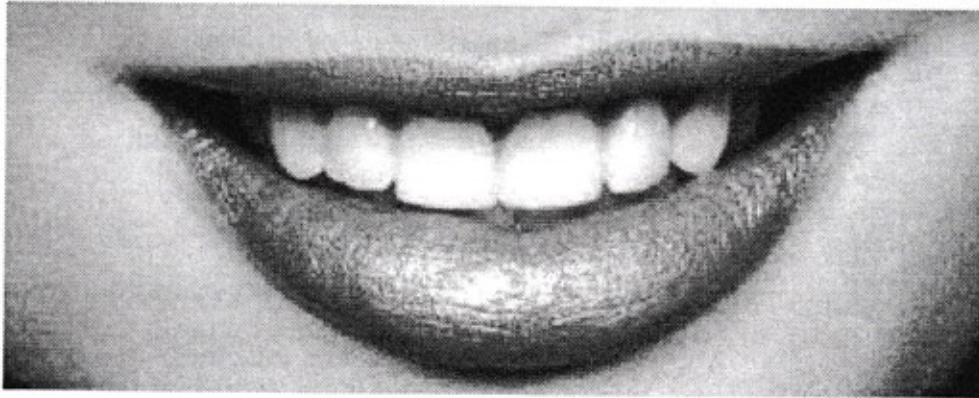


SHERIN KURIYAKOSE

7-A



# Smile



A smile casts nothing more,  
Than a heartiness from heart's core  
A widening of the lips,  
A tune at your finger tips  
Nothing more than a smile,  
That lasts more than a while  
Wiping away those sad tears,  
Unseen and unhearing for years  
A smile splashed on your face  
All day long is an amaze  
In a life so fast and hectic  
That can make you look so sick.  
A smile on your face now  
Makes others say wow!  
Spread your smile everywhere  
Show that you do care.



FAIZA.N  
IX.C



STORY

# A CHRISTMAS NIGHT

"Tomorrow is Christmas", mother told Liyo. He became very happy. Mini, "we will cut cake tomorrow" he told his sister. "Amma, where is papa?" Mini asked. "He will come with Christmas present." Children became very happy. They stood on the verandah waiting for their father. They saw a lot of people going back home with stars, cakes, balloons, gifts..... etc. "Amma, why is papa late"? Liyo asked "He will come soon dear". Mother replied. Atlast their father came with empty hands. He hasn't bought anything. He was drunk. Papa, "why didn't you buy anything?". "Oh! my dear son. I forgot..... I will go back and bring everything".

"No. papa..... you are drunk ,you are thinking about your self" Liyo said. "Stephen why are you destroying your life? Can you please stop this bad habit? These children were waiting happily for you..... But you....." said Amma.

"Liyo , I'll bring everything ,you don't worry" Stephen said.

He went out in to the darkness. After sometime they heard a sound.

"Mariya, Mariya, come fast."

"What happened Julie ?" Amma asked "Your husband met with an accident" "Oh ! my God! Liyo, Mini come fast, Pappa had an accident". They rushed to the place.

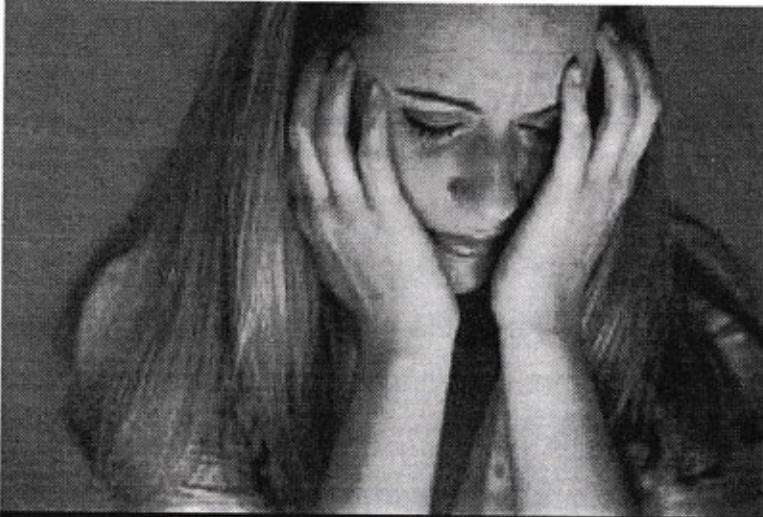
On the road their father was lying in a pool of blood. Stars , dresses, gifts , cakes..... were scattered near his body . Liyo , Mini and Mariya sat beside him. All the Christmas dreams have gone. Everywhere they felt darkness.

***Alcohol not only kills a person but also spoils a family.***



VIDYA PARVATHY.C.M

VIII.D



## THE REALISATION EVE

Eve of monsoon flashed through my eyes.  
 The noon without the bright sun,  
 And the moon without sparkle  
 The day ended unfortunate soon.  
 Was I right or wrong? My mind moved and rang.  
 Then heard the voices "wrong".  
 Repeating voices came with wrong.  
 With true intention I did.  
 But they quoted, "you made"  
 Then the days became dull and sorbid.  
 I asked me again, "you did"?.  
 I loved and took them to heart.  
 In return I got only taunts.  
 Life has changed to utter blunt.  
 Still it pain the core of my heart.  
 Then the realization stuck me.  
 Not take people and things to me.  
 It took much time to reach to me.  
 But the reality came like a bright star to me.  
 It taught me a new lesson,  
 Be away from people and things.  
 Always know where you are,  
 And be what you are.  
 And do what you can



**PALLAVI.A.RAO**  
**VIII.B**



|   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| B | M | X | C | H | A | L | K | Y | W | T |
| U | D | W | H | E | A | T | B | K | C | X |
| I | N | S | O | R | M | A | T | L | O | N |
| L | E | Q | C | A | M | W | B | X | Y | F |
| D | Y | A | O | S | P | L | E | A | F | P |
| I | R | Z | L | E | A | E | S | Q | U | B |
| N | S | D | A | E | R | O | P | I | A | T |
| G | O | A | T | O | E | I | P | L | P | T |
| Z | R | P | S | T | R | O | L | U | Q | U |
| F | W | X | X | S | E | Q | B | Z | T | R |

Can you find meaningful words from the puzzle?



ARJUN.B

VI.C



## BACK TO THE PAST

Looking back to the past school days,  
a pleasant sweet smile spreads over my face.  
It takes me to a world of joys,  
of happiness, merry, pleasure and grace!

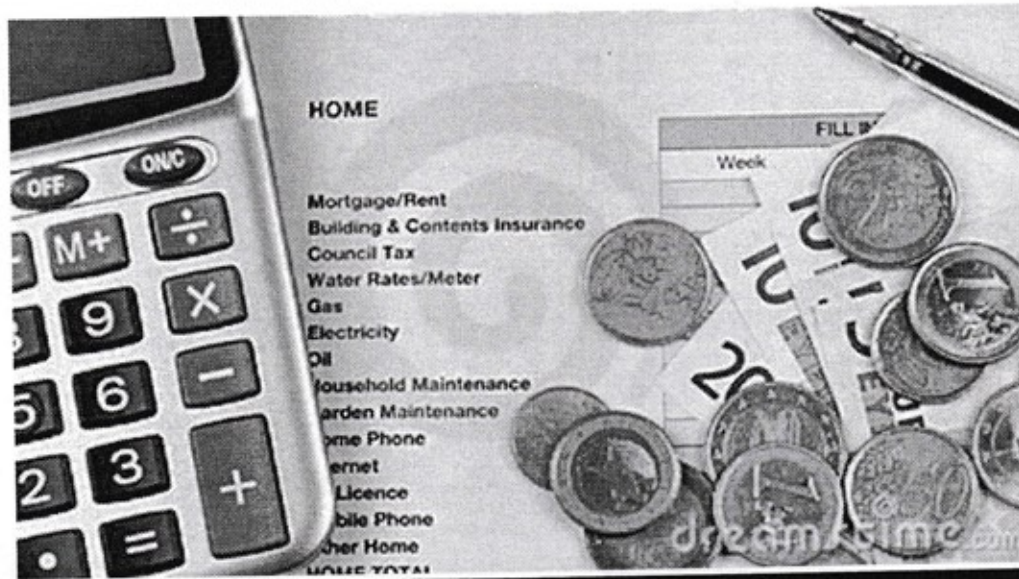
School day mornings are all a bustle,  
searching books is much like a puzzle,  
half-tied ribbons and undone buckle,  
thinking about these brings on a giggle!

Making quarrels with friends is fun,  
but when a problem arrives we are one.  
One for all and all for one,  
friends are always there no matter when!

Ah! Fourteen years have past in a haste,  
those school days are about to last,  
but its memories won't leave me so fast,  
it will remain forever in my heart!



Anu.K.S  
C 2



## WORKING OUT OF A BUDGET

### How to calculate your monthly expenditure?

#### 1. Estimating your income

Arrive at a total income which is the sum of your earnings from all sources. If your income is irregular get an average

#### 2. Know your expenditure

Break down your expenses in various categories fixed mandatory fixed voluntary, variable mandatory and variable mandatory. track expenses under each category

#### 3. Arriving at your income

The difference between your total income and your total expense is your net income

#### 4. Tweaking your expenses

Based on your net income you can tweak your expenses to ensure that you save as planned. Start with expenses you can avoid and then minimize your outgo on fixed voluntary expenses.

#### 5. Review your budget

Review your budget on a monthly basis to start with and then do it on a quarterly or halfyearly basis going ahead. Factor in changes in income windfalls and so on.



Meril Paul

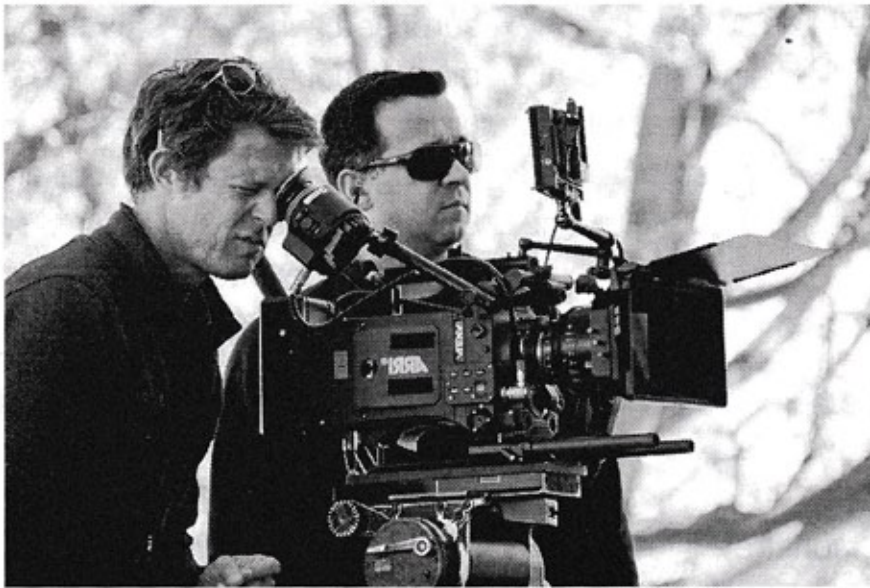


# DOWN THE MEMORY LANE

If I could once more roll back  
To those spring of my life  
So that I could  
Stop and smell those roses  
Which I forgot in those days of haste  
For which I crave the most  
Those were my days  
When angelical hues filled my life  
And most of most  
To immerse in those eyes  
Of my most beloved.....  
That's all I long for  
All of my life.  
When I now walk these lonely lanes  
When I see the new sun rising  
I still live in those innocent days of wondering  
Will that blue moonshimmer my path again?  
I still live in those cherished memories  
My alma mater's lap of love!

**P. Silpa.Menon**  
+2 commerce





## **TEEN TALKIES**

**(21-10-2013 to 27-10-2013)**

### **A WORKSHOP ON FILM MAKING**

A workshop on film making for higher secondary students was held on 21<sup>st</sup> to 27<sup>th</sup> October, 2013 at Sacred Heart School of Communication, Thevara in association with Directorate of Higher secondary education and career guidance and adolescent counseling cell. We were the two candidates from our school among the 40 students selected for the one week camp and Pune trip, after screening, aptitude test and interview from 217 short film entries.

We had a great time in SH school of communication. The principal of SH school of communications Mrs. Asha Joseph was our camp coordinator. On the first day itself we got chance to meet lots of well known personalities. The camp was inaugurated by

Director Sibi Malayil sir, we interacted and he shared his experiences from his career. The afternoon session of the 1<sup>st</sup> day was by the famous drama artist Mr. Manu Jose. His class was really enjoyable. He made us believe 'we can do anything if we have a will'. He showed us many games and performances to make the class lighter. Our stay was arranged at Kaloor Renewal center. We went to the place in college bus. We got lot of new friends from different places across the state. We could easily maintain a nice company with them.

From the second day, we had a morning walk through the lake side. It was really a refreshing experience for all of us. Second day's session was with the famous cinematographer Sunny Joseph. He showed



us so many techniques used in cinematography in different movies and also he shared his experience in different films. It was really an interesting session. He screened us world classics like Lumier fictions, Hero etc... The day with the National Award winner cinematographer was really an unforgettable one...

Third day was with Sound designer Harikumar sir. He was actually a specialist in sound designing...He uses to do sync sounds in his cinemas. He demonstrated lot of new technologies using in sound recording. He sharply and nicely cleared all our doubts. The afternoon session of this day was by Fr.Benedict, on the topic 'film and society'. Actually Fr. Benny has a humble style of catching the students. He captured all our hearts. He makes his hours funny...

The most enriched day was, the day with the most respected and senior Script writer of Malayalam film industry...Mr. John Paul sir. He was physically not well when he came to our camp. But he came and shared a beautiful day with us...that showed his dedication and passion towards cinema. He asked us to go outside the campus and to observe the surrounding to make a story...so that we were divided into groups and took us to fort cochin beach...That was really interesting when the 'best of nature and best of young film makers meets'...

The funniest day of the camp was taken by famous Art Director Razi sir. He demonstrated how cinema can cheat our eyes. We felt

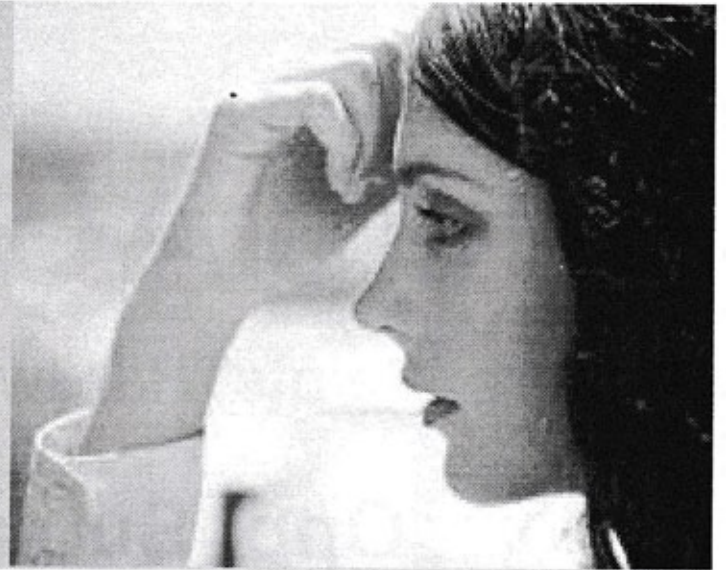
surprised, when we saw the making side of many famous movies that we believed 'its extraordinary'... on the same day we got a chance to mingle and interact with our higher secondary Education Director Mr. Kesavendra Kumar IAS. It was an unexpected meeting with kesav sir.

The session for editing is taken by award winning editor Mr. Vinod sukumar sir. He suggested so many tips while doing an editing work and introduced lot of techniques. He showed us his last project Artist's editing works and shooting sites it was very much interesting. And also the Famous Director Lal Jose sir came online for a video chat with us from the location of his upcoming movie. That was also a surprising memory from the workshop. The last day we all gathered and discussed scripts and stories. Like that, all the days were enriched with lots of interesting activities and tasks. We all are lucky to be a part of this camp and to attend such a huge and nourishing workshop. Big thanks to the Principal and teachers for supporting us for this success.

**MUJEEB K A- Plus Two (Commerce)**  
**SUHAILRAHIMAN- Plus Two (Computer Science)**



## WOMEN STILL UNSECURE...???



"Woman is the deity of prosperity. She is the corner stone of the ideal home." These are the words of Thirukkural who lived ages and ages before. But the attitude is changing now. Turn around, and you can see humiliations against women occurring frequently and it has turned out to be a 'usual' thing. Newspapers are almost packed with frightening news about harassments and we are still least bothered.

We have seen how the Delhi girl had been brutally harassed and killed. Recently, we are shocked to hear about the attack towards a woman in the ATM, and stories are lot more.....! Some spread like wild fires and invoke protests while some others are silently suppressed by the political hands. Now, the question is why people have turned out to be so inhumane these days? Why do they act so? Most of you may come up with opiated answers blaming the dressing style of women as the main reason for 'provocations'. But at the same time, we need to refer the foreign countries where women are free to dress in whichever way they like, and still they receive the 'same respect' in the society! So the problem is not evidently with the dressing style, it's with the attitude of people. Even if they are abused, they react spontaneously and there are efficient police force and the judicial system to look after the rest.

This is what holds back the people from doing harassments against women in such countries. But what if the same happens here, in India? Yes! You know the answer! Media would take it as a "BREAKING NEWS" aiming at a high rating than going deep into the issue. They sensationalize instead of sensitizing. And, people blame the women for reacting spontaneously and the police force and judicial system are always there to save the interests of the accused. The criminals get VIP facilities even in the jail and the state of poor victims is very pathetic!

Recently, our government has adopted various measures like free self-defense training to women, proposal of Women Bank of India where women play the roles in the bank and even women taxis (SHE taxi) to safeguard the security of women in public places. These are all great measures. Of course, government is doing much for reducing women insecurity. But, it's not enough! We ourselves have to join hands to strive for building a secure place for women to live!



ANU.K.S

C 2

Best Compliments from:

# MGS AGENCIES

**Dealers: Paints, Hardwares and Sanitaryware**

**Opp. Subjail Ground  
Aluva**

**MGS Construction : 9526521995**

Best Compliments from:

Ladies Hostel

# NAZRETH INN

**Working Women's Hostel**

Nazreth Road, Aluva - 1

Ph: 9349160817, 0484 - 2624905

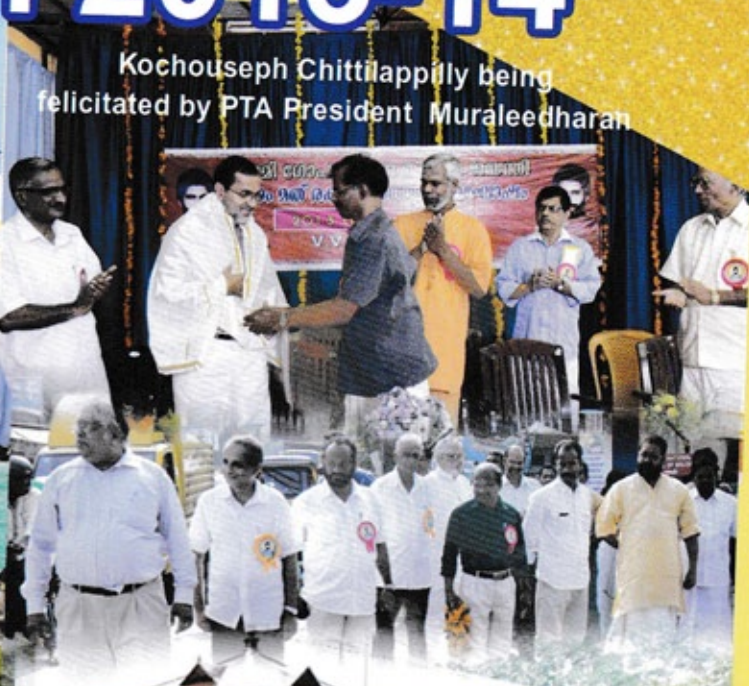
Email: nazarethinn@yahoo.com

- ◆ 150 Mtrs from Aluva Railway Station & KSRTC Bus stand
- ◆ Single/ Double bed with attached bathrooms
- ◆ Homely food
- ◆ Dormitory facility for 5 pax
- ◆ 24 Hrs water supply
- ◆ Reading room & TV facility

# JAYANTHI 2013-14



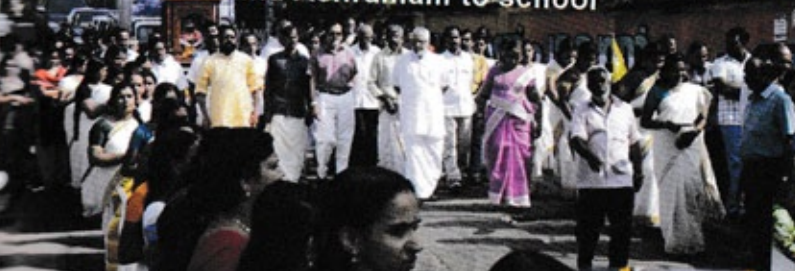
M.L.A Anwar Sadath Addressing the Audience



Kochoseph Chittilappilly being felicitated by PTA President Muraleedharan



Deepashikha Yathra from Nochima Ashramam to school



Municipal Chairman Sri Jacob inaugurating the function



Honouring the ret'd. teachers.....



# CHARITY



A helping hand to the Aluva Dialysis unit



Sri.M. Mohanan (Manager) handing over the collection for Cancer relief fund by the students

# EXHIBITION



# GURUPOOJA



CAP. STEVE MANADAN  
PERFORMING THE PADOOJA OF  
PROF. LAKSHMIKUTTY ON GURUPOORNIMA

## PCM SCHOLARSHIP EXAM WINNERS



LKG

Nandana Haridas, Denanda Arun, Pranav. G.,  
Neeraj Ramesh, Sravan Sooraj Any Renny,  
Shivani Rajesh Devaras Jiji, Joseph  
Varghese, Naisam Abdul Khader, Sourav Krish-  
naraj, Adwaith Rajendran, Avaneeth Krishna  
Asbin M.S, Vaishnav Sunil, Devanandan P.A.,  
Krishnanjana K.J, Sona Bhadra, Sandra Shaju,  
Gowrilakshmi, Anaswara Sujith, Gowrikrishna,  
Prarthana Sreekumar, Devapriya. S. Sreen-  
anda. P.B, Kesav G. Nair, Bhadra Vijayan,  
Vishnu P.D. Shefa S. Khan, Farseena Mol, Ajan  
B.N. Nehasika Prakash, Sreya. S. Almina. P.K.



UKG

SRAVAN UDAYAKUMAR, NAYAN P. RENJITH, SREERAG SAJEEV,  
VISHNU SREEKUMAR, MUHAMMED FARHAN, AYAN SIRAJ,  
KASINATHAN. M.S. ASWIN DAMODAR, AMAN SIRAJ  
GOWRI SANIL, ANJITHA BINEESH, SHEZA SHEHAZIL KHAN, ANJANA V.B.  
NASMINE NOUSHAD, GEETHIKA. SARUNDHATHI SANTHOSH, MUHAMMED FAZIL



Mathrubhumi  
painting compe-  
tition winners  
Arundhathi  
Santhosh,  
Ameya Krishnan



Anjolinoy- First for  
Painting Competition

# Onam 2013



Old students evaluating the pookkalam



# Onam 2013



The real spirit of Panchavadyam & Pulikkali

*Onam Celebrations 2013*



SHAGZIL KHAN  
PHOTOGRAPHY



# RAKSHABANDHAN

Inaugurating Rakshabandhan in the LP, UP, HS&HSS section by swami Purandarajji Maharaj, Pankajakshan Nair, Prof. Ambujakshi, Adv. M.K. Padmanabhan (Managing Trustee)



यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवती भारत ।  
अभ्युत्थानमर्धमस्य तदाऽऽत्मनं सृजाम्यहम् ।





# മലയാളവിഭാഗം

# THE CHILDREN'S MAGAZINE

A leading monthly publication in English for children



Stories and Poems by Young talents and Children's Writers

Articles for Parents and Teachers

Short Write-ups by Eminent Personalities

News from the World of Science

A Special Section for Tiny Tots

Picture Stories, Activities, Cartoons etc...

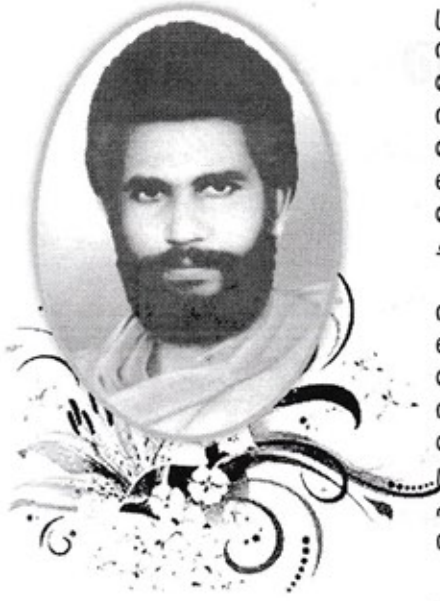
• Per copy ₹ 35/-

• Annual Subscription ₹ 420/-

To read online: [www.readwhere.com/publication/6051/The-Childrens-Magazine](http://www.readwhere.com/publication/6051/The-Childrens-Magazine)

The Children's Magazine, PCM Pvt. Ltd., Govt. High School Road, Edappally, Ernakulam, Kerala-682 024,  
Phone +91-484-2333601, 2333677, e-mail: [ekmpcm@gmail.com](mailto:ekmpcm@gmail.com), [thechildrensmagazine@gmail.com](mailto:thechildrensmagazine@gmail.com),  
Web: [www.pcmmagazine.com](http://www.pcmmagazine.com),

# സ്വാമി ഗോപാലാനന്ദതീർത്ഥ പ്രണാമം!!



ഗ്രാമത്തിൽ പൂർവ്വ പുണ്യം ഒരു യതിവടിവിൽ  
വന്നതാണെന്നവണ്ണം  
ഗോപാലാനന്ദതീർത്ഥ പ്രവരണൊരുദിനം  
വന്നതിങ്ങേകനായി  
പോകാനന്നില്ലൊരേടം, പരിചിതരുമതി-  
ല്ലെങ്കിലും ദൈവഗത്യാ-  
ലേതാനും മാനുരായിട്ടൊരുവിധം ഒരു  
ചാർച്ചയ്ക്കു ഭാഗ്യം ലഭിച്ചു

വിണ്ണാറിൽ പുണ്യതീർത്ഥം ഇരുകരകളിലും  
കൊണ്ടുവന്നാർദ്രമാക്കും  
പേരളും ചൂർണ്ണിയാനിൻ കരയിലൊരു ഗൃഹ-  
സ്ഥാശ്രമിക്കെന്തുകൊണ്ടോ  
തോന്നി നൂറ്റാണ്ടുമുന്മാ ഋഷികുലവരനാം  
ശ്രീ വിവേകാനന്ദനാ  
ഷിക്കാഗോവിൽ ലഭിച്ചോരതിമധുരതരം  
സൗഹൃദം പകുവയ്ക്കാൻ

കാതോർത്താൽ കേട്ടിരിക്കാം അതിമധുരതരം  
സ്വാമിതൻ മന്ത്രനാദം  
ഗീതാസാരം ശ്രവിക്കും അതിലളിതപദ  
പ്രാപ്തമാം ഭക്തിമാർഗ്ഗം  
ഓരോ ജീവിക്കുമുണ്ടീടുവന്നതലമതിൽ  
ദിനമാം കർമ്മമാർഗ്ഗം  
എന്നല്ലോ ബോധമാക്കി അതികഠിനതരം  
തന്റെ തീവ്രശ്രമത്താൽ

അദ്ദേഹം നട്ടതയ്യിൻ പരിണതഫലമായ  
തീർന്നതീ കല്പവൃക്ഷം  
വിദ്യാഭാഹം ശമിപ്പാൻ ഇവിടെ വരുമവർ-  
ക്കൊക്കെയും പുണ്യതീർത്ഥം

എന്നും വിദ്യാധിരാജാ യുവതലമുറതൻ  
മാർഗ്ഗദീപം കണക്കേ  
ഗോപാലാനന്ദതീർത്ഥയ്ക്കൊരു സ്മരണികയായ്  
നീല്ക്കണേ വിഘ്നമന്യേ

എന്നും വന്നെത്തിടുന്നു സ്മരണകളുതിരും  
കാർത്തികതാരകങ്ങൾ  
ഒന്നായിട്ടാചരിക്കാൻ ഒരു തിരുസുദിനം  
ശാന്തിസന്ദേശവാഹി  
ഒന്നോർത്താലാമഹത്വപ്പെടുമകളിവിടെ  
കാൺമൂന്നാം വിദ്യയായി  
വന്ദിക്കാം ഒന്നുചേർന്നാ സ്മരണയിൽ മുഴുകാം  
പാദപൂജയ്ക്കൊരുങ്ങാം.



നാരായണൻകുട്ടി  
കർത്താവ്  
(പൂർവ്വാധ്യാപകൻ)



# എന്റെ ജനനവും മരണവും

നിറമായി ജനിച്ചു ഞാൻ  
മഴയായി പെയ്തു ഞാൻ  
പൂവായി കൊഴിഞ്ഞു ഞാൻ  
കാരുണ്യത്തിൻ ചിഹ്നമായി  
തിന്മതൻ എതിർചിഹ്നമായി ഞാൻ  
അവസാനം  
കൊഴിഞ്ഞ ഒരു പൂവായി ഞാൻ  
ഈ ലോകത്തോട് വിടപറഞ്ഞു

പാർവ്വതി ജയചന്ദ്രൻ  
IV

# നീലാകാശം

നമ്മുടെ സ്വന്തം ആകാശം  
സുന്ദരമായൊരു ആകാശം  
വിടർന്നു നിൽക്കും ആകാശം  
നീലിമ ചിന്നും ആകാശം  
കാറു നിറയ്ക്കും ആകാശം  
രൂപം മാറും ആകാശം  
മിന്നൽ പടരും ആകാശം  
നമ്മുടെ സ്വന്തം ആകാശം



വൈഷ്ണവ് എ.എം.  
IV - C

# കാറ്റിന്റെ കൂട്ട്

കാറ്റേ കാറ്റേ പോവരുതേ  
നിന്നുടെ കൂടെ ഞാനുണ്ടേ  
പുഞ്ചിരി തുകും പുകാറ്റേ  
നല്ലൊരഴകുളൊരു പുകാറ്റേ

പുകാവനത്തിൽ നിറഞ്ഞ കാറ്റേ  
ആനന്ദമേറെ നീ തന്നുവല്ലോ  
എന്നെത്തഴുകി നീ വന്നീടുകിൽ  
വേറെയെന്തുത്സാഹമിന്നെനിക്ക്

കാറ്റേ നിനക്കു ഞാൻ ഉമ്മ നൽകാം.  
നീ എന്നിക്കെന്നും കൂട്ടാകുമോ?

സന നഹീസ ജഹാംഗീർ  
IV - A



# മഴ

ചിമ്മിച്ചിമ്മി തുള്ളിത്തുള്ളി  
ഓടിച്ചാടി വന്ന മഴ  
ചറപറ തുള്ളി കളകളമായി  
ഓടിച്ചാടി വന്ന മഴ  
കാറ്റും ഇടിയും മിന്നലുമൊത്ത്  
ഓടിച്ചാടി വന്ന മഴ  
തിന്നോടൊപ്പം കളിയാടീടാൻ  
കാത്തിരിപ്പു ഞാനിവിടെ



അഞ്ജന എസ്.  
IV - C

# നീലപ്പൊന്മാൻ



തോട്ടിൻ കരയിൽ കൊമ്പിലിരിക്കും  
നീലപ്പൊന്മാനേ  
പാട്ടുകൾപാടി കൂട്ടുംകൂടി  
നോക്കുവതെങ്ങോട്ട്?  
തോട്ടിൽ നിറയെപലപല മീനുകൾ  
നീന്തിനടക്കുന്നു  
അവയിലൊരേണ്ണം  
പൊങ്ങിവരാനായ്  
തക്കം നോക്കുന്നു.



ഫാത്തിമ റിയ. പി.ആർ  
IV - C

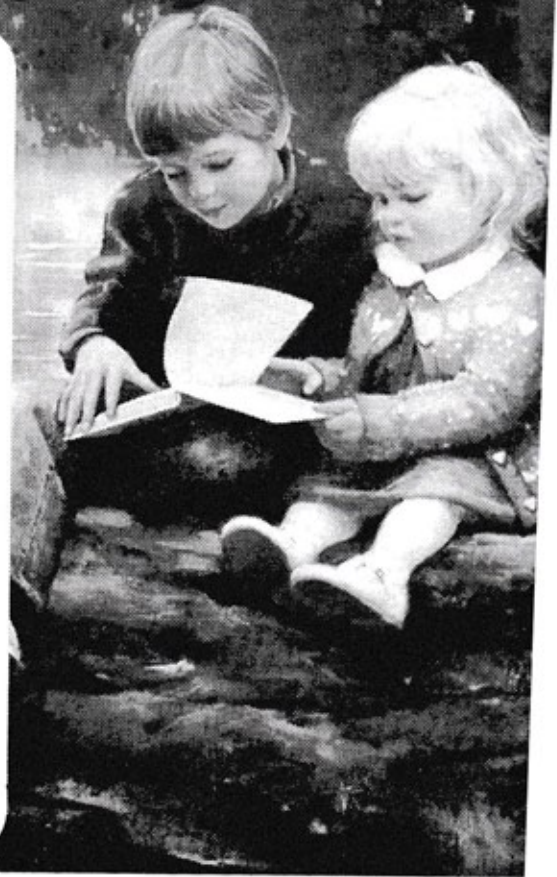
# കുഞ്ഞനിയത്തി

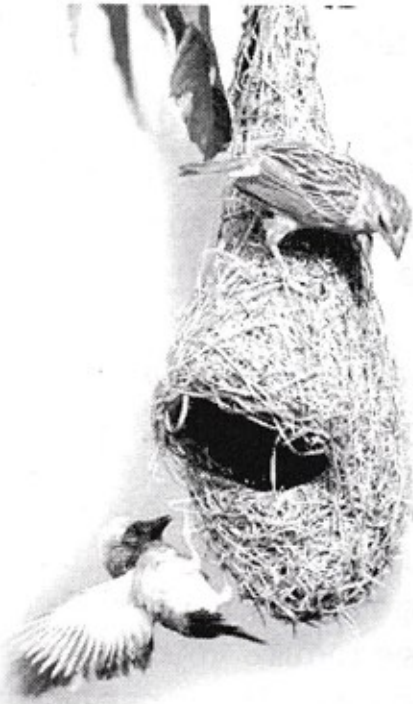
ചേട്ടനോടൊപ്പം കളിച്ചിടുന്നൊരു കുഞ്ഞനിയത്തി  
വാർമുകിലഴകുളൊരു കുഞ്ഞനിയത്തി  
ആലിലക്കണ്ണന്റെ മയിൽപ്പീലിപോലെ  
അഴകുള്ളവളാം അനിയത്തി  
താളം പിടിക്കുന്ന കൈകൾ - മിന്നും  
താമര പൂവിതൾപോലെ  
തങ്കച്ചിലമ്പിട്ട കാൽകൾ രണ്ടും  
ചെമ്പകപ്പൂവിതൾപോലെ

അമ്മയെടുത്തവളെ ഉമ്മവെയ്ക്കും  
അവളമ്മയെ നോക്കി പുഞ്ചിരിക്കും  
ചേട്ടനോടൊപ്പം കളിച്ചിടുന്ന കുഞ്ഞനിയത്തി  
ചേട്ടനെയാണവൾക്കേറെയിഷ്ടം



രോഹിത്. വി.  
VIII - D





# കുരുവീക്കുട് .....

കുളിച്ച് അയാൾ ദൈവത്തിന്റെ ചിത്രത്തിൽ നോക്കി പ്രാർത്ഥിച്ചു. അപ്പോഴും ഈ ചിന്തയായിരുന്നു അയാളുടെ മനസ്സിൽ. അയ്യോ എന്റെ കിളി..... എന്തോ തീരുമാനിച്ചുറപ്പിച്ചതുപോലെ അയാൾ ധൃതിയിൽ ലിഫ്റ്റിന്റെ അടുത്തേക്ക് പോയി. പക്ഷേ ..... അതു തുറന്നില്ല. അയാൾ കോണിപ്പടികൾ ചവിട്ടിയിറങ്ങാൻ തുടങ്ങി. ശീലമില്ലാത്തതുകൊണ്ടാവാം, ഇടയ്ക്ക് വീഴാൻ പോയി.

എവിടെ അവർ..... ആ പാവം കുരുവീക്കുഞ്ഞുങ്ങളും അതിന്റെ അമ്മയും? അവർ കുടൊഴിഞ്ഞുവോ..... അയാളുടെ മുഖത്ത് ഭീതി പടർന്നു. ഇല്ല..... അങ്ങനെയൊന്നും സംഭവിച്ചിട്ടുണ്ടാകില്ല. അയാൾ സ്വയം ആശ്വസിപ്പിക്കാൻ ശ്രമിച്ചു. പക്ഷേ, അവരെവിടെ? ആ ചോദ്യം അയാളെ കുഴപ്പിച്ചു. അയാൾ വാച്ചിലേക്കുനോക്കി. മണിയെട്ടായി. എട്ടരയ്ക്ക് ഓഫീസിൽ പോകണം. ഇല്ല. ഇതിനൊരു തീരുമാനമെടുക്കാതെ ഇനി എങ്ങോട്ടുമില്ല. കുറേനേരം അയാളാ മരച്ചുവട്ടിലിരുന്നാലോ ചിച്ച്, പിന്നെയാ കുട്ടിലേക്കു നോക്കി. വല്ലാത്തൊരു ശൂന്യത ആ കുട്ടിലും, മനസ്സിലും ഇത്രനേരമായിട്ടും അവരെ കാണുന്നില്ലല്ലോ?

കടുപ്പമുള്ള കട്ടൻകാപ്പി കുടിച്ചപ്പോൾ ക്ഷീണം തെല്ലൊന്നു മാറിയിരിക്കുന്നു. എന്താണ്? എന്താണിന്നെന്തിന് നഷ്ടപ്പെട്ടത്? ഇന്നത്തെ എന്റെ പുലർകാലം അപൂർണ്ണമാണല്ലോ. മീരയും അപ്പുവും ഉറക്കമായിരിക്കും. അവധിക്കാലത്തു പോലും ഉറങ്ങാൻ സമ്മതിക്കുകയില്ലേ എന്ന് എണീപ്പിച്ചാൽ അവർ ചോദിക്കും. കുട്ടികളല്ലേ.....

ഉറങ്ങട്ടെ..... ആ, ഒരു കണക്കിന് അതാ ഇല്ലത്. ടിവി യുടെയും കമ്പ്യൂട്ടറിന്റെയും വൈദ്യുതി അല്പമെങ്കിലും ലാഭിക്കാമല്ലോ. എന്നാലും എന്താണിന്നെന്തിന് നഷ്ടപ്പെട്ടത്?

നിങ്ങളെണീറ്റില്ലേ? മണി ഏഴാമല്ലോ, നിങ്ങൾ ഓഫീസിൽ പോകുന്നില്ലേ? ഇതിപ്പോൾ കുട്ടികളേക്കാൾ കഷ്ടമാണല്ലോ. ഓ.....അപ്പോൾ ജാനുവിന്റെ ഈ വഴക്കാണല്ലേ മറന്നത്. അല്ല..... മറ്റേന്തോ ആണ്..... വിലപ്പെട്ട ഒരന്തോ.....ധൃതിയിൽ പല്ലുതേച്ച്



സാരെന്തോ നോക്കുന്നത്? - അവിടെ യുണ്ടായിരുന്ന സെക്യൂരിറ്റി അയാളോടു ചോദിച്ചു?

അവരെവിടെപ്പോയി?  
ആര്?

എന്റെ കുഞ്ഞുങ്ങൾ?  
സാറിന്റെ കുഞ്ഞുങ്ങളോ? എന്തുപറ്റി സാറിന് ?

ദാമും.ന..... ആ നീണ്ട വിളികേട്ട് അയാളെങ്ങോട്ടോ പാഞ്ഞു. മണിയൊൻപതായി. ഇനിയുമവരെ കാണുന്നില്ലല്ലോ. അതെ. അവർ പോയി, ആ സത്യം മനസ്സിലാക്കാൻ അയാൾക്കു കുറെ നേരം വേണ്ടിവന്നു.

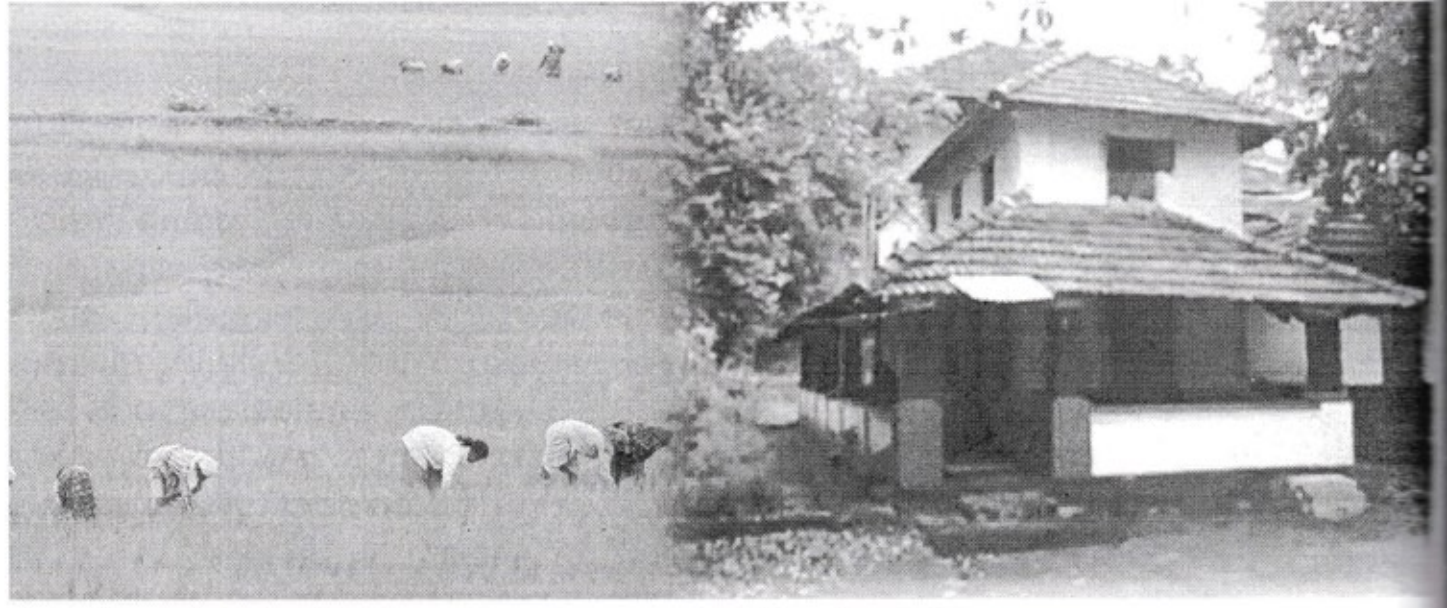
എന്റെ കുട്ടിക്കാലം..... അത് എത്ര മനോഹരമായിരുന്നു.....എന്റെ അമ്മയും അച്ഛനും കുട്ടുകാരുമെല്ലാം നിറഞ്ഞ ആ നന്മയുടെ ലോകം ഇനിയൊരിക്കലും തിരിച്ചുവരില്ലല്ലോ..... എന്റെ മക്കൾ..... അവർക്കൊന്നും അതിനുള്ള ഭാഗ്യമില്ലല്ലോ..... ആ ചക്കര മാനുഷത്തിന്റെയും ചാമ്പയ്ക്കയുടെയുമെല്ലാം രുചി ഇന്നുമെന്റെ നാവിൽ നിന്ന് മാഞ്ഞിട്ടില്ല. ആ തോടും പാടവും തവളകളും കാക്കകളും താളും തകരയുമെല്ലാം എന്റെ

കൺമുഖിൽ ഇന്നുമുണ്ട്. ആ പാടത്തിന്റെ സ്ഥാനത്ത് ഇപ്പോഴേതോ ആശുപത്രിയല്ലേ.....

എന്റെ മക്കൾക്ക് ഇതെല്ലാം പുസ്തകത്തിലും ടി.വിയിലും എല്ലാം കാണാനുള്ള ഭാഗ്യമേയുള്ളൂ. ചക്കരമാമ്പഴം നൂണയണമെങ്കിൽ തമിഴ്നാട്ടിലേക്കോ ആന്ധ്രയിലേക്കോ പോകണം. പാവമെന്റെ അമ്മയും അച്ഛനും..... ഇപ്പോൾ വീട്ടിൽ തനിയെ..... ചിന്തകൾ കടിഞ്ഞാണിടാൻ അയാൾക്കു സാധിച്ചില്ല.

അയാൾ ബൈക്കെടുത്തു..... പുറപ്പെട്ടു.....തന്റെ പഴയ കുട്ടിക്കാലം തേടി.....ചക്കരമാമ്പഴം നൂണയാൻ..... തന്റെ പഴയ ഓടിട്ട വീടും പാടവും പുവിട്ട മാവും മാത്രമായിരുന്നു അയാൾക്കു ചുറ്റും കാണാൻ സാധിച്ചത്. ഇടയ്ക്കെപ്പഴം അയാൾ മാനത്തേക്കു നോക്കി. തന്റെ കുരുവിക്കുഞ്ഞ് ഇവിടെയുണ്ടാകുമോ?.....

ശ്രീ ലക്ഷ്മി വി.എ.  
VII - A





# ചിറകറ്റുവീണ ശലഭം

ശൂന്യമാം വീഥിയിൽ ചാരത്തണഞ്ഞു നീ  
എന്റെ മോഹമേ എന്നെ മറന്നീടുക  
നിന്റെ പാതിയായ് എന്നെ നീ ചേർത്തിടുക

അന്ധകാരത്തിന്റെ അന്തിയാമങ്ങളിൽ  
എങ്ങോ തിളങ്ങിയ പൊൻ വിളക്കേ  
പെയ്യുവാൻ കഴിയാത്ത മഴയാണു നീ  
ഇന്നു മീട്ടുവാൻ കഴിയാത്ത വീണയല്ലോ

ബന്ധങ്ങൾ സ്വന്തങ്ങൾ എല്ലാം  
ഇന്നൊരു ബന്ധനമാണെന്നുതോന്നും  
പാതി വിടർന്നൊരു പൂവുപോലും  
അന്ന് മൊട്ടായ കാലം മറന്നുപോകും

കൈകൊണ്ടു മുടിയാൽ കടലുകൾ മറയില്ല  
ജലരേഖ മായ്ക്കുന്ന കാൽപ്പാടുകൾ  
കളിമണ്ണു കൊണ്ടു നാം കളിവിടു തീർക്കുമ്പോൾ  
ഒരു തിരവന്നു കവർന്നെടുക്കും

കത്തുനൊരഗ്നി തൻ താപങ്ങളേൽക്കുമോ  
ചുട്ടുപൊള്ളുന്നൊരീ ജാതകത്തെ  
വീഥിയിൽ തെളിയുന്ന പൊൻവെളിച്ചം  
വീഥിക്കു മാത്രം സ്വന്തമല്ല

മന്നനോ ഒരു നാളിൽ യാചകനാം  
ആ യാചകനോ ഒരു മന്നനാകാം  
വിധിയുടെ വെറും കളിപ്പാട്ടുമായി  
വേഷങ്ങൾ ആടിയ കോമരങ്ങൾ

ഓരോ ശിലയിലും കൊത്തിയെടുക്കുന്നു  
ശിൽപ്പികൾ തന്നുടെ ശിൽപ്പങ്ങളെ  
മുഗ്ദ്ധസങ്കല്പങ്ങൾ ചിത്രങ്ങളായ്  
അണിയിച്ചൊരുക്കുന്ന ഭാവനകൾ

അരചാൺ വയറിനായ് പട്ടിണിപ്പാവങ്ങൾ  
ഉഴുതുമറിക്കുന്നു നെൽപ്പാടങ്ങൾ  
സ്വപ്നങ്ങളായി വിരിഞ്ഞ നെൽക്കതിരുകൾ  
തീരാത്ത ദാഹത്തിന്നുറവയല്ലോ.....

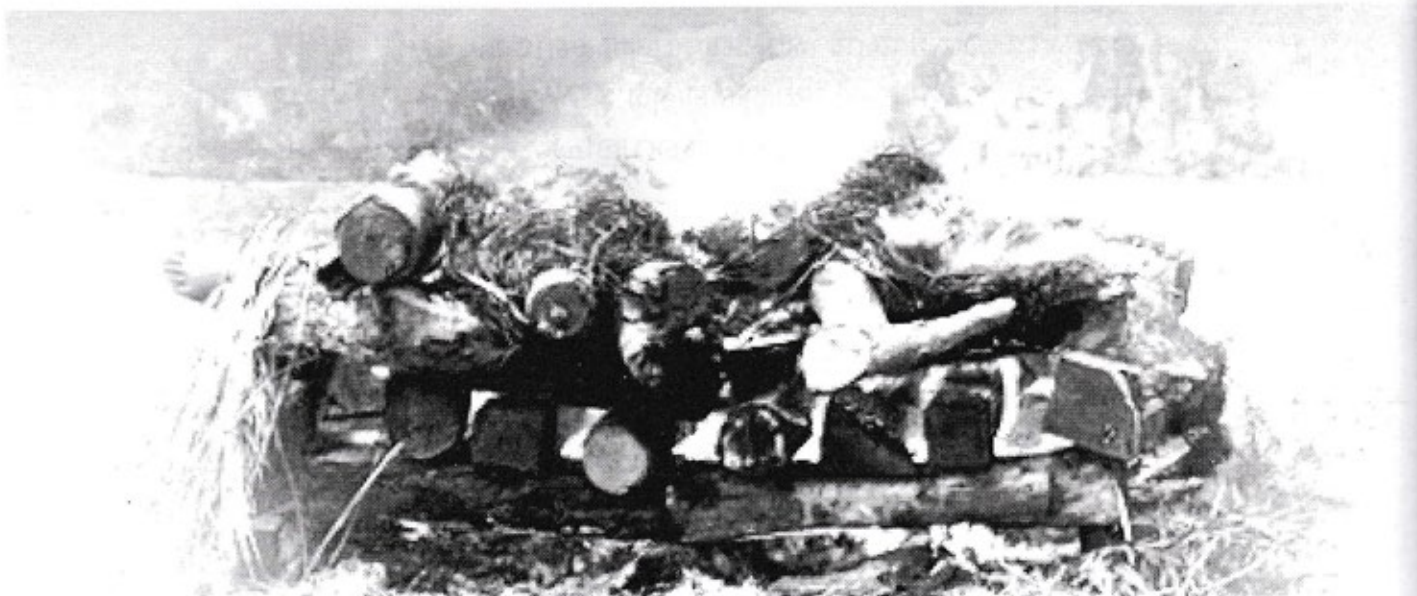
ആയിരം താരങ്ങൾ ഒന്നിച്ചുദിച്ചാലും  
ആകാശത്തമ്പിളി ഒന്നുമാത്രം  
എങ്കിലും എന്തിനോ തേങ്ങി നിൽക്കും  
യാത്ര നാം ചൊല്ലി പിരിഞ്ഞിടുമ്പോൾ

ആയിരം വളയങ്ങൾക്കുള്ളിലായി  
നമ്മൾ നീന്തി തുടിക്കും പരൽമീനുകൾ  
ആറടി മണ്ണാം ശരശയ്യയിൽ  
യാചകരായ് നമ്മൾ യാത്രയാകും

എരിയുന്ന ചന്ദനഗന്ധത്തിലും  
ഒരു പിടിച്ചാരമായ് തീർന്നീടും നാം  
പ്രപഞ്ചമേ നിന്റെ കൈക്കുമ്പിളിൽ ഞാൻ  
ചിറകറ്റുവീണൊരു ശലഭമാണോ.....



ദേവിക ദിനകരൻ  
IX - C





# കീശ നിറയ്ക്കുന്ന വഴി

ചുണ്ടിൽ എരിയുന്ന സിഗരറ്റു കുറ്റി  
 കൈയ്യിൽ പതയുന്ന ബിയറിന്റെ കുപ്പി  
 ചുണ്ടിനടിയിലിടാവുന്ന പാൻപരാഗ്  
 മണത്താൽ കിറുങ്ങുന്ന കഞ്ചാവു ബീഡി  
 മയക്കാൻ കഴിവുള്ള മയക്കുമരുന്ന്  
 കുത്തിക്കൊറ്റാൻ കുത്തിവയ്പ്പെന്തം  
 വേഗം വായോ വാങ്ങീട്ട് പോകു  
 ഞങ്ങളുടെ കീശ നിറച്ചു തായോ  
 വെള്ളപ്പൊടിചേർത്ത രുചിയുള്ള അച്ചാറ്  
 ചില്ലു പൊടിയും വെള്ളപ്പൊടിയും  
 കൂട്ടിയിണക്കിയ ചുയിംഗവും  
 കൂട്ടികളേ നിങ്ങൾ.....  
 വേഗം വായോ വാങ്ങീട്ടുപോകു  
 ഞങ്ങളുടെ കീശ നിറച്ചു തായോ.



നിയ എം. ഷിബു  
X - A





# സർവംസഹ

പച്ചപ്പട്ടുടയാട പുതച്ചൊരു  
സ്നേഹസ്വരൂപിയാം അമ്മ  
എന്നെ സ്നേഹം പഠിപ്പിച്ച അമ്മേ  
നിനക്കെന്റെ ആയിരം സ്നേഹാദരങ്ങൾ  
ദാഹിച്ചപ്പോൾ എന്നെ പാലുട്ടി നീ  
വിശന്നപ്പോൾ എന്നെ അമൃതുട്ടി നീ

ഇന്നിതാ നിന്നുടെ മക്കളാം ഞങ്ങളോ  
നിന്നുടെ മാറു പിളർന്നീടുന്നു  
എല്ലാം സഹിച്ചു ക്ഷമിച്ചു നീ  
ത്യാഗത്തിൻ മുർത്തിയെപോലെ

നീ നിന്റെ രോദനം ഉള്ളിലൊതുക്കുന്നു  
പുകയുന്നോരഗ്നിപർവ്വതം പോലെ  
സർവ്വം സഹയായ നിന്നുടെ മുന്നിലായ്  
ഞങ്ങൾ കേഴുന്നു വണങ്ങീടുന്നു.

എന്നാൽ ഒരുദിനം പൊട്ടിത്തെറിക്കും നീ  
എല്ലാം നശിക്കുക തന്നെ ചെയ്യും  
ഇനി ഞങ്ങൾ ദ്രോഹിക്കയില്ല ഒരിക്കലും  
നീ മാത്രമാണെന്നിക്കാശ്രയമമ്മേ

നീ തന്ന സ്നേഹവും സൗഭാഗ്യവും  
ഇനി മറക്കില്ലൊരിക്കലും ഞങ്ങൾ  
അറിയാതെ ചെയ്തൊരപരാധമെല്ലാം  
ക്ഷമിച്ചു കൊള്ളേണമേ അമ്മേ



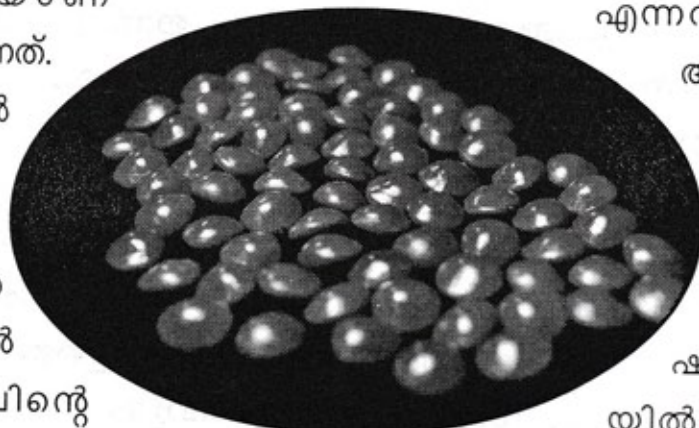
ശ്രീലേഖ  
X



# മഞ്ചാടിക്കുരു

ഇന്നും അമ്മ എന്നെ വഴക്കുപറഞ്ഞു. ഇനി അങ്ങോട്ട് പോയാൽ മേലിൽ കളിക്കാൻ വിടില്ലെന്നും പറഞ്ഞു. എന്തിനാണമ്മ അങ്ങനെ പറയുന്നത്. രേണുവിനെ എന്തുകൊണ്ടാണമ്മയ്ക്ക് ഇഷ്ടമല്ലാത്തത്? ആരതി ആലോചിക്കാൻ തുടങ്ങി. ഐരാപുരം സർക്കാർ സ്കൂളിലെ മൂന്നാം ക്ലാസ്സ് വിദ്യാർത്ഥിനിയായാണ് അവളുടെ ക്ലാസിൽ തന്നെയാണ് രേണുവും പഠിക്കുന്നത്.

രേണു പഠിക്കാൻ വിടുകയാണ്. എന്നാൽ പാഠപുസ്തകത്തിലെ സംശയങ്ങൾ ചോദിക്കാൻ പോലും രേണുവിന്റെ



പിട്ടിൽ പോകുന്നത് അമ്മയ്ക്കിഷ്ടമല്ല. ഒരു ദിവസം അവൾ ശക്തിയായി ചോദിച്ചു. ഈ അമ്മയെന്താണിങ്ങനെ, ഞാൻ രേണുവിന്റെ അടുത്ത് പോകുന്നതിലേന്താണ് തെറ്റ്? അന്നവൾക്ക് ഉത്തരം കിട്ടി. ആരതിയെ ചേർത്തു പിടിച്ച് ഒരുപദേശം എന്ന രീതിയിൽ അമ്മ പറഞ്ഞു. ആരു, അതെന്തെന്നാൽ നമ്മൾ നായമ്മാളല്ല, അവരോ പുലയരാ മോളേ..... അങ്ങോട്ട് പോകണ്ട. ഇത്രയും പറഞ്ഞ് അമ്മ അകത്തേക്ക് പോയി എന്നാൽ ആ

കുഞ്ഞുമനസ്സിന്റെ ഉള്ളിന്റെയുള്ളിൽ എവിടെയോ ആ വാചകങ്ങൾ ഉടക്കിക്കിടന്നു. പക്ഷേ കാര്യം കൃത്യമായി മനസ്സിലാക്കാൻ അവൾക്ക് സാധിച്ചില്ല. ജാതി വ്യത്യാസത്തെക്കുറിച്ച് ആ പിഞ്ചുകുഞ്ഞിന് എങ്ങനെ മനസ്സിലാകാനാണ്. പിറ്റേ ദിവസം സ്കൂളിൽ പോകുമ്പോൾ അധ്യാപികയോട് അമ്മ പറഞ്ഞതിന്റെ പൊരുൾ ചോദിക്കാൻ

എന്നവൾ മനസ്സിലുറപ്പിച്ചു. ആദ്യ ഒരു മണിക്കൂർ മലയാളം ക്ലാസ്സായിരുന്നു. തന്റെ ക്ലാസ് ടീച്ചറെ തന്നെ അടുത്തു കിട്ടിയതിൽ അവൾ സന്തോഷിച്ചു. ക്ലാസിന്റെ ഇടയിൽ അവൾ എഴുന്നേറ്റു

നിന്ന് ചോദിച്ചു എന്താണ് ടീച്ചർ ഈ നായന്മാരും പുലയന്മാരും കുഞ്ഞുനാവുകളിൽനിന്ന് അപ്രതീക്ഷിതമായി ഈ ചോദ്യം ഉണർന്നപ്പോൾ ലക്ഷ്മി ടീച്ചർ അത്ഭുതപ്പെട്ടു. ആരതിയെ തന്റെ അടുത്തേക്ക് വിളിച്ച് അവൾ ചോദിച്ചു ആരാണീ മോളേ നിന്നോടീതിനെക്കുറിച്ച് പറഞ്ഞത്? ഒട്ടും മടിക്കാതെ തന്നെ നിഷ്കളങ്കമായ ആ കുഞ്ഞുമനസ്സ് അധ്യാപികയോടൊല്ലാം പറഞ്ഞു. ഒടുക്കം രേണുവിന്റെ കൂടെ തന്നെ കളി

ക്കാൻ വിടാത്തതിലുള്ള ദുഃഖവും പ്രകടിപ്പിച്ചു. ലക്ഷ്മി ടീച്ചർ ഒരു നിമിഷം മിണ്ടാതെ നിന്നു. പിന്നീട് അവളോട് സമൂഹത്തിൽ നടന്നുകൊണ്ടിരിക്കുന്ന ജാതിമത ഭിന്നതകളെക്കുറിച്ചെല്ലാം പറഞ്ഞുകൊടുത്തു. അന്ന് വൈകിട്ട് വീട്ടിലേക്ക് പോരുമ്പോൾ അവൾ ഒന്നുറപ്പിച്ചു. താൻ ഒരിക്കലും ഈ വ്യത്യാസം പുലർത്തില്ലെന്ന്. രേണുവിന്റെ കൂടെ കളിക്കുമെന്ന് ഒരേപാത്രത്തിൽ ഉണ്ണുമെന്ന്. പക്ഷേ എങ്ങനെ അമ്മ അറിഞ്ഞാൽ തല്ലും. അമ്മ കാണാതെ വേണം ഇനിയുള്ള നീക്കങ്ങൾ അവൾ ഉറപ്പിച്ചു. പിറ്റേന്ന് ഞായറാഴ്ചയായിരുന്നു. ഉറക്കമുണർന്ന അവൾ ആദ്യം ആലോചിച്ചത് ഇന്നെങ്ങനെ രേണുവിന്റെ അടുത്തെത്താം എന്നായിരുന്നു. ഒടുക്കം അവൾ തീരുമാനിച്ചു. ഉച്ചയ്ക്ക് അമ്മ ഉറങ്ങാൻ പോയി. ആ തക്കത്തിനവൾ രേണുവിന്റെ വീട്ടിലെത്തി. ഓലകൊണ്ട് നെയ്ത ഒരു കൊച്ചു വീടായിരുന്നു അത്. നിലത്ത് ചാണകം തുകിയിരുന്നു. എന്തു സ്നേഹമാണ് രേണുവിന്റെ അമ്മയ്ക്ക്. തന്നെ രേണുവിനെപ്പോലെയാണ് കാണുന്നത്. എന്തുകൊണ്ടാണ് തന്റെ അമ്മ മാത്രം ഇങ്ങനെ അവൾ ചിന്തിച്ചു. സ്വപ്നത്തിൽ ഇരിക്കുന്ന അവളെ തലോടിക്കൊണ്ട് രേണു ചോദിച്ചു. ഇന്നെവിടെ കളിക്കാൻ പോകും. ആരു? . ചോദ്യം കേട്ടതോടെ അവൾ ചാടിയെഴുന്നേറ്റു, മഞ്ചാടിക്കാട്ടിൽ അവൾ പറഞ്ഞു കണ്ണടച്ചു തുറക്കുന്നതിനു മുൻപ് അവർ കാട്ടിലെത്തി മഞ്ചാടി പറക്കാൻ തുടങ്ങി. അപ്പുപ്പൻ താടികൾ പറ

പ്പിക്കാൻ തുടങ്ങി. മുൻപ് പലപ്പോഴും ആരതി-ആ കാട്ടിൽ വന്നിട്ടുണ്ട്. എന്നാൽ അപ്പോഴെങ്ങും തോന്നാത്ത ഒരു നുളയാൽ അവൾക്ക് അപ്പോൾ ഉണ്ടായി. തന്റെ പ്രിയസുഹൃത്ത് ഒപ്പമുള്ളതുകൊണ്ടാവുമായിരിക്കാം അവൾ ഓർത്തു. പെട്ടെന്നാണവൾ തെട്ടെഴുന്നേറ്റത് അമ്മ എഴുന്നേൽക്കാൻ നേരമായി. അവർ വീട്ടിലേക്ക് മടങ്ങി. വീട്ടിലെത്തിയ അവൾ അമ്മ കാണാതെ അകത്തുകയറി തന്റെ കട്ടിലിൽ കിടന്ന്, കയ്യിലുള്ള മഞ്ചാടിക്കുരുകൾ എന്ന് ചെയ്യണമെന്നാലോചിച്ചു. അതവൾ മനോഹരമായ ഒരു ചെപ്പിൽ സൂക്ഷിച്ചു വച്ചു. കാലങ്ങൾ പിന്നിട്ടു. ഇന്ന് രേണു ഡോക്ടറാണ് പട്ടണത്തിൽ. ആരതി അറിയപ്പെടുന്ന ഒരു പത്രാധിപയും. തന്റെ പത്രങ്ങളിൽ പല തവണയവൾ മത വിവേചനത്തിനെതിരെ എഴുതി ആ രചനയ്ക്ക് അവൾക്ക് ഓവാർഡും ലഭിച്ചു. ആ വേദിയിൽ വെച്ചുവന്ന് പറഞ്ഞു ഇതെന്റെ മിത്രത്തിനുള്ളത്. ആ സൗഹൃദം ഇന്നും നിലനിൽക്കുന്നു. അന്ന് കുട്ടിവച്ച മഞ്ചാടിക്കുരുകൾ എടുത്തുനോക്കി അവൾ തന്റെ പ്രിയപ്പെട്ട രേണുവിനൊരു സമ്മാനം നൽകി... അതൊരു പുസ്തകമായിരുന്നു. മഞ്ചാടിക്കുന്ന്



ആബിദ. എം.ആർ. IX - D



# താളം തെറ്റിയ കാലം

പ്രകൃതിക്ക് കിറുകൃത്യമായ ഒരു താളം കമമുണ്ടായിരുന്നു. കർക്കടകത്തിൽ ഇടച്ചുറിയാതെ പെയ്യുന്ന മഴ. ചിങ്ങമെത്തുമ്പോഴേക്കും മഴ മാറി പൊൻവെയിലിൽ തിളങ്ങുന്ന നാനാവർണ്ണത്തിലുള്ള പൂക്കൾ. ഞെടുമാസത്തെ ഇടവേളയ്ക്കും ശേഷം ഇടിമിന്നലോടെയെത്തുന്ന തുലാവർഷം. മഞ്ഞും കുളിരുമായി ധനുവും മകരവും. തൂകിത്തിളയ്ക്കുന്ന മീനം. മറ്റു ചെടികൾ പൂക്കാൻ മടിക്കുമ്പോൾ ഇലകൾ ഒന്നു പോലും അവശേഷിപ്പിക്കാതെ കണിക്കുന്നപ്പൂക്കൾ, നിൽക്കുന്ന മേടം. വെയിലിൽ തളർന്ന ചെടികൾക്കും ജീവജാലങ്ങൾക്കും സാന്ത്വനമേകിക്കൊണ്ട് മീനച്ചുടിന് ആശ്വാസമേകാനായി വേനൽമഴയെത്തുന്ന കുന്ദമാസം. വർഷങ്ങളോളം നാശിച്ചിരുന്ന പ്രകൃതിയുടെ കലണ്ടറാണിത്. ഇന്ന് പ്രകൃതി തകരാറിലായ ഒരു

നാഴികമണിപോലെയാണ്. സമയം തെറ്റുന്നു. താളം തെറ്റുന്നു. പ്രകൃതിയുടെ ഈ താളം തെറ്റിപ്പിന് പല കാരണങ്ങൾ പറയാനുള്ളതാകാം. കുറ്റവാളികളെ ചൂണ്ടിക്കാണിക്കുമ്പോൾ വിരലുകളെല്ലാം ഒരു ദിശയിലേക്ക് നീളും. അതു മനുഷ്യനിലേക്കാണ്. പ്രകൃതിയെ തന്റെ ആവശ്യങ്ങൾക്കു വേണ്ടി മാത്രം ഉപയോഗിക്കാൻ ശ്രമിച്ച ജീവിയാണ് മനുഷ്യൻ. മനുഷ്യന്റെ പ്രവൃത്തികളുടെ ഫലമായി പ്രകൃതിയുടെ താളം തന്നെ തെറ്റി. ഒരു കാലത്ത് ശാസ്ത്രജ്ഞന്മാരുടെ ചർച്ചകളിൽ മാത്രം സ്ഥാനമുണ്ടായിരുന്നു. ആഗോളതാപനം എന്ന വിപത്തിന്റെ ദോഷഫലങ്ങൾ മനുഷ്യൻ അനുഭവിച്ചുതുടങ്ങി. ആഗോളതാപനം ഭൂമിയെ സർവനാശത്തിലേക്കു നയിച്ചാൽപോലും അദ്ഭുതപ്പെടേണ്ടതില്ല എന്നാണ് ശാസ്ത്രജ്ഞന്മാർ പറയുന്നത്. പർവ്വതങ്ങളിലേക്കും ധ്രുവ പ്രദേശ



ശങ്ങളിലേക്കും മഞ്ഞ് ഉരുകിക്കൊണ്ടിരുന്നൂ. സമുദ്രത്തിലെ ജലനിരപ്പ് ഉയർന്നുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു. സൂര്യന്റെ അപകടകരമായ രശ്മികളിൽ നിന്ന് ഭൂമിയെ രക്ഷിക്കുന്ന ഓസോൺ പാളിയിൽ വിള്ളലുകൾ ഉണ്ടാകുന്നു.

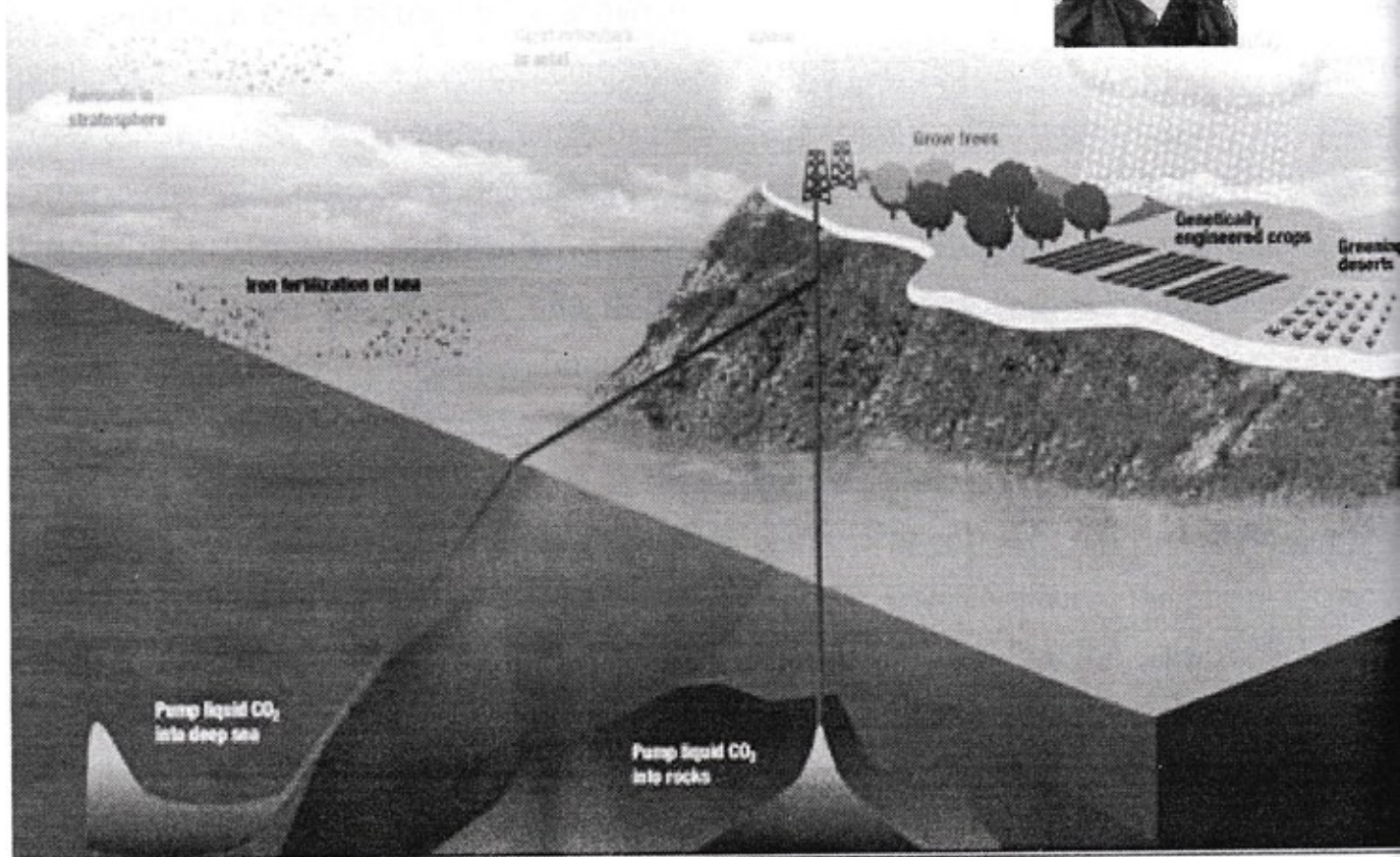
പരിസ്ഥിതിയെ തകരാറിലാക്കിയ മനുഷ്യൻ തന്നെയാണ് ദുരിതം കൂടുതൽ അനുഭവിക്കേണ്ടി വരുന്നത് പരിസ്ഥിതിക്കു പ്രശ്നമുണ്ടാക്കുമ്പോൾ പക്ഷികളിൽ ചില തിനെങ്കിലും ദേശാടനംപോലുള്ള രക്ഷാ മാർഗ്ഗങ്ങളുണ്ട്. ശൈത്യം സഹിക്കാൻ കഴിയാതാകുമ്പോൾ ഹിമക്കരയിൽ മാസങ്ങളോളം നീളുന്ന ഉറക്കം രക്ഷയ്ക്കെത്തും.

എന്നാൽ സാമൂഹികവും ശാരീരികവുമായ ഒട്ടേറെ തടസ്സങ്ങൾ ഇക്കാര്യത്തിൽ മനുഷ്യനുണ്ട്.

രണ്ടുനൂറ്റാണ്ടു മുമ്പ് ഒരു ജീവിയേയോ ഒരു ചെടിയേയോ കണ്ടെത്തുമ്പോൾ അതു വാർത്തയായിരുന്നു. ഇന്നത്തെ വാർത്തയുടെ രീതി മാറി. അനേക ദശകങ്ങളായി എന്നെന്നേക്കുമായി നഷ്ടപ്പെട്ടുപോയവയോ കണ്ടെത്തിയവയോ ഒരു ഇളം ചെടിയേയോ കാണുമ്പോൾ ശാസ്ത്ര വിനയത്തോടെ അത്ഭുതം കാത്തു സൂക്ഷിച്ചതിന് പ്രകൃതിക്ക് നന്ദി പറയും.



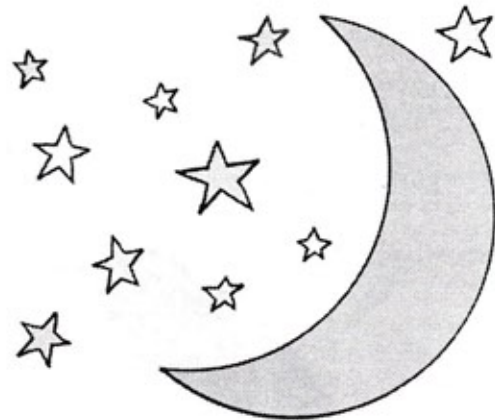
നന്ദനമി... IX -





# അതു ഞാനായിരുന്നെങ്കിൽ ...

പത്രങ്ങൾ പൊഴിയും ശിശിരവും  
പാതിരയിൽ കൺതുറക്കും  
പാൽ നിലാവു, താരങ്ങളുമത്  
ഞാനായിരുന്നെങ്കിൽ .....



ഇരവിൽ പാടും രാപ്പാടിയും  
നീരിനായി കേഴും വേഴാമ്പലും  
ഞെട്ടറ്റു വീഴുമാ മാമ്പഴവുമത്  
ഞാനായിരുന്നെങ്കിൽ.....

നോക്കിച്ചിരിക്കുമാ മഴവില്ലും  
നാണിച്ചുനിൽക്കുന്ന ചന്ദ്രനും  
അനന്തമാം സാഗരങ്ങളും  
ഞാനായിരുന്നെങ്കിൽ.....



പുള്ളുവൻ പാടുമാ പുളോർക്കുടവും  
പാരിൽ വിരിയുന്ന പുഷ്പങ്ങളും  
വാകകൾ പൂക്കുമാ ഗ്രീഷ്മവും  
ഞാനായിരുന്നെങ്കിൽ.....



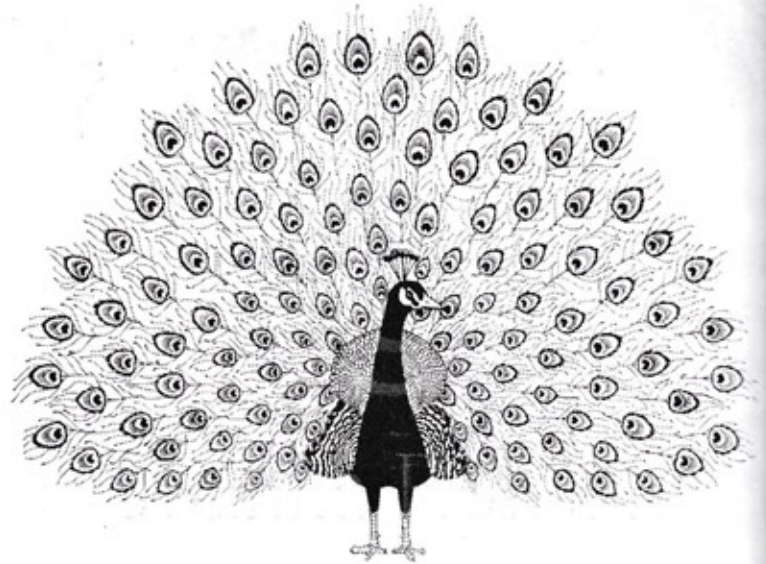
മാടിവിളിക്കുന്നതെന്നലും  
മേടത്തിൽ പൂക്കുന്ന കൊന്നയും  
ഒന്നു വിതുമ്പി ഞാനോർത്തു  
അതു ഞാനായിരുന്നെങ്കിൽ.....



Indraja Rajan  
IX B

# ചങ്ങാതി

മയിലേ മയിലേ ആടുമോ നീ?  
ആടിയാൽ നിനക്കൊരു സമ്മാനം  
കാട്ടുമയിലേ പോകരുതേ  
ആട്ടുമാടാൻ വരുകില്ലേ?  
നീയിന്നെന്റെ ചങ്ങാതി



കുയിലേ കുയിലേ പാടുമോ നീ  
പാടിയാൽ നിനക്കൊരു സമ്മാനം  
കാട്ടുകുയിലേ പോകരുതേ  
പാട്ടുപാടാൻ വരുകില്ലേ?  
നീ ഇന്നെന്റെ ചങ്ങാതി

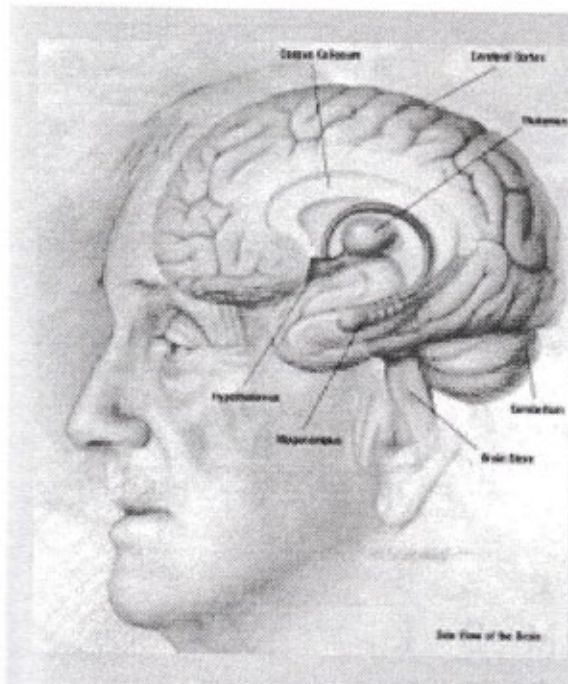


# പൂമ്പാറ്റ

പറന്നു വന്നൊരു പൂമ്പാറ്റ  
തേൻ കുടിക്കും പൂമ്പാറ്റ  
പൂവിനരികിൽ പൊയ്ക്കൂടെ  
പൂവിനരികിൽ ചെന്നാലോ  
പൂമ്പാറ്റയ്ക്ക് തേൻകിട്ടും.



ശ്രീരാഗ് സജീവ്  
U.K.G. -B

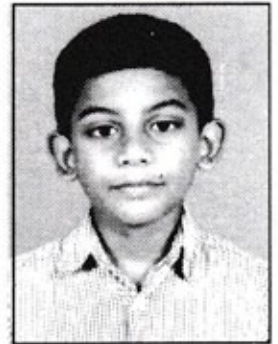


Fazil Ales  
IX D

# BRAIN FACTS

- 1) THE BRAIN KEEPS DEVELOPING UNTIL WE REACH 40'S.
- 2) NEW BRAIN CONNECTIONS ARE CREATED EVERY TIME WHEN WE FORM A MEMORY.
- 3) WHEN AWAKE HUMAN BRAIN PRODUCES ENOUGH ENERGY TO POWER A SMALL LIGHT BULB.
- 4) 60% OF BRAIN IS FAT.
- 5) DIETING WILL FORCE YOUR BRAIN TO EAT ITSELF.
- 6) THE PATHOLOGIST WHO MADE EINSTEIN'S BODY AUTOPSY STOLE HIS BRAIN AND KEPT IT IN A JAR FOR 20 YEARS.
- 7) THERE IS A BRAIN BANK IN HARVARD; MORE THAN 7000 BRAINS ARE STORED THERE.
- 8) ALBERT EINSTEIN'S BRAIN IS 35% WIDER IN THE REGION THAT IS RESPONSIBLE FOR MATHS AND SPATIAL PERCEPTION.
- 9) MINIATURE PEA SIZED HUMAN BRAIN HAS BEEN GROWN IN LABORATORY FROM STEM CELLS.
- 10) BRAIN USES 20% OF OXYGEN AND BLOOD IN THE BODY.
- 11) LACK OF OXYGEN IN THE BRAIN FOR 5 TO 10 SECONDS WILL CAUSE BRAIN DAMAGE.

# CROSS WORD



Vivek Hari  
IV - B

*Complete The Puzzle With The Clue....*

|   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| P | U | P | P | Y | N | P | F | E | B |
| E | X | Y | H | G | C | Q | M | D | L |
| A | L | B | A | T | R | O | S | S | U |
| C | N | R | I | O | I | S | U | B | E |
| O | B | A | R | K | I | W | I | I | W |
| C | G | I | B | N | G | D | S | O | H |
| K | A | N | G | A | R | O | O | L | A |
| X | E | D | M | J | K | V | T | O | L |
| R | B | Z | E | M | G | E | U | G | E |
| F | C | Q | O | T | S | Z | W | Y | K |

**Across**

- The young one of a dog
- The bird has the largest wing span
- The bird found only in Newzealand
- The animal found in Australia

**Answer**

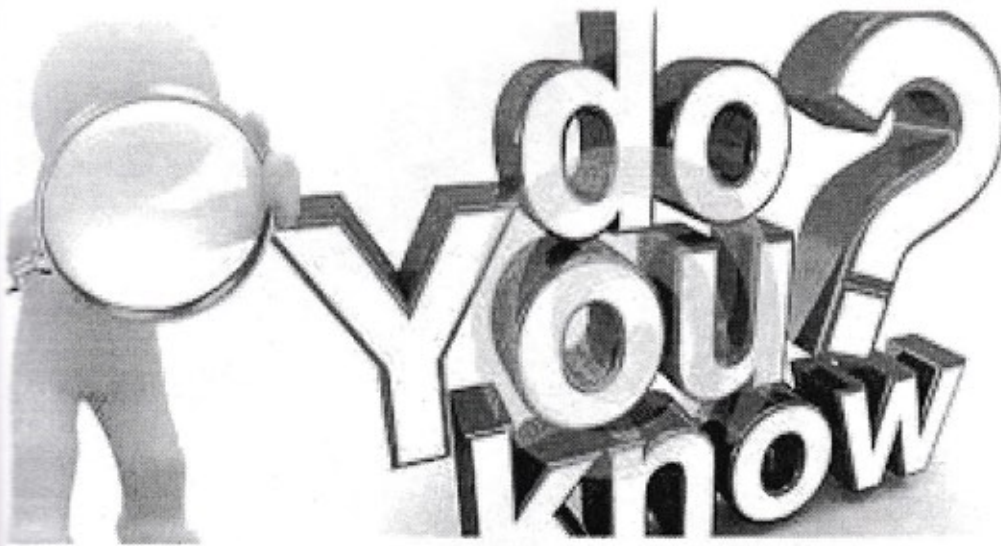
- Puppy
- Albatross
- Kiwi
- Kangaroo

**Down**

- This bird has beautiful feathers
- It helps us to think
- The scientific study of plants and animals
- The largest animal in the world
- The bird that considered as the symbol of love and peace

**Answer**

- Peacock
- Brain
- Biology
- Blue Whale
- Dove

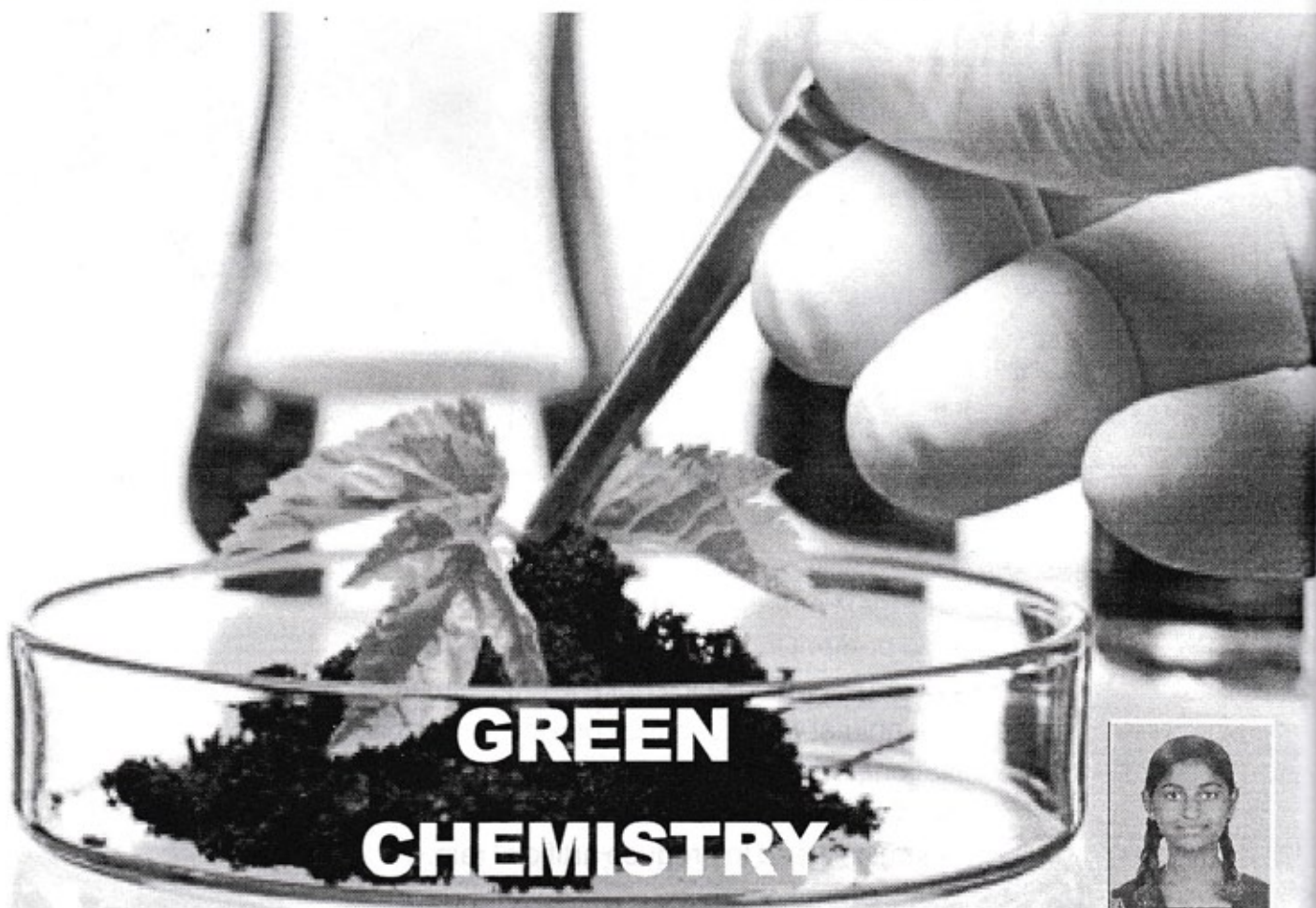


Anagha Shaji  
VIII.A

1. Strongest metal in the world.
2. Acid present in soil.
3. The organ which help snake to catch smell.
4. The animal which produce pink coloured milk.
5. National water animal of India.
6. The fish with heart on head.
7. Chemical used to produce artificial rain.
8. Study of snakes.
9. P<sup>H</sup> value of blood.
10. Laughing gas

**ANSWERS**

1. Tungsten
2. Humic acid
3. Jacobson's organ
4. Yak
5. Ganga Dolphin
6. Prawn
7. Silver iodide
8. Ophiology
9. 7.35
10. Nitrous Oxide



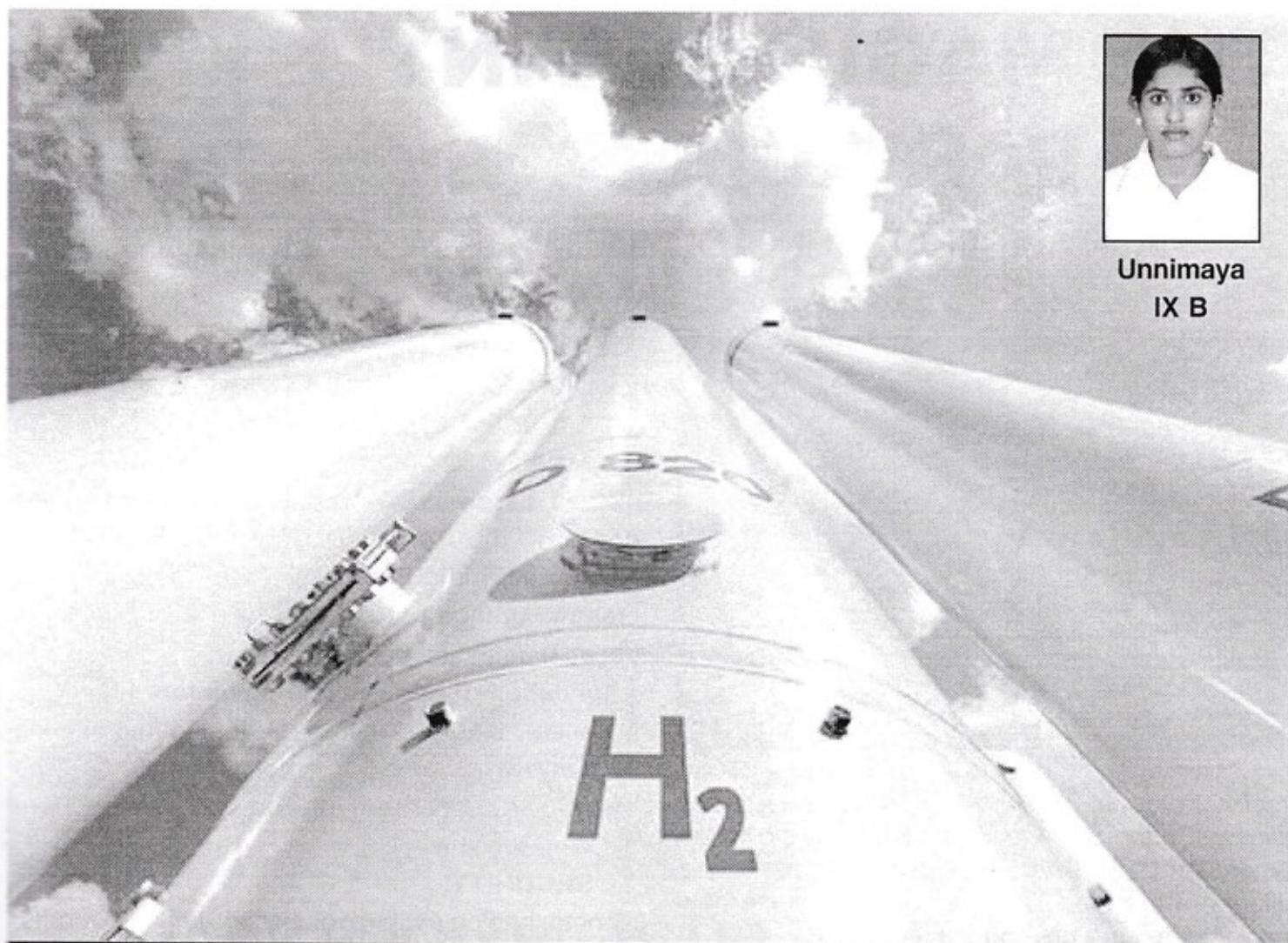
**Sreelakshmi Aneesh  
IX B**

Green Chemistry is the study and philosophy of designing a process that produce products that are not harmful to the environment. The aim of green chemistry is to reduce pollution, as well as to attempt to reverse the damages already created. The need for green chemistry arose as a result of increasing industrialization and environmentally dangerous forms of progress.

Huge chemical process routinely produce significant amounts of waste that ultimately contaminate air, soil and water and pose grave threats to eco-system. Instead of using hazardous chemicals, a green chemist would develop safe processes and chemicals which don't use, or create those hazardous materials. The benefits of green chemistry include more efficient use of available resources, reduces the use and production of hazardous chemicals, more economical waste treatment and disposal. The research in this field aims a greener planet for future generations.



Unnimaya  
IX B



## “HYDROGEN” THE FUEL OF FUTURE

Hydrogen fuel is a zero-emission fuel. Hydrogen is the first element in the periodic table, making it the lightest element on the earth. Since hydrogen gas is so light, it rises in the atmosphere and is therefore rarely found in its pure form,  $H_2$ .

Because pure hydrogen does not occur naturally, it takes a substantial amount of energy to manufacture it. There are different ways to manufacture it, such as electrolysis and steam-methane reforming process. In electrolysis, electricity is run through water to separate the

hydrogen and oxygen atoms. Steam methane reforming process extracts the hydrogen from methane.

It is used as fuel in the propulsion of spacecraft and can potentially be mass-produced and commercialized for passenger vehicles, air-craft, portable fuel cells applications or stationary fuel cell applications. If we are able to produce hydrogen economically it will solve the fuel problems in future.

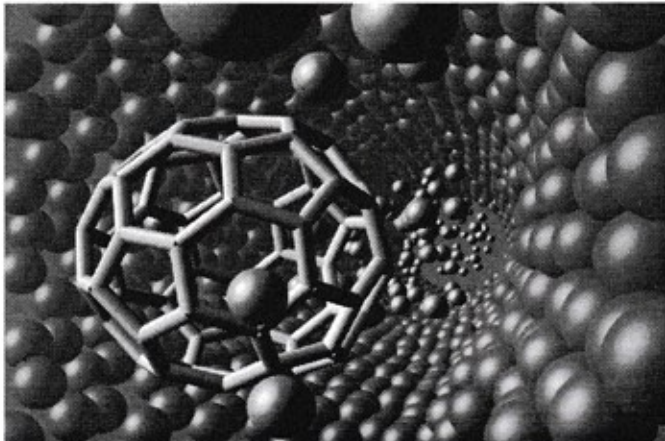


# THE MAGIC OF TINY PARTICLES

(NANOTECHNOLOGY)



Shahid Mohammed  
IX.D



Generally, Nano means very small. The 'Nano' derived from the Greek word "Dwarf" means one billionth. So the measurement at this level is called Nanometer ( $10^{-9}$ ). Therefore one nanometer is one billionth of a meter. That we cannot imagine how small that is, here are some example:

- Limit of eye's ability to see is 10,000nm ( $10^{-3}$ cm).
- Width of a DNA is 2nm ( $2 \times 10^{-9}$ m).
- One Hydrogen atom is only  $10^{-10}$ m (0.1nm).

Nanotechnology is difficult to determine and define. So in general, we can say that Nanotechnology is science, engineering and technology conducted at the nano scale, which is about 1 to 100 nanometer. It creates and uses structures that have novel properties because of their small size. Nanotechnology builds on the ability to manipulate at the atomic scale. For a concrete example, it is true that a gold nanoparticle has a colour, melting point and chemical properties different from that of a macro-scale gold brick. It is because the interactions of the gold atoms in the larger gold brick average out and changes the overall properties and appearance of the object. A single gold nanoparticle can be its own characteristics peculiarity of structure

and free from the averaging effects of countless other gold atoms.

Chemists will tell that they've been doing nanoscience for many years. For example, the stained glass windows found in medieval churches contain different size-gold nanoparticles incorporated into the glass. These gold particles creating orange, purple, red or greenish colours because of their small size.

### Application of Nanotechnology in our life:

Nanotechnology will increase our standard of living by many ways. Some of the sectors that are modified by the advancement of Nanotechnology are discussed below.

#### SECURITY:

Nanotechnology will revolutionize tanks, aircrafts, spaceships, skyscrapers, bridges and body armor with superior and lightweight materials and provides unprecedented protection. Quantum cryptography and Quantum computers will come into existence by Nanotechnology,

#### HEALTH CARE:

Hospitals are benefited greatly from Nanotechnology with faster, cheaper diagnostic equipment. Nanotechnology will improve the novel drugs like Nano shells, Nano drugs, Nano medicines etc.

#### RESOURCES:

By the advancement of Nanotechnology cars will have lighter and stronger engine blocks and frames and will use new additives making fuel more efficient. Hydrogen fuel cells will get a boost from nano materials and nanocomposites. By nanotechnology; the water can be desalinated from oceans and provides enough water for all purposes.



## ROADS FROM PLASTIC WASTE

Sreelakshmi V.A  
VII A

The plastic could be used in road construction and the field tests. It withstood the test and proved that plastic wastes used after proper processing as an additive would enhance the life of the roads. And also solve environmental problems.

Use of this non-biodegradable (according to recent studies plastic can stay unchanged for as long as 4500 years on earth) product is growing rapidly and the problem is what to do with the plastics. Studies have linked that improper disposal of this can cause breast cancer, reproductive problems in humans and animals and genetical abnormalities.

Plastic roads are mainly made up of carry bags, disposable glass & PET bottles that are collected from garbage dumps. When mixed with bitumen plastics melt to form an oily coat over the aggregate and the mixture is laid on the surface like a normal tar road.

The use of innovative technology not only strengthened the road construction, but also increased the road life as well as will help to improve the environment and also creating a source of income. It is hoped that in near future we will have strong durable and eco-friendly roads which will relieve earth from plastic waste.



Niya M Shibu  
X.A

| EMBLEM           | COUNTRY     |
|------------------|-------------|
| 1 Kangaroo       | Australia   |
| 2 Water lily     | Bangladesh  |
| 3 White lily     | Canada      |
| 4 Beach          | Denmark     |
| 5 Lilly          | France      |
| 6 Corn Flower    | Germany     |
| 7 Lioned Capital | India       |
| 8 Lotus          | India       |
| 9 Rose           | Iran        |
| 10 Shamrock      | Ireland     |
| 11 White lily    | Italy       |
| 12 Kiwi          | New Zealand |
| 13 Crescent      | Pakistan    |
| 14 Eagle         | Spain       |
| 15 Lion          | Srilanka    |
| 16 Golden Rod    | U.S.A       |

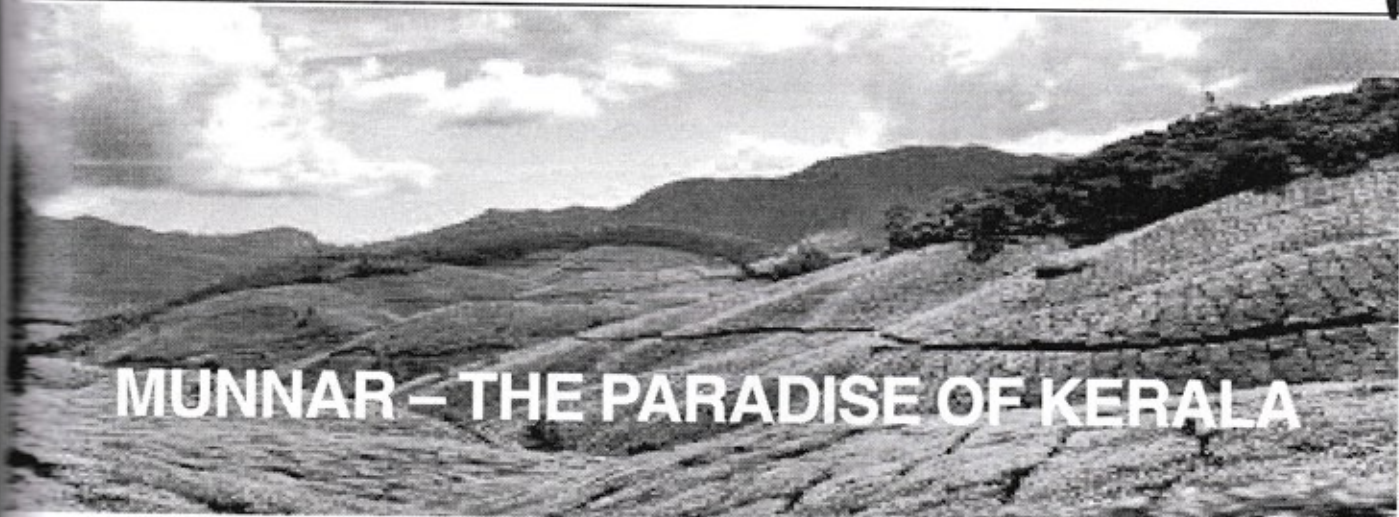


# EARTH RECORDS

|                                |   |                |
|--------------------------------|---|----------------|
| The coldest place on earth     | : | Antartica      |
| The deepest ocean              | : | PacificOcean   |
| The world largest forest       | : | Amazon         |
| The largest lava lake          | : | Congo          |
| The largest cave on earth      | : | Sarawak        |
| The largest active volcano     | : | Maunaloa       |
| The youngest volcano           | : | Kilauea        |
| The wettest desert             | : | Sonara         |
| <i>The largest sand Island</i> | : | <i>Frazier</i> |



Parvathy .C  
V.A



## MUNNAR – THE PARADISE OF KERALA

Munnar is one of the most beautiful hill stations in Kerala. It is situated in Idukki district, which is 1600 meter above sea level. It is in the Western Ghats. The three mountain streams – Muthirapuzha, Nallathani and Kundala which gave the name "Munnar" to the place.

We can see lot of tea estates there. "Neelakurunji" the plant which flowers once in twelve years are seen in Munnar. South India's highest peak Anamudy (2695 meter) is situated here. Munnar is famous for Neelagiri Tahr, Eravikulm National Park,

Anamudy Park, Mattupetty, Pallivasal, Chinnakanal, Top station and Tea museum are some of the interesting tourist places.



Aiswarya. P  
V.A.

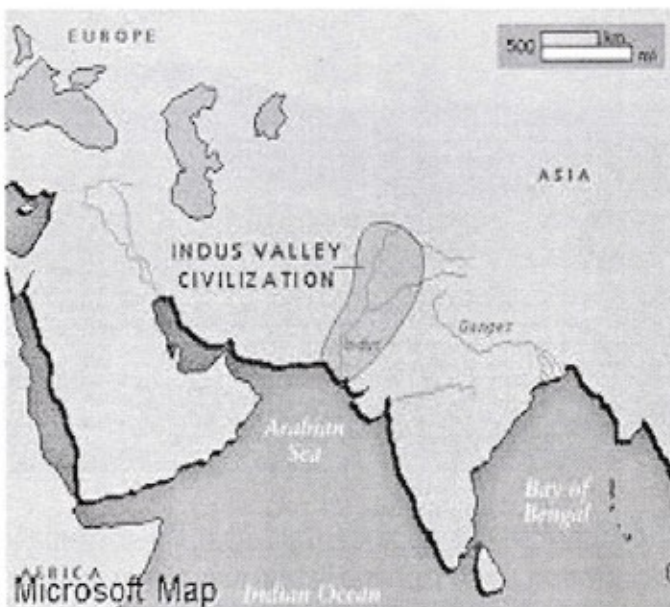
# FAMOUS CIVILIZATIONS



Thomas Chack  
VIII.A

The historians estimate the civilization on the banks of the Nile River to be about 5000 years old. Egypt is known as the gift of Nile. Nile is the longest river in the world. The Egyptians gifted to the world a script called the 'Hieroglyphics'. This script was written and recorded on the leaves of papyrus plant. They constructed a calendar which helps them to predict the onset of floods. The city of Cairo came up as a part of Egyptian civilization.

## Indus Valley Civilization



This is a very ancient civilization that spread across an area of about 5 lakh square kilometers along the banks of the river Indus and its tributaries Thelum, Chenab, Ravi, Beas and Sutlej. This civilization extended over parts of the present day India and Pakistan.



## Chinese Civilization

The Chinese civilization is a world famous agrarian civilization, which flourished on the banks of Hwang.Ho River, also known as yellow river. it flows through eastern plains of china. Distressed by the floods on the river, the Chinese even called it "China's sorrow". But they succeeded in harnessing the river with much effort. Even today the river continues to be the lifeline of Chinese agriculture.



## FOREST AND PROTECTION



Sudev T. VII A

The word "forest" comes from Middle English forest. The term forest was first introduced in English as the word for 'Wild Land'.

A forest, also referred to as a wood or the woods, in an area with a high density of trees. A forest is usually an area filled with trees but any tall densely packed area of vegetation may be considered as a forest.

They function as habitats for organisms, hydrologic flow modulators, and soil conservers. A typical tree forest is composed of the overstory (canopy or upper tree layer) and the understory. The understory is further subdivided into the shrub layer, herb layer, and also the moss layer and soil microbes.

Deforestation, clearance or clearing is the removal of a forest or stand of trees where the land is thereafter converted to a non-forest use.

Nature, Conservation International, African Conservation Foundation and Greenpeace also focus on preserving forest habitats. Reforestation and afforestation are increasing the area of

forested lands. The amount of woodland has increased in 22 of the world's 50 most forested nations.

Kasturirangan report on Western Ghats has made several pro-farmer recommendations, including the exclusion of inhabited regions and plantations from the purview of ecologically sensitive areas (ESAs). Dr Oommen V Oommen, chairman of Kerala's Biodiversity Board, was asked to study the Madhav Gadgil and Kasturirangan reports on Western Ghats in the wake of widespread protest from the public. Kerala (Vesting and Management of Ecologically Fragile) Land Act 2003 has lost relevance and hence should be expunged in a manner that curbed the vesting of private land. It also said quarrying in forest areas should be banned immediately.

Protection of forest is our moral duty and all of us should swear that we won't cut the trees and will try to grow trees as much as we can. We as a student take it as our duty to protect the forest.

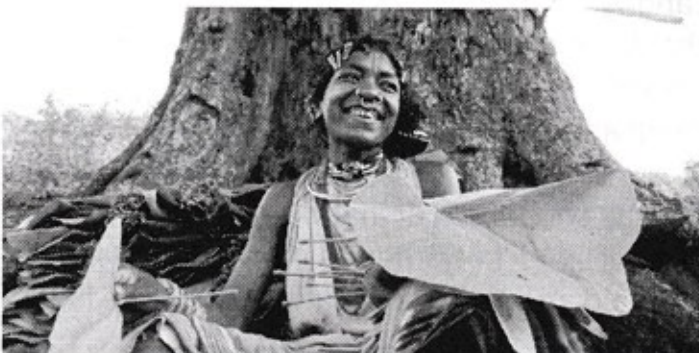


Akshay.M.S  
V.I.B.

## TRIBALS IN KERALA

Tribals in Kerala are the indigenous population who live in geographically isolated hills and mountains. According to the 2001 census of India, the scheduled tribe population in Kerala is 3,64,189. Wayanad has the highest number of tribals (136062). Idukki (50973) and Palakkad (39665) districts are next two that make the live portion of the native tribal people groups in the state. The Paniya are the largest of the 35 major tribals. Chola Naikans, Kurumbas, Kattu Naikans, Kadars and Koragas are five primitive tribal groups in Kerala. Tribals in Kerala are living on the hill ranges, mainly on the Western Ghats bordering Karnataka and Tamilnadu. The tribals on Kerala are listed here. Adiyan, Alar, Malayan, Kurumbas, Eravallen, Kanikkas,

### The Kurumbas



Their main occupations are wood cutting, the collection of forest produce, and produce the bamboo baskets and materials. Kurumbas must be regarded as very old inhabitants of the Nilgiri hills. The origin of the different Kurumbas groups are still mystery and debatable.

### The Malayan

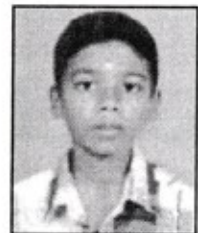


They are scheduled tribals who live in Idukki district of Kerala. Their name derives from the Tamil word for mountain. Malayan tribals have adapted to various jobs like bamboo carving, fishing, gathering the products from the dense forest area etc.



# NUMISMATICS

Numismatics is the study of coins. It is also called Numismatology. This branch of study is concerned with the collection and scientific study of coins, medals and paper currency. Through Numismatics we can learn the economic condition,, commerce, history, language, culture, science, mathematics etc of the country.



**Sooraj.P.Soman**  
**VII.A.**

The points related to coin collection are:

The shapes of various coins.

Their weight.

The metals with which they are made.

The important, seals or writings.

Their value.

Their historic background.



# INDIAN CULTURE – A REVIEW



Jyothsna Nair  
VIII.A.



Indian culture is one of the oldest one in the world itself. "Aadi Bhaaratha Samskara"- is wellknown. Sankaracharya Gurunanak, Kalidasa,, Tulasidas, Kabirdas, Tagore etc includes the series of the main exponents of Indian culture in ancient time.

What are the peculiarities of Indian culture? We can't answer it in just one or two sentences. Indian culture has its own features. The capacities of Indians for mingling with the culture of other nations and to extract the good qualities from them are remarkable. Unity in Diversity is the landmark of this nation. The people from Kashmir to Kanyakumari look like flowers in a garland, even if there have differences in their religion, languages, customs, dressing and food. They might have different political thoughts, but in the case of a national integration,

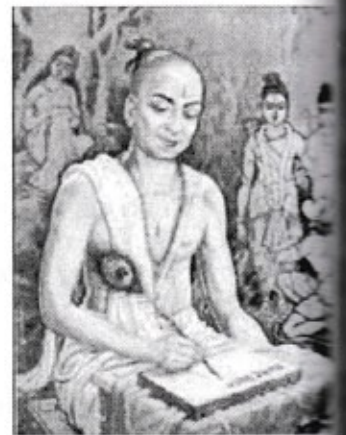


they unite behind its national flag, because of their unity towards Indian culture.

That is why; we ourselves could live as Indians, though there had many foreign invasions. Religious tolerance is yet another important feature of

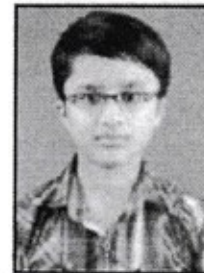
Indian culture. If we go through history, we can experience it. India always welcomed Christian missionaries and other religious leaders to this land and extended all possible helps to construct their churches and to propagate their holy book. Because of this tolerance, their lives about 3500 castes and sub-castes in India following their own tradition. The concept of 'Vasudeva Kudumbakam' is memorable.

In modern days, there find some changes in human relations, dressing and food of the Indians. But these changes have the limits of the culture of this country. These changes are not the change in culture but in fashion only. There is difference in culture and civilization.





# RAIN WATER – THE ELIXIR OF LIFE



Fuhadh Saneen  
IX.D.

The next "WORLDWAR" will be for water, is there really a water crisis? Did you know that today 1 billion people lack access to save water? 2 out of 3 people will be living with water shortage by 2015. Half of the world's wetlands have been lost since 1900.

## The present situation was.....

- ❖ Ground water is the major source of water in our country with 85% of the population dependent.
  - ❖ Ground water table decline 33cm per year.
  - ❖ Fresh water availability-1869BCM. Of this 40% is not available.
  - ❖ Indian government is too focused on economic growth, instead of facilitating in human basic needs.
  - ❖ Poor water management system.
  - ❖ Bio fuel threatens India's water supply.
  - ❖ Package water industries are encouraged.
- Challenges we are facing today:

## Climate change:-

- ❖ 2020 India will become a water stressed nation
- ❖ 66 million Indians in 20 states are at risk due to excess fluoride.
- ❖ 10 million due to excess arsenic in underground water.
- ❖ Out of these 6.3lakhs rural schools only 44% have water supply facilities.
- ❖ Half of all Indian children are under nourished & half of all adult women suffer from anemia.

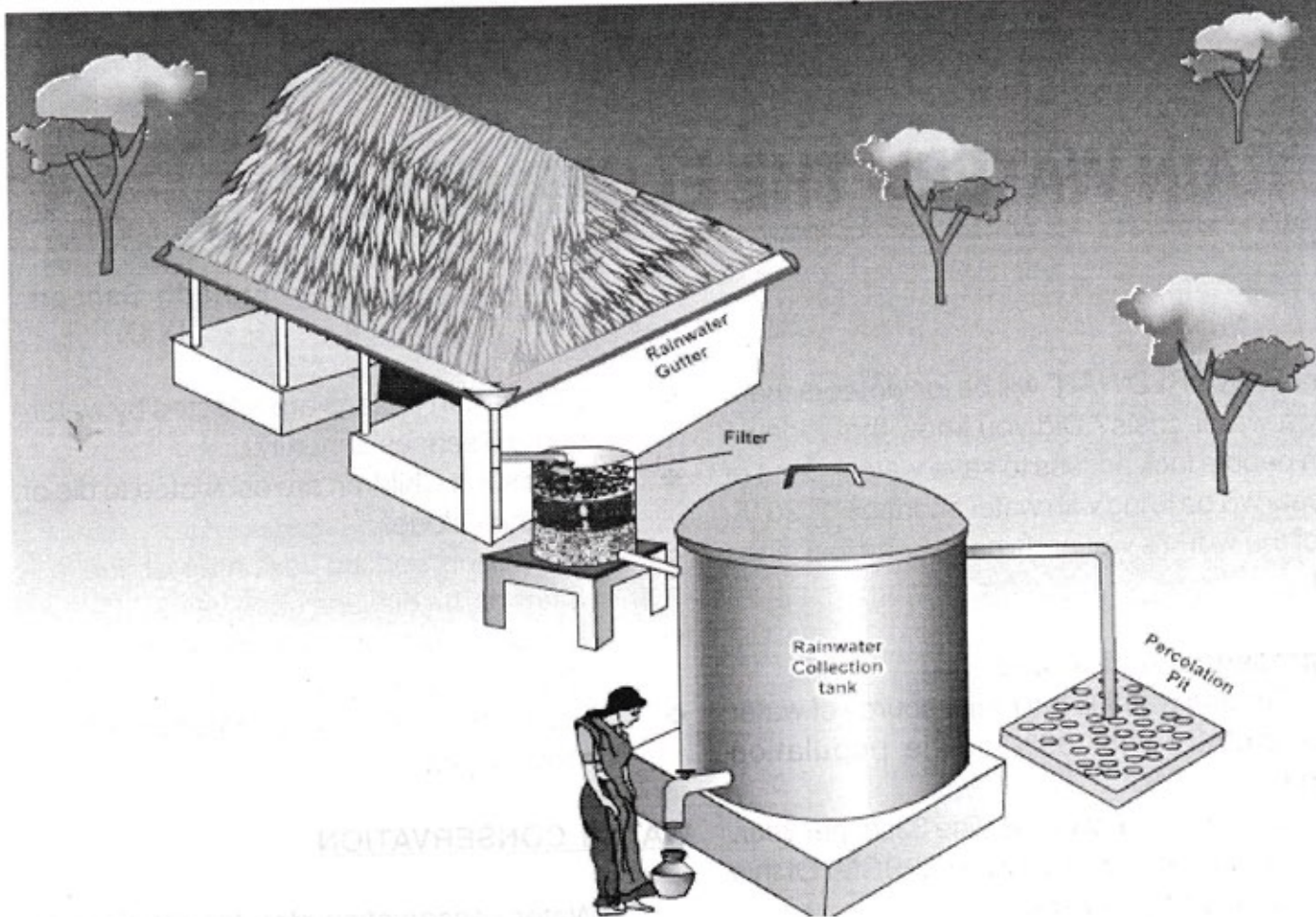
- ❖ 37.7 million Indians are affected by water borne diseases annually.
- ❖ 1.5 million Children are estimated to die of diarrhea alone.
- ❖ 180 million working days are lost due to water borne disease each year.
- ❖ 1, 95,813 Habitations in the country are affected by poor water quality.
- ❖ Economic burden is estimated at \$600 million a year.

## WATER CONSERVATION

Water conservation step for solutions to issue of water & environmental conservation is to change people's attitude & habits. We want to conserve water because it is right thing to do!!!

We have so many ways to conserve water.

- Adopt rain water harvesting.
- Change in attitude & habits for water conservation.
- Re-use water as much as possible.
- Use only as much water as you require. Close the taps well after use, don't leave the tap running. Open it only when you require it. Also check whether if there any are leaking taps.
- Rainwater Harvesting (RWH) process of collecting, conveying & storing water from rainfall in an area of beneficial use.
- Storage in tanks, reservoirs, underground storage-ground water.



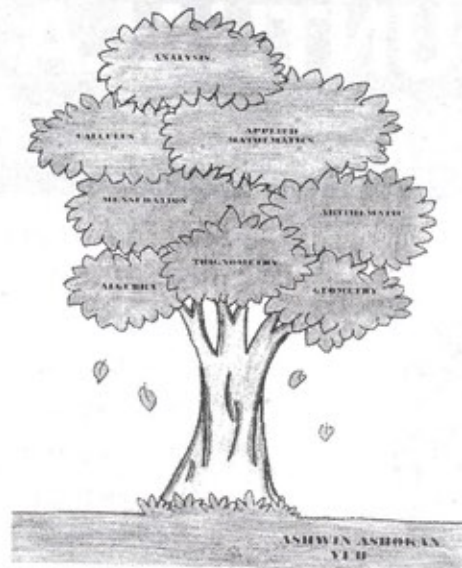
- With the water table falling rapidly & concrete surfaces & landfill dumps taking place of water bodies, RWH is the most reliable solution for augmenting. Ground water level to attain self sufficiency.
- At the end of the day if you have water left in your bottle, don't throw it away pour it over some plants.
- Don't leave the taps running while washing dishes & clothes.
- Install small shower heads to reduce the flow of water. Water in which vegetables & fruits have been washed, use those water to flowers & plants.

Through these points we have to conclude that through water conservation, the Integrated

Water-shed Management (IWM) approach has the following major components. We've promote sustainable economic development through utilization of natural resources & local capacity building. About 2 to 4meter water level increase is to be attained in wells. Also, the watershed management can easily cope up with climate change impacts. The benefits of watershed harvesting & water conservation are to be considered not only for drinking water security, also for agriculture. We can restore ecological balance through community participation & cost affordable technologies for easy acceptance. Improving living conditions of the poorer through more equitable resources distribution & greater access to income generating activities.

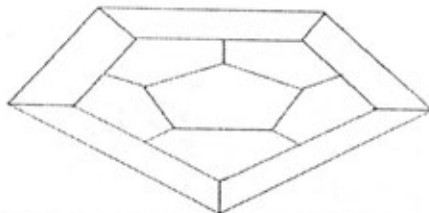
MATHS CLUB

BRANCHES OF MATHEMATICS

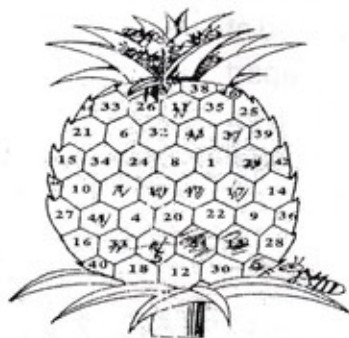


HAMILTONIAN ROUND THE WORLD GAME

Hamilton introduced this graphs in 1859 through a game that used a solid do-decahedron. A Do- decahedron has 20 vertices and 12 pentagonal faces. At each vertex of the solid a peg was attached. The vertices were marked 20 famous cities of the world. Further a string was also provided. The object of the game was to start from any one of the vertex and keep on attaching the string to the pegs as we move from any one vertex to another along a particular edge with condition that we have to get back to the starting city without visiting any intermediate city more than once. ( In other words the problem ask to find a Hamiltonian cycle )



The tiny ant named 'Kunjanurumbu' got seperated from its group and reached a forest. When it turned back it realised that it has travelled through the cells of prime numbers. Can you find the route which 'Kunjanurumbu' travelled?



Sreedevi Balakrishnan  
VIII C

Arrange the numbers in the cells in prime numbers order

# SHAKUNTHALA DEVI

## THE HUMAN COMPUTER



Hailed as a 'human computer' because of her extraordinary talents in solving complex mathematical problems, Shakuntala Devi found her place in Guinness book of records. She has astonished scientists across the world by her capacity to solve mathematical problems in a jiffy without any mechanical aid. Usually these complex mathematical calculations are carried at lightning speed of computer. Now a days, apart from mathematical problems, she is utilizing her amazing talent in field at astrology. She was born with this extraordinary talent as from the very childhood; she used to solve arithmetical problems orally in no time. Manifested an extraordinary Manifesto an extraordinary love for numbers at the age of 3; she became expert in complex mental arithmetic at 5. She did not have even the formal education; on the other hand her

father took her to different places to exhibit her power. Soon her reputation spread all over the country.

Many other countries also invited her. She was asked very complex questions, solvable by computers only. But, Shakuntala Devi flattered and gave the answer after mental calculation; On June 18, 1980. Shakuntala Devi gave the product of two thirteen digit figures after multiplying them within only 28 second. The figures were 18947766817799 and 5426462773730, asked by the computer department of imperial college London. In 1976, she amazed the US scientist by giving immediate answers to complex arithmetical problems by her conventional approach. Shakunthala Devi has delighted world audience with her lightning.



**Ananthakrishnan Kartha**  
VIII D



# JUGGLER OF 3 DIGIT NUMBERS

1. Consider any 3 digit number
2. Repeat this 3 digit number to form a 6 digit number.
3. Now divide the number by 7
4. Divide the answer by 11.
5. Now divide the answer by 13

You have ended with the same number you started with.

## EXAMPLE

1. Consider the 3 digit number: 362
2. Now repeat this 3 digit number to form a 6 digit number : 362, 362
3. Dividing it by 7 we get: 51766
4. Dividing 51766 by 11, gives: 4706
5. And now dividing 4706 by 13 gives: 362

# GAMES IN MATHS

## Amazing sums

$$1+2 = 3$$

$$4+5+6 = 7+8$$

$$9+10+11+12 = 13+14+15$$

$$16+17+18+19+20 = 21+22+23+24$$

$$25+26+27+28+29+30 = 31+32+33+34+35$$

## Tricky Maths

$$31 \times 26 = 13 \times 62 = 806$$

$$21 \times 24 = 12 \times 42 = 504$$

$$21 \times 36 = 12 \times 63 = 756$$

$$21 \times 48 = 12 \times 84 = 1008$$

$$31 \times 39 = 13 \times 93 = 1209$$

$$32 \times 46 = 23 \times 64 = 1472$$

$$32 \times 69 = 23 \times 96 = 2208$$

$$41 \times 28 = 14 \times 82 = 1148$$

$$42 \times 48 = 24 \times 84 = 2016$$

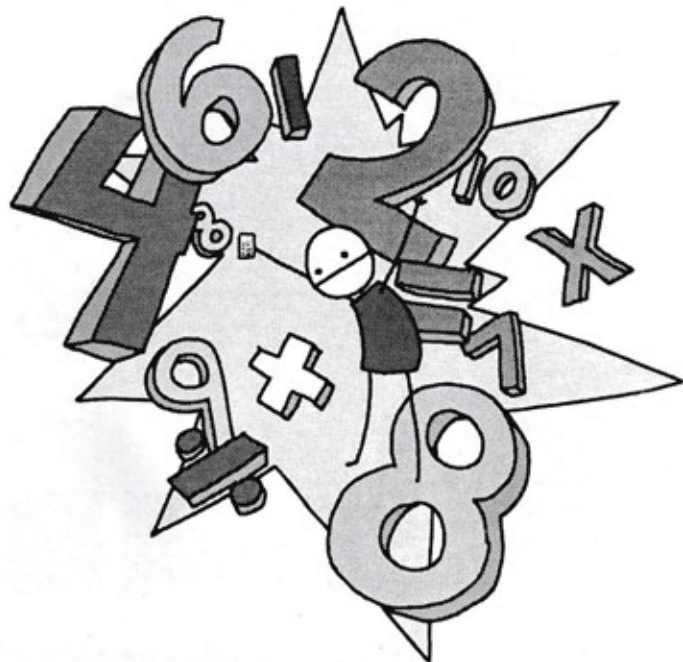
$$42 \times 36 = 24 \times 63 = 1512$$

$$52 \times 39 = 26 \times 93 = 2418$$

$$43 \times 68 = 34 \times 86 = 2924$$

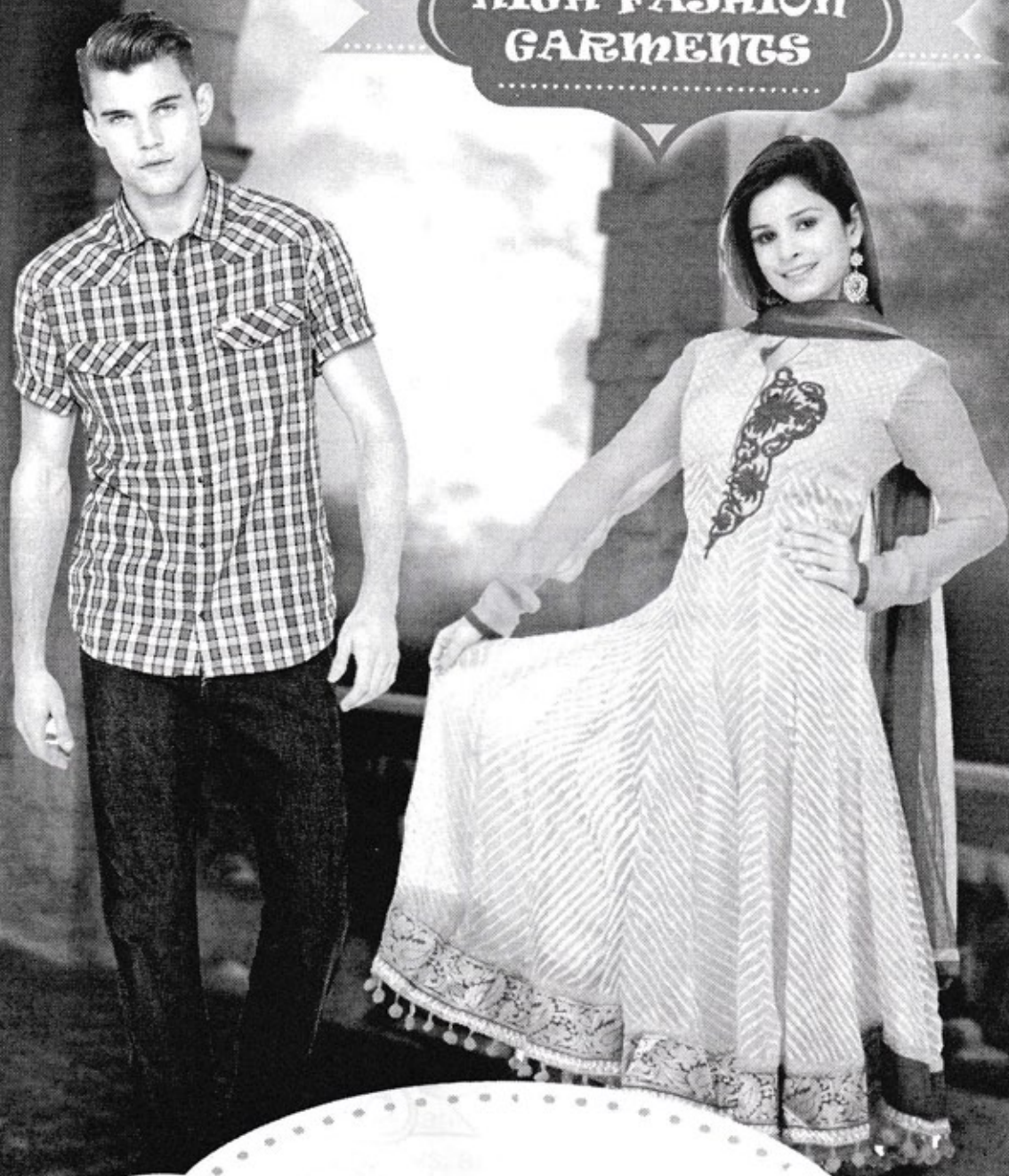
$$53 \times 48 = 36 \times 84 = 3024$$

$$54 \times 69 = 46 \times 96 = 4416$$




FATHIMA SAEEDA  
VII B

HIGH FASHION  
GARMENTS



**AMBADI**  
**Readymade centre**

 :0484 - 2624558

# TALENTS



**Vismaya uday (+1)**  
Classical Music A grade first  
Kathakalisangeetham  
Koodiyattom  
Orchestra State level



**Vinayak Venugopal (VIII)**  
Chakyarkooth  
A grade 2nd  
Padakam, Skt. nadakam  
state level



**Sameera Uday (X)**  
Classical music, group song  
A grade First, Kathakali sangeetham  
Ashtapadi, Nangyarkoothu  
Orchestra, Padakam  
State level



**Jyothsna Nair (VIII)**  
Aksharaslokam  
A grade first  
Skt Aksharaslokam,  
Kavyakeli group song  
skt. first state level



**Harisankar (VIII)**  
A grade Kathakali  
sangeetham  
state level



**Fahimida Kareem (VI)**  
Kavitha Rachana A grade  
first, samasyapooranam  
A Grade first, group song,  
Oppana A Grade first



**Devika S (VII)**  
Best actress  
Nadakam Skt.  
Dist. level



**Vishnu Viswanath (VI)**  
Painting A grade first  
Pencil drawing, YMCA  
Painting A grade first  
Forest department



**Sandra Krishna (V)**  
Bharathanatyam  
A grade first, Kuchuppudy  
folk dance A grade dist. level



**Nirupama Venugopal (IV)**  
Bharathanatyam first A grade  
Group dance A grade IInd  
Sub dist.



**Arya Sudhi (II)**  
folk dance A grade 2nd  
Sub dist.



**Sabareesh Govind (IV)**  
classical music A grade first  
light music a grade 2nd  
group music A grade first  
Sub dist.



**Gouri P.D (II)**  
Kathakathanam  
A grade  
Sub dist.





# GANDHI JAYANTHI



A Survey on cleanliness by the Vidhyadhirajians along with the leaflet of Gandhian message on Gandhi Jayanthi

# INDEPENDENCE DAY



Independence at a glance

Spirit of Enthusiasm through the life of prominent leaders of Indian struggle



# KIDS FEST



Melodious song by Bhavana Jayachandran....



Blooming buds of Vidhyadhiraja....



AN ISO 9001:2008 CERTIFIED COMPANY



TEXTILES COMMITTEE (reg no: TC/BAG/1809/2014 )  
Ministry of Textiles, Govt: of India



നിങ്ങൾ വിഭാവന ചെയ്യുന്ന ഡിസൈനുകളിലുള്ള യൂണിഫോം തൂണികൾ, നിങ്ങളുടെ ആവശ്യാനുസരണം നിർദ്ദിഷ്ട സമയത്തിനുള്ളിൽ പരിപൂർണ്ണ ഉത്തരവാദിത്വത്തോടെ നിർമ്മിച്ച് ഇടനിലക്കാരില്ലാതെ ഫാക്ടറി വിലയ്ക്ക് നൽകുന്നു.

യൂണിഫോമിന് അനുബന്ധമായ സ്കൂൾ റീഷർട്ട്, യൂണിഫോം സാരിസ്, സ്വറ്റർ, സോക്സ്, ബൽറ്റ്, എംബ്ളം, റൈ, റൈട്സ തുടങ്ങിയവയും നിങ്ങളുടെ അഭിരുചിയനുസരിച്ച് നിർമ്മിച്ച് നൽകുന്നു

കേന്ദ്ര സർക്കാരും, സ്റ്റേറ്റ് സർക്കാരും തീരുമാനിക്കുന്ന സ്കൂൾ യൂണിഫോം ഡിസൈനുകൾ കേന്ദ്ര സർക്കാരിന്റെ ലബോറട്ടറിയിൽ നിന്നും സർക്കാർ നിർദ്ദേശ പ്രകാരമുള്ള ലാബ് റിപ്പോർട്ട് സർട്ടിഫിക്കറ്റ് കോപ്പികളും ബാച്ച് നമ്പർ സഹിതം തുണിയോടൊപ്പം ഉൾപ്പെടുത്തി നൽകുന്നതാണ്



# Prashanthi™

Manufacturer & Exporter of All Types Of School Uniform Materials

Lakshmi Market (Kapoor Market)

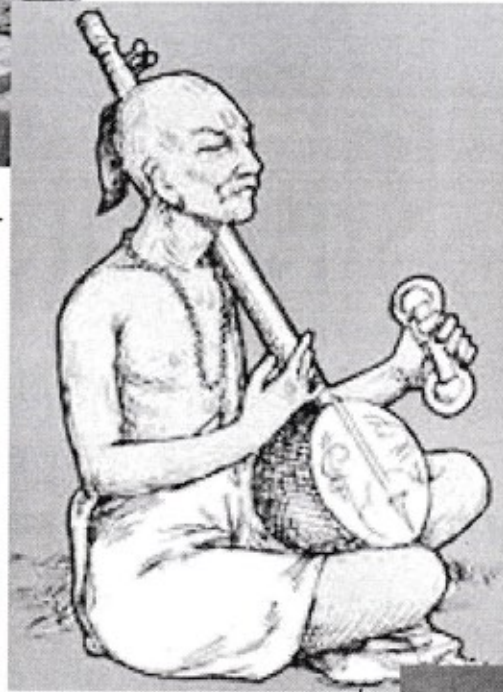
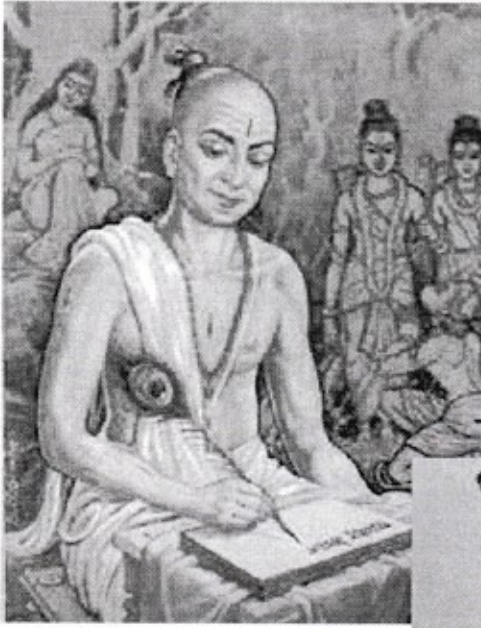
D.S Lane, Chickpet, Bangalore - 560053

Ph: +91 80 41234457, 80 22383171 Fax: +91 80 22383171

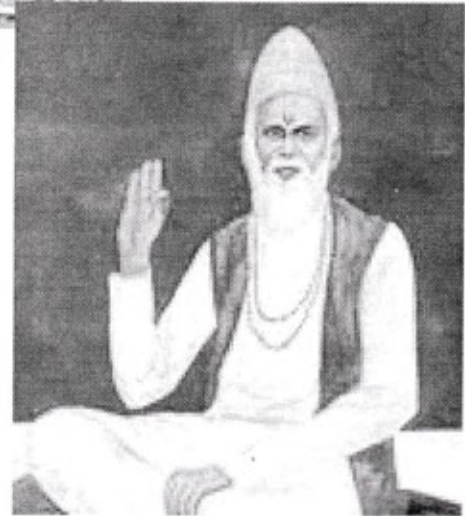
saiswar70@gmail.com

www.prashanthiuniforms.com

ബന്ധങ്ങൾക്ക് വേറെ ശാഖകളില്ല



# हिंदी विभाग





# हमारा भारत



फमीना एन. मुबारक

मीठे स्वर में तुम गाओ रे ।  
भारत माँ की जय बोलो रे ।  
हिन्दू - मुस्लिम मिल जाओ रे ।  
भेद - भाव सब भूलो रे ।  
देश का नाम बढाओ रे ।  
मीठे स्वर में तुम गाओ रे ।  
आलस्य तुमारा दूशमन रे ।  
हिंसा का पथ तुम छोड़ो रे ।  
भारत की शान बढाओ रे ।  
अपना वचन निभाओ रे ।  
हर विपदा से टकराओ रे ।  
मीठे स्वर में तुम गाओ रे ।



नन्दना मित्रा

IX C

## पुस्तकों का महत्व

पुस्तक हमारी मित्र है । वे अपना अमृत - कोष सदा हम पर न्योछवर करने को तैयार रहती हैं । पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं । उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है। महात्मागाँधी को महान बनाने में गीता, टालस्टाय और थोरो का भरपुर योगदान था। मैथिलीशरण गुप्त की भारत - भारती पढ़कर कितने ही नौजवानों ने आज़ादी के आंदोलन में भाग लिया था। पुस्तकें ही आज की मानव - सभ्यता के मूल में है ।

पुस्तकों के द्वारा एक पीढ़ी का जान दूसरी पीढ़ी तक पहुँचते - पहुँचते सारे युग में फैल जाता है। पुस्तकें किसी भी विचार, संस्कार या भावना के प्रचार का सबसे शक्तिशाली साधन है। तुलसी के रामचरितमानस ने तथा व्यासा रचित महाभारत ने अपने युग को तथा आनेवाली शताब्दियों को पूरी तरह प्रभावित किया । पुस्तकों के साथ हम गुजर सकते हैं। किसी ने कहा है - पुस्तकें जाग्रत देवता है। उनसे तत्काल वरदान प्राप्त किया जा सकता है ।